RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

वर्ष :15 । अंक:223। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (रविवार) 05 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन

+91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ने की महिला आरक्षण पर आम सहमति की अपील

• 2029 चुनाव में लागू होने का दिया भरोसा

एजेंसी

तिरुवल्ला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को तिरुवल्ला में आयोजित एक विशाल एनडीए रैली को संबोधित करते हुए महिला सशक्तिकरण को अपनी सरकार की प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल के तहत संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का लक्ष्य तय है और यह 2029 के लोकसभा चुनाव तक लागू हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने जानकारी दी कि संसद में इस बिल पर 16 से 18 अप्रैल के बीच चर्चा होगी और उन्होंने सभी दलों से इस पर सर्वसम्मति बनाने की अपील की। उन्होंने विपक्ष से रचनात्मक सहयोग करने का आग्रह भी किया। सीटों के परिसीमन (डिलिमिटेशन) को लेकर उठ रही आशंकाओं को खारिज करते हुए पीएम मोदी ने स्पष्ट कहा कि केरलम और तमिलनाडु की एक भी लोकसभा सीट कम नहीं की जाएगी। उन्होंने इसे अफवाह बताते हुए कहा कि लोगों में भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है।

'हिंदी थोपने' के एमके स्टालिन के आरोप निराधारः प्रधान

•'बहुभाषावाद किसी भाषा को कमजोर नहीं करता, बल्कि उसे मजबूत बनाता है'

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा नई शिक्षा नीति को लेकर लगाए गए 'हिंदी थोपने' के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह राजनीतिक विफलताओं को छिपाने का प्रयास है। प्रधान ने शनिवार को एक्स पोस्ट में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भाषाई स्वतंत्रता को बढ़ावा देती है और मातृभाषा में शिक्षा को प्राथमिकता देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीति को 'अनिवार्य हिंदी' के रूप में पेश कर युवाओं के बहुभाषी बनने के अवसरों को बाधित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बहुभाषावाद किसी भाषा को कमजोर नहीं करता, बल्कि उसे मजबूत बनाता है। केंद्र सरकार सभी भारतीय भाषाओं को समान रूप से बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और विभिन्न योजनाओं एवं ढांचों के माध्यम से इसे लागू किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने पीएम-श्री स्कूलों की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर नहीं किए, जबकि पहले सहमति दी गई थी। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद नवोदय विद्यालयों की स्थापना में भी बाधाएं डाली जा रही हैं, जिससे गरीब और वंचित छात्रों को नुकसान हो रहा है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार शिक्षा के क्षेत्र में वित्तीय सहायता और शिक्षक प्रशिक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, लेकिन राज्य सरकार की राजनीति के कारण प्रगति बाधित हो रही है। उन्होंने 'हिंदी थोपने' के मुद्दे को भ्रामक बताते हुए इसे अनावश्यक भ्रम फैलाने की कोशिश करार दिया।

मालदा में ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर के पास दिखा ड्रोन, मुख्यमंत्री ने दिए जांच के निर्देश

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर के पास शनिवार दोपहर एक संदिग्ध ड्रोन देखे जाने से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। मुख्यमंत्री ने इस घटना की तत्काल जांच के निर्देश दिए हैं। यह घटना मालदा जिले के मालतीपुर में उस समय हुई जब ममता बनर्जी अपनी जनसभा को संबोधित करने के बाद हेलीकॉप्टर में सवार होने जा रही थीं। शनिवार को उनकी यह दूसरी जनसभा थी। इससे पहले उन्होंने मानिकचक में सभा की थी और इसके बाद उन्हें गाजोल में तीसरी जनसभा के लिए जाना था। जैसे ही वह हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर की ओर बढ़ीं, उसी दौरान एक ड्रोन उसके सामने मंडराता हुआ दिखाई दिया। इसे देखते ही मुख्यमंत्री कुछ देर के लिए रुक गईं और मंच से ही पुलिस को मामले पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले पर पुलिस को सतर्क रहना चाहिए और इसके पीछे जिम्मेदार लोगों की पहचान की जानी चाहिए।

राघव चड्ढा का पलटवार-संसद में जनता के मुद्दे उठाने गया, हंगामा करने नहीं

● 'मेरे खिलाफ एक अभियान चलाया जा रहा है'

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) का अंदरूनी तनाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने पार्टी नेताओं द्वारा उनपर लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वह संसद में प्रभावी ढंग से जनता के मुद्दे उठाने गए हैं न कि हंगामा करने। राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि उनके खिलाफ एक अभियान चलाया जा रहा है। एक जैसी भाषा, एक जैसे आरोप। उनके खिलाफ एक सुनियोजित अभियान चलाया जा रहा है, जो एक संगठित हमला है। आम आदमी पार्टी ने उन पर तीन आरोप लगाए हैं। पहला आरोप यह कि जब विपक्ष संसद से वॉकआउट करता है तो राघव चड्ढा वहीं बैठे रहते हैं। इस पर उन्होंने कहा कि यह सरासर झूठ है। मैं चुनौती देता हूं कि एक भी उदाहरण दिखा दीजिए जब विपक्ष ने वॉकआउट किया हो और मैंने उनका साथ न दिया हो।'उन्होंने कहा कि दूसरा आरोप यह था कि उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। यह भी सफेद झूठ है। न तो किसी नेता ने उनसे इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने को कहा, न औपचारिक रूप से, न अनौपचारिक रूप से। पार्टी के 10 राज्यसभा सदस्यों में से 6-7 ने खुद इस प्रस्ताव पर

हस्ताक्षर नहीं किए। तो दोष सिर्फ उन पर क्यों मढ़ा जा रहा है? इस प्रस्ताव के लिए कुल 50 हस्ताक्षर चाहिए थे, जो विपक्षी सांसदों की संख्या को देखते हुए आसानी से पूरे हो गए थे।' उन्होंने कहा कि तीसरा आरोप यह था कि वह डर गए हैं और बेकार मुद्दे उठाते हैं। मैं संसद में शोर मचाने, चीखने-चिल्लाने, माइक तोड़ने या गाली देने नहीं गया।

• पश्चिम एशिया संकट पर बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

'भारतीयों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध'

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल में चुनावी बिगुल बज चुका है और इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सूबे के तिरुवल्ला में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने विपक्षी दल कांग्रेस, लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) पर जमकर प्रहार किए। पीएम ने कांग्रेस पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी सिर्फ चुनावी फायदे और मुझे गाली देने के लिए एक करोड़ प्रवासियों की जिंदगी दांव

पर लगाने को तैयार है। प्रधानमंत्री ने विरोधियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि मैं कांग्रेस और एलडीएफ-यूडीएफ के लोगों से साफ कह देना चाहता हूं कि राजनीति अपनी जगह है और चुनाव आते-जाते रहेंगे। मेरे लिए केरल के जो लाखों लोग वहां काम कर रहे हैं, उनकी सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है और मैं इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं।

'सबरीमाला में हुए पाप का कांग्रेस और लेफ्ट से कनेक्शन'

प्रधानमंत्री ने केरल की संस्कृति पर हो रहे हमलों को लेकर भी विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि लेफ्ट और कांग्रेस के भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का सीधा निशाना केरल की महान संस्कृति और आस्था पर है। उन्होंने कहा कि पहले इन लोगों ने सबरीमाला तीर्थ को बदनाम करने की साजिश रची और अब यह इनकी लूट का अड्डा बन गया है। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि सबरीमाला में जो कुछ भी हुआ वह एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि यह चोरी एलडीएफ सरकार में हुई और इसके तार कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से जुड़े पाए गए हैं। यही वजह है कि एलडीएफ सरकार इस पूरे मामले की जांच सीबीआई को नहीं सौंप रही है।

'कांग्रेस चाहती है कि खाड़ी देश भारत को अपना दुश्मन समझें'

'प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की मंशा बेहद खतरनाक है। वे चाहते हैं कि पश्चिम एशिया के देश भारत को अपना दुश्मन समझ लें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि हम यहां कोई ऐसी गलती कर दें या कोई ऐसा बयान दे दें, जिससे खाड़ी देशों में रह रहे हमारे भारतीय भाई-बहनों पर बड़ी मुसीबत आ जाए। पीएम मोदी ने सीधे तौर पर कहा कि कांग्रेस जानबूझकर खाड़ी देशों को नाराज करने वाले बयान दे रही है, जिससे देश में डर का माहौल बने और उन्हें केंद्र सरकार को कोसने का मौका मिल सके।

असम में एनडीए की प्रचंड जीत का दावा

नवीन का विपक्ष पर हमला

•दस वर्षों में एनडीए सरकार ने असम में विकास और विरासत दोनों को आगे बढ़ाने का कार्य किया है :राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन

एजेंसी

श्रीभूमि। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को असम के श्रीभूमि में आयोजित जनसभा में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की जीत का दावा किया और विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में यह देखा गया कि न यहां की रोटी के प्रति कोई सुरक्षा थी, लोग रोटी के लिए दर-दर भटकते थे, परेशान रहते थे और रोजगार के लिए भागते फिरते थे। न यहां की बेटी सुरक्षित थी और न ही यहां की माटी सुरक्षित थी जबकि तुष्टिकरण की राजनीति सिर

चढ़कर बोल रही थी। वह दौर भी देखा गया जब यहां घुसपैठियों के प्रति चिंता जताई गई, लेकिन असम के लोगों की चिंता नहीं की गई और इसी कारण असम की जनता ने उन्हें इसका दंड भी दिया। नितिन नवीन ने कहा कि दस वर्षों में एनडीए सरकार ने असम में विकास और विरासत दोनों को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। कभी असम और बराक वैली इलाके को वोट बैंक की राजनीति के कारण अपराध का गढ़ बना दिया गया था। वर्ष 2010 से 2012 के बीच जब मैं बराक वैली इलाके में आया था और उस समय पार्टी में युवा मोर्चा का कार्य कर रहा था, तब यहां अशांति का वातावरण था। लोग सड़कों की समस्या से परेशान रहते थे और गुवाहाटी से बराक वैली तक आने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

केरल चुनावः जेपी नड्डा का रोड शो

•राजग उम्मीदवारों के लिए मांगा समर्थन

एजेंसी

नेय्याट्टिनकारा। केरल विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीख नजदीक आते ही राजनीतिक दलों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में शनिवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की तरफ से नेय्याट्टिनकारा विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा के नेतृत्व में रोड शो आयोजित किया गया। रोड शो के बाद अपने संबोधन में नड्डा ने राज्य की सत्ताधारी वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार पर हमला बोला और विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा, 'एलडीएफ और यूडीएफ भ्रष्टाचार के एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।' जेपी नड्डा ने हालिया सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी विवाद का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि इसमें उच्च स्तर की साजिश है। नड्डा ने

कहा कि पिछले कई वर्षों से राज्य की संपत्तियों का दुरुपयोग हुआ है और राजग सरकार बनने पर भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राज्य की आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि केरल कर्ज के दलदल में फंसा हुआ है और भाजपा का विकास-प्रथम मॉडल ही इसे बदहाली से निकाल सकता है। इससे पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता के करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे रोड शो में समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ देखी गई। ढोल-नगाड़ों, भगवा झंडों और नारों के बीच यह रोड शो शहर के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए नेय्याट्टिनकारा बस स्टैंड तक पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ। इस दौरान मतदाताओं से राजग उम्मीदवार चेंकल राजशेखरन नायर के लिए समर्थन मांगा गया। नड्डा ने अपने दो दिवसीय केरल दौरे के पहले दिन शुक्रवार को श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की और वट्टियूरकावु व तिरुवनंतपुरम शहर में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके अलावा अटिंगल और पेरूकाडा में जनसभाओं को संबोधित कर पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन की अपील की।

गुजरात के मतदाता जागें! क्या चेहरा बदलकर भ्रष्टाचार छिपाने की कोशिश होगी सफल?

जनता को गुमराह करने का दांव-पवन माकन का सटीक विश्लेषण

महानगर मेट्रो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात में आगामी चुनावों का बिगुल बज चुका है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में एक ऐसा 'कड़वा सच' छिपा है जिसे मतदाताओं के लिए समझना बेहद जरूरी है। सत्ताधारी दल भाजपा द्वारा इस बार एक नई बिसात बिछाई जा रही है। जनता के आक्रोश को भांपते हुए हाईकमान ने भ्रष्ट नेताओं को किनारे करने का ढोंग तो किया है, लेकिन क्या वास्तव में सत्ता का चरित्र बदलेगा? या फिर यह सिर्फ 'नई बोतल में पुरानी शराब' जैसा मामला बनकर रह जाएगा?

भ्रष्टाचार का 'फैमिली पैकेज': परिवारवाद का नया अवतार

विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जिन नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं या जिनसे जनता नाराज है, उनके टिकट काटकर उनके ही बेटे,

बेटी या पत्नी को मैदान में उतारने की तैयारी चल रही है।

* **नए उम्मीदवार के नाम पर छलावाः** नए चेहरे लाकर ऐसी छवि बनाने की कोशिश की जा रही है कि पार्टी पूरी तरह 'साफ-सुथरी' हो गई है।

* **रिमोट कंट्रोल शासनः** उम्मीदवार भले ही नया हो, लेकिन सत्ता की लगाम उसी पुराने और दागी नेता के हाथ में रहेगी। क्या गुजरात की जनता इतनी भोली है कि इस चाल को समझ न सके?

महानगर मेट्रो की अपीलः क्यों चाहिए 'स्वच्छ' उम्मीदवार ?

अब तक की 'चलता है' वाली मानसिकता ने गुजरात के कई बुनियादी मुद्दों को उलझा कर रख दिया है। भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हो चुकी हैं कि आम आदमी का काम बिना रिश्वत के होना नामुमकिन सा हो गया है। अब समय आ गया है कि मतदाता जागरूक हों। सिर्फ पार्टी देखकर नहीं, बल्कि इंसान देखकर वोट दें। यदि उम्मीदवार किसी भ्रष्ट नेता का उत्तराधिकारी है, तो समझ लीजिए कि वास्तविक परिवर्तन कभी नहीं आएगा।

कैसा उम्मीदवार चुनें?

एक बेहतर भविष्य के लिए मतदाता इन पैमानों पर गौर करें:

* युवा और शिक्षितः जिसके पास अपना विजन हो और जो तकनीक व आधुनिक युग की समस्याओं को समझता हो।

* जनता के बीच रहने वालाः ऐसे नेता को चुनें जो केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि पूरे साल आपके सुख-दुख में साथ खड़ा रहे।

* बेदाग छविः जिसका अतीत साफ हो और जिसका उद्देश्य सेवा करना हो, न कि सत्ता का सुख भोगना।

अंतिम फैसला आपके हाथ में...

क्या इस बार भी आप 'चेहरे' बदलने के इस राजनीतिक खेल का शिकार बनेंगे? या फिर एक मजबूत और स्वतंत्र विचारधारा वाले उम्मीदवार को जिताकर गुजरात में सच्चा परिवर्तन लाएंगे? 'महानगर मेट्रो' और पवन माकन की गुजरात के तमाम मतदाताओं से विनम्र अपील है कि इस बार अपना वोट किसी पार्टी के नाम पर नहीं, बल्कि गुजरात के भविष्य और एक ईमानदार छवि के नाम पर दें। आपका एक वोट, भ्रष्टाचार मुक्त गुजरात की नींव बनेगा।

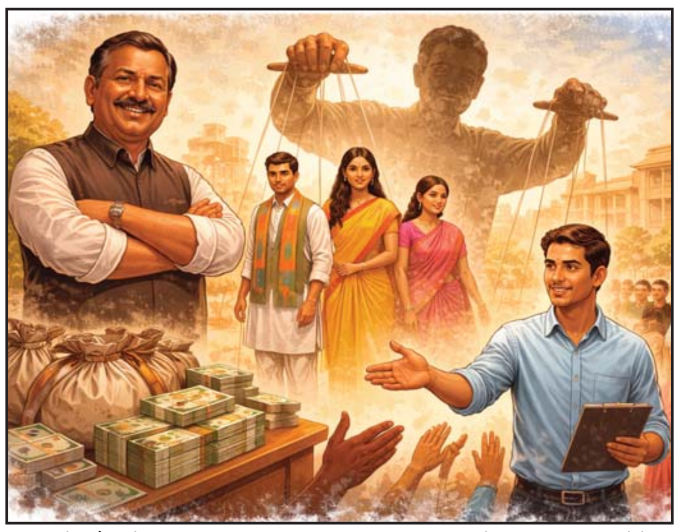

टीएमसी का मतलब टेरर, मर्डर और क्राइम' : अनुराग सिंह ठाकुर

•मुख्यमंत्री जांच एजेंसियों के काम में बाधा डाल रही है :ठाकुर

एजेंसी

सिलीगुड़ी। भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को बागडोगरा एयरपोर्ट पर उतरते ही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला। इस्लामपुर रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि टीएमसी का मतलब टेरर, मर्डर और क्राइम है।उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार, शोषण और माफियागिरी चरम पर है। ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए ठाकुर ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य में भ्रष्टाचार और महिलाओं पर अत्याचार बढ़ा है, जबकि युवाओं की स्थिति भी चिंताजनक है। मालदा की घटना को लेकर उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं बल्कि एक बड़ा षड्यंत्र था। अधिकारियों को रोके जाने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने राज्य की कानून-

व्यवस्था पर सवाल उठाए।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर ठाकुर ने दावा किया कि राज्य में हजारों करोड़ के घोटाले हुए है और मंत्रियों के घरों से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री जांच एजेंसियों के काम में बाधा डाल रही है और चुनाव आयोग के अधिकारियों को डराने की कोशिश की जा रही है। चुनावी रणनीति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा कि 74 विधायकों को टिकट क्यों नहीं दिया गया और 15 उम्मीदवारों की सीटें क्यों बदली गई। उनके अनुसार, यह संकेत है कि सत्तारूढ़ दल चुनाव हारने की स्थिति में है।

वैश्विक झटकों ने हमारी लचीलेपन की परीक्षा ली और भारत मजबूती से बाहर निकला : विदेश मंत्री

•भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर का 15वां वार्षिक दीक्षांत समारोह

एजेंसी

रायपुर। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा, हम अब दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि हाल के कई वैश्विक झटकों ने हमारी लचीलेपन की परीक्षा ली है और भारत उससे मजबूती से बाहर निकला है। हमने घरेलू और बाहरी दोनों चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया है। विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर शनिवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) नया रायपुर स्थित परिसर में 15वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में विभिन्न कार्यक्रमों के 552 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई, जिनमें प्रमुख एमबीए प्रोग्राम के 314, एग्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम के 230 और 8 डॉक्टरेट शोधार्थी शामिल थे। इस अवसर पर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने दीक्षांत भाषण दिया। दीक्षांत

समारोह को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने कहा, स्नातक होने वाले इस बैच को खुद को भाग्यशाली मानना चाहिए। क्योंकि यह उस पीढ़ी का हिस्सा है जो 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नियत है। आप एक दशक की ठोस प्रगति और विकास के लाभार्थी हैं। आपको तकनीक और सूचना तक वह पहुंच प्राप्त हुई है, जिसकी कल्पना एक पीढ़ी पहले करना भी असंभव था। यही नहीं आप वैश्वीकरण के उस युग में बड़े हुए हैं, जिसने आपको शेष विश्व के साथ बहुत गहराई से जोड़ा है। आज भारत अपनी विकास यात्रा में एक लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है और आपका यह समूह उन लोगों में शामिल होगा जो इस प्रयास का नेतृत्व करेंगे। आपके कौशल हमारे राष्ट्र को समृद्धि की खोज में आगे ले जाने में मदद करेंगे।

2026 से पहले बंगाल में महाभारत: बुर्का पहनने वाले मुख्यमंत्री के दावे पर नवनीत राणा का वज्रपात!

कुरुक्षेत्र से मानक्षेत्र तक जब दुनिया का सबसे अच्छा योद्धा हार जाता है !

महानगर मेट्रो

हम सब ज़िंदगी में एक ऐसे मोड़ पर आते हैं जहाँ रास्ता रुका हुआ लगता है। श्रीमद् भगवद् गीता का पहला चैप्टर, 'अर्जुन विषाद योग', सिर्फ.एक पुरानी कहानियों के युद्ध की शुरूआत नहीं है, बल्कि यह उस कुरुक्षेत्र का आईना है जो सबके मन में चल रहा है।

सोचिए, जिस योद्धा ने सिर्फ. एक मछली की आँख भेदने के लिए ज़िंदगी भर तपस्या की हो, जिसका नाम सुनते ही दुश्मनों का खून जम जाता हो, वही महाबाहु अर्जुन युद्ध के मैदान में काँपने लगे! यह कोई आम डर नहीं था, यह वो पल था जब एक 'कलाकार' अपनी ही भावनाओं के जाल में फँस जाता है। गीता किसी श्लोक या मंत्र से नहीं, बल्कि एक सवाल और इंसान के 'टूटने' से शुरू होती है। यह एक ऐसे आदमी की कहानी है जिसके पास ताकत है, सबसे अच्छे हथियार हैं और खुद भगवान कृष्ण का साथ है, फिर भी वह अंदर से टूट जाता है।

1. अंधापन सिर्फ आंखों का नहीं, दिमाग का भी होता है।
गीता के पहले श्लोक में राजा धृतराष्ट्र कहते हैं "धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत संजय" धृतराष्ट्र सिर्फ आंखों से ही अंधे नहीं थे, वे 'भ्रम' में अंधे थे। इस श्लोक में, वे 'मेरे पुत्रों' (मामकाः) और 'पांडु के पुत्रों' कहकर फर्क की लाइन खींचते हैं। यह 'मेरा और तेरा' ही दुनिया के सारे झगड़ों की जड़ है। जब कोई इंसान बायस्ड होता है, तो वह अपना होश खो देता है। आज भी, हमारा मतलबीपन और 'मेरा और तेरा' करने की आदत हमें सच देखने से रोकती है।

2. दुखः जब 'एक्सपर्ट' भी रास्ता ढूंढ लेता है!
अर्जुन कोई आम आदमी नहीं था, वह उस समय का 'सुपर हीरो' था। लेकिन जैसे ही उसने रथ से दूसरी तरफ अपने ही रिश्तेदारों को देखा, उसकी सारी काबिलियत बेकार हो गई। उसका शरीर कांपने लगा, चेहरा सूख गया और उसका मशहूर 'गांडीव' धनुष उसके हाथ से फिसल गया। जैसे एक सर्जन अपने ही बच्चे का ऑपरेशन करते समय कांपता है, वैसे ही अर्जुन भी इमोशनल ब्लैकमेल का शिकार हो गया। जब इमोशन बुद्धि पर हावी हो जाते हैं, तो इंसान पैरालाइज्ड हो जाता है। यह स्थिति दिखाती है कि हम बाहर से कितने भी काबिल क्यों न हों, अगर मन कच्चा है, तो सब बेकार है।

3. बहानों की दुनिया
अर्जुन कृष्ण को युद्ध न लड़ने के लिए लंबे और शानदार तर्क देता है "कृष्ण, युद्ध से कुल का नाश होगा, पाप लगेगा, नर्क जाना पड़ेगा।" यह सच्चा ज्ञान नहीं था, यह अर्जुन का डर था। जब हमें मेहनत या रिस्क नहीं लेना होता, तो हम 'फिलॉसफी' और 'लॉजिक' के पीछे छिप जाते हैं। कायर हमेशा अपनी कमजोरी को 'शांति' या 'संस्कृति' के रूप में छिपाता है। आज की ज़िंदगी के लिए नैतिकता ही एकमात्र सच्चा हथियार है। भले ही कृष्ण (बुद्धि) रथ पर बैठे हों, भले ही अर्जुन (मन) हार जाए, युद्ध नहीं जीता जा सकता। सफलता के लिए सिर्फ. औजार काफी नहीं हैं, आपका हौसला मजबूत होना चाहिए। भ्रम तर्क का दुश्मन है। अर्जुन लड़ने में नाकाबिल नहीं था, बल्कि वह रिश्तेदारों के भ्रम में फँस गया था। सच्चा प्यार फर्ज. निभाने में मदद करता है, पीछे हटने में नहीं। दुख ज्ञान की शुरूआत है। इस चैप्टर को 'अर्जुन विषाद योग' कहते हैं। गीता हमें सिखाती है कि जब तक इंसान का अहंकार और उसके झूठे तर्क धूल में नहीं मिल जाते, तब तक परमात्मा के ज्ञान के लिए कोई जगह नहीं है। अगर आपका दुख भी आपको सच्चाई की ओर ले जाए, तो वह 'योग' बन जाता है।

आप कहाँ हैं ?
चैप्टर 1 के आखिर में, अर्जुन रथ के पीछे बैठकर अपने हथियार रख देते हैं। भगवान कृष्ण इस पूरे चैप्टर में एक भी शब्द नहीं बोलते। वह बस चुपचाप अर्जुन की बात सुनते हैं। अगर अभी ज़िंदगी में अंधेरा है, कोई रास्ता नहीं दिख रहा है और आप टूट चुके हैं, तो घबराएं नहीं। आप गीता के पहले चैप्टर में हैं। अब आपकी सारी बहसें बंद हो जाएंगी, तभी कृष्ण का ज्ञान शुरू होगा। गाइडेंस के लिए, पहले चुप रहना और यह मानना जरूरी है कि "मैं कन्फ्यूज्ड हूं।"

क्या आपने भी 'गांडीव' छोड़ दिया है?...
(क्रमशः: अगले चैप्टर 2 में, भगवान कृष्ण का मौन टूटेगा और अर्जुन को आत्मा का ऐसा ज्ञान मिलेगा जो उसे कायरता से वीरता की ओर ले जाएगा।)

– **दर्शना पटेल**
(नेशनल मेडलिस्ट)

|| आवश्यकता ||

दैनिक समाचार पत्र के लिए गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के विभिन्न जिलों के गाँवों, नगरों एवं कस्बों में जिला ब्यूरो चीफ, सर्किल ब्यूरो चीफ, संवाददाता अथवा पत्रकार प्रतिनिधि इसके वे ही पात्र होंगे जो:-

- समाचारों को सुव्यवस्थित ढंग, शुद्ध व सरल हिन्दी भाषा एवं अच्छे अक्षरों में लिखकर भेज सकें।
- अपने स्वयं के गाँव के साथ आस-पास के भी समाचारों का संकलन कर भेज सकें।
- समाचारों के साथ-साथ पत्र के सदस्य बना सकें और विज्ञापन भी भेज सकें।

अपने परिचय सहित पत्र या पत्र व्यवहार द्वारा सम्पर्क करें:

महानगर मेट्रो

पत्रव्यवहार

सी-8- रिची हाउस, स्वामीनारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

मो.: 9638877700,9662420070

mahanagarmetro7@gmail.com

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव : बुर्का बयान पर बंगाल में सियासी संग्राम

महानगर मेट्रो

कोलकाता। लगता है कि अब पश्चिम बंगाल में सत्ता की गद्दी के लिए लोकतंत्र नहीं, बल्कि 'धर्म युद्ध' चल रहा है। 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले ही तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी नेताओं ने हद की सारी सीमाएं पार कर दी हैं।

जैसे ही तृणमूल कांग्रेस के नेता हुमायूं कबीर ने 'बुर्का पहनने वाले मुख्यमंत्री' की भविष्यवाणी की, भारतीय जनता पार्टी की फायरब्रांड नेता नवनीत राणा ने ऐसा तीखा जवाब दिया है कि पूरा बंगाल राजनीतिक तौर पर सुलग उठा है।

विवादः हुमायूं कबीर का 'बुर्का' दांव
बंगाल की राजनीति में उस समय भूचाल आ गया जब तृणमूल कांग्रेस के नेता हुमायूं कबीर ने खुलेआम चुनौती दी, "बंगाल में वह दिन दूर नहीं जब बुर्के में कोई मुस्लिम लड़की राज्य की मुख्यमंत्री बनेगी।"

भारतीय जनता पार्टी ने इस बयान को हिंदुत्व विरोधी और तुष्टीकरण की पराकाष्ठा बताया है।

नवनीत राणा की दहाड़: सात पीढ़ियों तक सपने पूरे नहीं होंगे!
हुमायूं कबीर के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए नवनीत राणा ने तीखा जवाब दिया:राम की धरती पर टिप्पणी: राणा ने कहा, "यह देश भगवान राम के भरोसे और बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान पर चलता है। यहां कोई भी धार्मिक पहनावा सत्ता की पहचान नहीं होगा।"

सात पीढ़ियों की चुनौती: "हुमायूं कबीर, मेरी बात सुन लो, तुम्हारी सात पीढ़ियां भी आ जाएं तो बंगाल में बुर्का पहने किसी को मुख्यमंत्री नहीं बना पाएंगी।"

कब्र के लिए जमीन नहीं मिलेगी: सबसे तीखे हमले में राणा ने चेतावनी दी कि अगर आप भारत और हिंदू संस्कृति के खिलाफ इतना जहर उगलेंगे, तो भविष्य में आपको दफनाने के लिए दो गज जमीन भी नसीब नहीं होगी।

2026 का रणक्षेत्र:
विकास या ध्रुवीकरण?
महानगर मेट्रो के विश्लेषण के अनुसार, यह सिर्फ बयानबाजी नहीं बल्कि 2026 के चुनावों की रूपरेखा है:

तृणमूल कांग्रेस: मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण करके अपनी सत्ता बनाए रखने की कोशिश।

भारतीय जनता पार्टी: नवनीत राणा जैसे नेताओं को आगे करके हिंदू वोट बैंक को एकजुट करने की रणनीति।

मेट्रो जनमत: लोग क्या कहते हैं?
क्या मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद को किसी खास पहनावे या धर्म से जोड़ना लोकतंत्र का अपमान नहीं है?
क्या हुमायूं कबीर का बयान बंगाल में वोट बैंक की राजनीति का खेल है या नवनीत राणा का तीखा जवाब जनता की आवाज है?
हमें अपनी राय बताएं।

धंधुका पंथक में 24 घंटे में 2 कारें जलीं, रंगपुर में खड़ी ईको में आग

50 फीट तक डिवाइडर पर चढ़ने के बाद कार आग का गोला बन गई

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। जिले के धंधुका तालुका में पिछले 24 घंटों में कार में आग लगने की दो बड़ी घटनाएं हुई हैं। धंधुका-फेदरा रोड पर एक अजीब हादसे में, एक चलती कार डिवाइडर से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गई, जिसमें सवार चार दोस्तों को चमत्कारिक ढंग से बचा लिया गया। जबकि एक और घटना में, रंगपुर गांव में खड़ी एक ईको कार जलकर राख हो गई।

धंधुका-फेदरा रोड पर 4 युवकों की मौत
देहेगाम के चार युवक अपनी कार में धंधुका-फेदरा रोड से गुजर रहे थे। इसी बीच, वखपुर में पाटिया के पास नर्मदा नहर के पास ड्राइवर का कंट्रोल खो गया और कार अचानक सड़क के बीच में डिवाइडर से टकरा गई।

कार 50 फीट तक डिवाइडर पर घिसटती रही
हादसा इतना अजीब था कि कार करीब 150 फीट तक डिवाइडर पर घिसटती रही और फिर अचानक उसमें भयानक आग लग गई। कार में सवार रोहित रावल, विजय रबारी, अर्थ ब्रह्मभट्ट और पार्थ ब्रह्मभट्ट (सभी देहगाम के रहने वाले) टाइम सिग्नल का इस्तेमाल करके कार से बाहर निकल गए।
मिली जानकारी के मुताबिक, चारों दोस्त सालंगपुर घूमने के बाद देहगाम लौट रहे थे। दो युवकों को मामूली चोटें आने पर 108 से अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, आग ने जल्द ही भयंकर रूप ले लिया और कार पूरी तरह जलकर लोहे का ढांचा बन गई।

रंगपुर गांव में आधी रात को खड़ी एक ईको कार में आग लग गई
दूसरी घटना धंधुका के रंगपुर गांव की है, जहां घर के पास खड़ी एक ईको कार में रात में अचानक आग लग गई।
आधी रात को आग की लपटें देखकर सो रहे गांववाले जाग गए और आग बुझाने के लिए दौड़े।
घटना की सूचना मिलते ही फायरफाइटर्स की टीम मौके पर पहुंची और दो घंटे की लगातार कोशिश के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। खुशकिस्मती से यहां भी कोई हताहत नहीं हुआ।

पुलिस जांच शुरू
दोनों घटनाओं के बाद, धंधुका पुलिस ने तेजी से जांच शुरू कर दी है। फेदरा रोड पर आग लगने के लिए एक्सीडेंट और टक्कर को जिम्मेदार माना जा रहा है, जबकि रंगपुर की घटना में यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि शॉर्ट सर्किट था या कोई और अनजान वजह थी। गर्मियों की शुरूआत में गाड़ियों में वायरिंग या गैस किट चेक करवाना जरूरी है, ताकि ऐसे गंभीर हादसों से बचा जा सके।

दिल्ली पुस्तकालय संघ के अध्यक्ष बने प्रो. के.पी. सिंह, नई कार्यकारिणी की घोषणा

महानगर मेट्रो

दिल्ली। प्रतिष्ठित शिक्षाविद्,उत्कृष्ट अकादमिक प्रशासक,शिक्षक हितों के लिए संघर्ष करने वाले शिक्षक,कुशल संपादक बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी प्रो. के.पी सिंह भारत के 88 साल पुराने दिल्ली पुस्तकालय संघ के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। प्रो.सिंह वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के प्रभारी;गांधी भवन के निदेशक और स्नातकोत्तर छात्रावास के प्रोवोस्ट के रूप में कार्यरत हैं। एक प्रेस कांफ्रेंस में नई टीम की घोषणा करते हुए,डीएलए की नव-नियुक्त जन सूचना अधिकारी डॉ.रितु वर्मा ने बताया कि वर्ष 2026 से 2030 के लिए दिल्ली पुस्तकालय संघ ने निम्नलिखित पदाधिकारी को चुना गया है:-प्रो.केपी सिंह को अध्यक्ष,प्रो.मीरा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष,डॉ.कुमार संजय को उपाध्यक्ष,डॉ.ज्ञानेंद्र नारायण सिंह को महासचिव,डॉ.महेश चंद को कोषाध्यक्ष,तथा डॉ.तरुणा जोशी और राजकुमार पैटन को सचिव के रूप में चुना गया। दिल्ली लाइब्रेरी एसोसिएशन, जिसे आमतौर पर डीएलए के नाम से जाना जाता है। भारत के सबसे पुराने पुस्तकालय संघों में से एक है।इसकी स्थापना 1939 में सर जॉन फिलिप सार्जेंट ब्रिटिश भारत के प्रमुख शिक्षा सचिव ने अध्यक्ष और प्रो.राम किशोर दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्कालीन माननीय कुलपति ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में की थी।भारत में पुस्तकालय शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने में डीएलए की भूमिका को देखते हुए 1953 में इस संघ को प्रमुख राजनीतिक हस्तियों द्वारा पुनर्जीवित किया गया।इनमें चौधरी ब्रह्म प्रकाश दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री और सुश्री शांता वशिष्ठ राज्यसभा से दो बार सांसद और उस समय दिल्ली की शिक्षा मंत्री शामिल थे। डीएलए को प्रो.सीपी वशिष्ठ, प्रो.गिरजा कुमार,डॉ.रविंदर कुमार शर्मा और प्रो.के.पी. सिंह जैसे पूर्व अध्यक्षों की समृद्ध विरासत प्राप्त है। डीएलए के महासचिव, डॉ.ज्ञानेंद्र नारायण सिंह ने बताया कि केपी सिंह का अध्यक्ष के तौर पर यह दूसरा कार्यकाल है।यह दूसरा कार्यकाल उनके पहले कार्यकाल (2022-2026) के दौरान रखी गई मजबूत नींव को और आगे बढ़ाने वाला साबित होगा।प्रो.सिंह के नेतृत्व में डीएलए ने कई अहम उपलब्धियाँ हासिल की हैं,जिनमें वित्तीय स्थिरता का निवारण उनके करिश्माई नेतृत्व को दशार्ती है। केपी सिंह सतत विकास का पर्याय हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रो आर के भट्ट,डॉ.पिंकी शर्मा, डॉ.निवेदिता शर्मा,डॉ.नरेंद्र कुमार,डॉ.प्रभात कुमार चौधरी,डॉ.अशोक कुमार-निदेशक इग्नू,डॉ. तरुणा जोशी,डॉ.राजेश कुमार,डॉ.हंसराज,सतवीर सिंह खासा,डॉ.विनय गुप्ता, उमेश गुप्ता,प्रतीक सिंह, सिद्धार्थ राय,परमीत सिंह, आशीष कुमार,पुनीत पाण्डेय, के सी मनोज,राहुल कुमार सिंह,राजेश तिवारी,उपासना आदि उपस्थित रहे।

गुजरात में 119 टाउन प्लानिंग स्कीम को मंजूरी, शहरी विकास को मिली रफ्तार

अहमदाबाद में 173 स्कीम, 37 अंतिम चरण में; 10 साल में 800 योजनाएं पास, अब भी 100 लंबित योजनाओं पर फोकस

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। गुजरात में शहरी विकास को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है। राज्य सरकार के शहरी विकास विभाग ने वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 119 टाउन प्लानिंग स्कीम को अंतिम मंजूरी देकर नया इतिहास रच दिया है। इससे पहले इतने बड़े पैमाने पर एक ही वर्ष में मंजूरी नहीं दी गई थी। जानकारी के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में कुल 800 टाउन प्लानिंग स्कीम को मंजूरी दी जा चुकी है। अहमदाबाद में ही 173 टाउन प्लानिंग स्कीम हैं, जिनमें से 37 अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। पूर्व में विजय रूपाणी के कार्यकाल में भी हर साल औसतन 80 से 90 टाउन प्लानिंग स्कीम को मंजूरी मिलती रही, लेकिन इसके बावजूद राज्य के विभिन्न शहरों में अभी भी करीब 100 स्कीम लंबित हैं। शहरी विकास विभाग के अधिकारी प्रकाश दत्ता के अनुसार, वर्ष 2025 में 119 स्कीम को मंजूरी मिलना सरकार की पारदर्शी कार्यप्रणाली को दशार्ता है। कई वर्षों से लंबित योजनाओं को अब अंतिम मंजूरी दी गई है, जिससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि राज्य में करीब 550 अंतिम टाउन प्लानिंग स्कीम पहले ही मंजूर होकर लागू हैं। इसके अलावा, 46 टाउन प्लानिंग अधिकारियों द्वारा 410 प्रारंभिक और 76 अंतिम टाउन प्लानिंग स्कीम पर कार्य जारी है। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष के अंत तक लंबित योजनाओं को भी मंजूरी देकर शहरीकरण की प्रक्रिया को और तेज किया जाए।

बदलते रिश्तों की तासीर: क्या 'समझौतों की डोर' अब टूटने लगी है?

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली, (पवन माकन)। कल तक जिसे ह्यसामाजिक पापह्व और लोक-लाज के भय से दबा दिया जाता था, आज वह न तो कानून की नजर में अपराध है और न ही आधुनिक समाज के लिए कोई अछूता विषय। जब से सुप्रीम कोर्ट ने व्यभिचार को अपराध की श्रेणी से बाहर किया है, तब से रिश्तों की नैतिकता और मयार्दा पर एक नई बहस छिड़ गई है। कानून कहता है कि यदि दो वयस्क आपसी सहमति से संबंध बनाते हैं, चाहे उनमें से कोई शादीशुदा ही क्यों न हो, तो उसे जेल नहीं होगी। लेकिन सवाल यह है कि क्या कानून की यह ढील हमारे सामाजिक मूल्यों के पतन का संकेत है या व्यक्तिगत आजादी का नया सवेरा?

आजादी या मयार्दा का उल्लंघन?
वह दौर बीत चुका है जब महिलाएं किस्मत का खेल समझकर कड़वे रिश्तों को उम्र भर ढोती थीं। ह्यपति चाहे जैसा भी हो, सात जन्मों का साथ निभाना है वाली धारणा अब धुंधली पड़ रही है। इसके पीछे मुख्य कारण हैं: आर्थिक आत्मनिर्भरता: महिलाएं अब आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं। वे अब अपमानजनक या बेजान रिश्तों में कैद रहने के बजाय बाहर निकलने का साहस रखती हैं।

निजी सुख की प्राथमिकता: आज की स्त्रियां अपनी भावनाओं और शारीरिक-मानसिक जरूरतों को महत्व दे रही हैं। यदि वैवाहिक जीवन में तालमेल की कमी है, तो वे बाहर सहारा ढूंढने को अपनी स्वतंत्रता मानती हैं।

सोशल मीडिया का प्रभाव: डिजिटल दुनिया ने अनजान लोगों से जुड़ना आसान कर दिया है, जिससे विवाहेतर संबंधों के मामलों में अप्रत्याशित उछाल आया है।

कानून का नजरिया: शादी गुलामी नहीं भारतीय न्यायपालिका का स्पष्ट रुख है कि शादी कोई गुलामी नहीं है। राज्य किसी के शयनकक्ष में तांक-झांक नहीं कर सकता। हालांकि, व्यभिचार आज भी तलाक का एक ठोस आधार बना हुआ है, लेकिन अब इसके लिए किसी को अपराधी मानकर सलाखों के पीछे नहीं भेजा जा सकता।

समाज किस दिशा में?
क्या महिलाओं की यह बढ़ती मुखरता विवाह नामक संस्था को कमजोर कर रही है? या यह सदियों से दबी-कुचली संवेदनाओं की मुक्ति का मार्ग है? यह प्रश्न दोधारी तलवार की तरह है। जिस रिश्ते में प्रेम और सम्मान की जगह सिर्फ मजबूरी हो, उसे खींचने के बजाय लोग अब नए रास्ते तलाश रहे हैं। मगर क्या यह रास्ता परिवार और बच्चों के भविष्य के लिए सुरक्षित है?

महानगर मेट्रो का नजरिया
सही या गलत का फैसला समय और समाज के विवेक पर निर्भर है। लेकिन यह हकीकत है कि ह्यपड़या पाना निभावाह्व का युग अब ढल रहा है। आधुनिकता के इस दौर में ह्यपरिवारह्व नाम की संस्था खतरे में है या वह अधिक पारदर्शी और स्वैच्छिक बन रही है, यह आने वाला वक्त ही बताएगा। मगर इतना तय है कि अब रिश्ते मजबूरी से नहीं, मंजूरी से चलेंगे।

डोंगरगांव में आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन की प्रदेश स्तरीय बैठक संपन्न, पत्रकार सुरक्षा व एकजुटता पर जोर

महानगर मेट्रो

राजनांदगांव। स्थानीय डोंगरगांव के रेस्ट हाउस में प्रदेश स्तरीय आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन की बैठक संपन्न हुई इस बैठक में पत्रकारों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया गया एवं भविष्य की रणनीति पर विचार किया गया साथ ही पत्रकारों की सुरक्षा और संरक्षण की दिशा में आईरा संगठन के द्वारा किए गए प्रयासों की चर्चा किया गया संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने कहा कि आईरा संगठन विश्व के 10 देश एवं भारत के 24 राज्यों में सक्रिय रूप से पत्रकारों की संरक्षण की दिशा में कार्यरत है जहां कहीं भी पत्रकारों पर अन्याय अत्याचार होंगे आईरा संगठन उनका खुलकर विरोध करेगा। इसी तरह संगठन के प्रदेश महासचिव विमल चंद जैन ने कहा कि पत्रकारों में एकजुट होनी चाहिए कलम में पैनीपन होनी चाहिए दुर्भावना से ग्रसित समाचारों से बचना चाहिए पत्रकारों को हमेशा सत्य का साथ देना चाहिए पत्रकार लोकतंत्र का चौथा आधार स्तंभ है इसकी गरिमा हमेशा बनाए रखना चाहिए। वही प्रदेश संगठन सचिव नीलेश श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकारों की कलम में बहुत ताकत है कि अच्छे-अच्छे को झुका सकती है उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए बताया कि उन्हें खुद पहली बार जब पहचान मिली जब उन्होंने खुलकर एक समाचार का प्रकाशन किया जिससे जिले भर में उनकी प्रसिद्धि बढी। बालोद के वरिष्ठ पत्रकार बोधन भट्ट ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारों संयम बनाए रखना चाहिए खबरों से कभी समझौता नहीं करना चाहिए संगठन में बहुत शक्ति होती है अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता। बैठक में सर्वसम्मति से आईरा संगठन में बोधन भट्ट को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन विमल चंद जैन ने किया वहीं आभार प्रदर्शन संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने किया इस अवसर पर प्रदेश संगठन सचिव नीलेश श्रीवास्तव प्रदेश महासचिव विमल चंद जैन प्रदेश उपाध्यक्ष बोधन भट्ट संपत शर्मा वरिष्ठ संपादक संतोष सहारे महेंद्र लेंजारे देवेंद्र देवांगन प्रकाश गुप्ता शेखर यादव राकेश तिवारी सहित बड़ी संख्या में पत्रकारिता से जुड़े हुए लोग मौजूद थे।

करंट से हुई गाय की मौत, विद्युत विभाग की लापरवाही बनी मौत का कारण

महानगर मेट्रो

टोंक। जिले में विद्युत विभाग की कथित लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां खेत में करंट लगने से एक गाय की मौत हो गई। पीड़ित किसान ने इस संबंध में थाने में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, पुरानी टोंक निवासी किसान मोहनलाल यादव के खेत के पास से गुजर रही विद्युत लाइन में आए दिन तार नीचे झूलते रहते थे। घटना वाले दिन सुबह करीब 10 बजे विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लाइन को ठीक किया, लेकिन कुछ ही समय बाद पुनः करंट चालू कर दिया गया। आरोप है कि इसी दौरान खेत में बंधी गाय करंट की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। किसान ने इसे विद्युत विभाग की गंभीर लापरवाही बताते हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है और स्थानीय लोग भी जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

बंगाल की सियासत में नई चालः ओवैसी-हुमायूं गठबंधन से बदलेगा खेल या बढ़ेगी वोटों की बिखराव की लड़ाई ?

अल्पसंख्यक वोट बैंक पर फोकस, तृणमूल की बढ़ी चिंता—नए समीकरण से भाजपा को भी मिल सकता है फायदा

महानगर मेट्रो

कोलकत्ता,(रफीक अनवर)। चर्चा के केंद्र में असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और हुमायूं कबीर की आमजनता उन्नयान पार्टी (एयूपी) हैं। इंडियन एक्सप्रेस ने शुक्रवार, 3 अप्रैल को बताया कि दोनों दल पहले ही राज्य में आगामी चुनावों के लिए गठबंधन की घोषणा कर चुके हैं। इतना ही नहीं, ओवैसी बुधवार, 1 अप्रैल को बरहमपुर आए और हुमायूं कबीर से मुलाकात की। बैठक में उन्होंने पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावों में हुमायूं की पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने का संदेश दिया। हुमायूं कबीर ने बेलडांगा, मुर्शिदाबाद में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक नई मस्जिद बनाने की पहल की प्रशंसा और निंदा दोनों बटोरे है। वे तृणमूल कांग्रेस के राजनेता थे। वह पार्टी के विधायक भी थे, लेकिन बाबरी मस्जिद मुद्दे पर तृणमूल ने उन्हें निलंबित कर दिया था। बाद में उन्होंने आमजनता पार्टी (आप) की स्थापना की। ओवैसी की पार्टी ने उनकी पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ओवैसी ने इस चुनाव में पश्चिम बंगाल में पहले से कहीं अधिक प्रभाव होने का दावा किया है। इस बीच, उनकी पार्टी ने राज्य में 12 उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा की है। पार्टी ने मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तर 24 परगना जैसे प्रमुख जिलों की कई सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। इससे पहले बिहार में ओवैसी को 5 सीटें मिली थीं। विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिम बंगाल में ऐसा करना मुश्किल है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा की 294 सीटें हैं। 2021 के पिछले चुनाव में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस ने 292 सीटों में से 213 पर जीत हासिल की थी। ममता बनर्जी पार्टी की संस्थापक हैं। स्थानीय राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि 'मीम' की यह भागीदारी अन्य प्रमुख दलों के वोट बैंक को प्रभावित कर सकती है, विशेष रूप से अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में। उनके अनुसार, 'हुमायूं-ओवैसी समझौता' तृणमूल कांग्रेस के लिए चिंता का विषय हो सकता है। ऐसे में अगर अल्पसंख्यक वोट तृणमूल और इस नए गठबंधन के बीच बंट जाते हैं, तो कट्टर हिंदुत्व पार्टी भाजपा को आखिरकार

फायदा हो सकता है। भले ही ऐसा न हो, लेकिन यह गठबंधन राज्य में राजनीतिक समीकरण में एक नया आयाम जोड़ सकता है। गठबंधन के अल्पसंख्यक वोट बैंक को जुटाने पर ध्यान केंद्रित करने की संभावना है, विशेष रूप से मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तरी दिनाजपुर जैसे महत्वपूर्ण मुस्लिम आबादी वाले क्षेत्रों में। वर्तमान में, इन क्षेत्रों में विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच वोटों का विभाजन है, ताकि एक नया गठबंधन वहां प्रभाव प्राप्त कर सके। वे खुद को एक 'वैकल्पिक आवाज' के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वे दावा कर सकते हैं कि वे एक हाशिए पर पड़े समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और अल्पसंख्यक विकास जैसे मुद्दों को ध्यान में रखते हुए मुद्दों पर आधारित राजनीति का निर्माण कर सकते हैं। न केवल धार्मिक पहचान के आधार पर, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समस्याओं के आशाजनक समाधान, विशेष रूप से युवाओं के बीच उनकी स्वीकृति को बढ़ा सकते हैं। लेकिन आगे बड़ी चुनौतियां हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में सत्तारूढ़ दल का मजबूत संगठन और जमीनी स्तर पर इसका गहरा प्रभाव इस गठबंधन के लिए एक बड़ी बाधा बन सकता है। साथ ही, इस तरह के गठबंधनों को विपक्ष में 'वोट-कटौती' ताकतों के रूप में देखा जा सकता है जो बड़ी विपक्षी एकता को कमजोर कर सकते हैं। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में एआईएमआईएम की सीमित संगठनात्मक उपस्थिति भी एक वास्तविक समस्या है। इस स्थिति में अगर गठबंधन को प्रभावी होना है तो उन्हें रणनीतिक रूप से आगे बढ़ना होगा। स्थानीय जन प्रतिनिधियों को शामिल करना, ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय प्रचार करना और युवा मतदाताओं तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करना-ये कदम महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

साथ ही, उनका लक्ष्य न केवल चुनाव जीतना होना चाहिए, बल्कि लंबे समय में एक ठोस राजनीतिक आधार बनाना भी होना चाहिए। कुल मिलाकर, इस तरह का गठबंधन सीधे सत्ता में नहीं आ सकता है, लेकिन कुछ निर्वाचन क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है और भविष्य में राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण ताकत के रूप में उभरने की नींव रख सकता है।

सेंट सोल्जर स्कूल में 75 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

महानगर मेट्रो

टोंक। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी कक्षा 10वीं एवं 12वीं के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के बाद शहर के सेंट सोल्जर गर्ल्स सीनियर सेकेंड्री स्कूल में प्रतिभाशाली छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय की कुल 14 छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया, वहीं 35 से अधिक छात्राओं ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कला वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राएं: सुमन मीणा (95.40%), मानसी बैरवा (95%), शिवानी चौधरी (94%), शिवानी मीणा (93.4%), शिवानी नागर (91.80%) और नीतू जाट (91.4%) ने बेहतरीन अंक प्राप्त किए। विज्ञान वर्ग में अव्वल छात्राएं: मोनिका मीणा (93.80%), तिया अग्रवाल (93.40%), खुशी खंगार (93%), अदिति धाकड़ (92.40%) और नेहा अलवीरा (91%) ने शानदार सफलता हासिल की। कक्षा 10वीं में टॉप प्रदर्शन:लक्षिता शर्मा (95.17%), अमिता जाट (91.33%) और यामिनी सांखला (90%) ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया। समारोह के दौरान कक्षा 10वीं और 12वीं की कुल 75 छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा कक्षा 5वीं और 8वीं में अ ग्रेड प्राप्त करने वाले 30 विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या मंजू माथुर ने छात्राओं की सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी छात्राओं ने उत्कृष्ट परिणाम देकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विद्यालय की 119 छात्राएं गार्गी पुरस्कार से सम्मानित होंगी। साथ ही विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में छात्राएं और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगी।

करोड़पति 'कामवाली': 35 लाख की लग्जरी कार में झाड़ू-पोछा करने आती थी नौकरानी!

महानगर मेट्रो/पवन माकन

पटना। भ्रष्टाचार की कहानियाँ तो आपने बहुत सुनी होंगी, लेकिन बिहार से जो मामला सामने आया है, उसने जांच एजेंसियों के भी होश उड़ा दिए हैं। आमतौर पर घर में काम करने वाली महिलाएं पैदल या साइकिल से आती हैं, लेकिन यहाँ एक साहब की नौकरानी 35 लाख की चमचमाती लग्जरी कार से उतरकर कचरा साफ करने आती थी।

क्या है पूरा मामला?

बिहार के एक रसूखदार पुलिस अधिकारी के खिलाफ जब आय से अधिक संपत्ति की जांच शुरू हुई और छापेमारी की गई, तो परत दर परत ऐसे सच सामने आए कि सब दंग रह गए।

जांच में पता चला कि साहब ने अपनी काली कमाई को सफेद करने के लिए अपनी पत्नी और प्रेमिका के साथ-साथ घर की नौकरानी को भी ढाल बनाया था।

जांच में हुए चौंकाने वाले खुलासे:

सतर्कता विभाग की छापेमारी के दौरान जो तथ्य सामने आए हैं, वे किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं हैं:

शाही सवारी: यह नौकरानी कोई साधारण महिला नहीं, बल्कि शहर के पॉश इलाकों में 35 लाख की बड़ी गाड़ी में सफर करती थी।

करोड़ों का बंगला: नौकरानी के नाम पर पटना के उच्चवर्गीय इलाके में एक आलीशान बंगला और कई कीमती भूखंड दर्ज पाए गए हैं।

बैंक जमा राशि: नौकरानी के बैंक खातों में लाखों का लेन-देन मिला है, जो उसकी आधिकारिक आय से हजारों गुना ज्यादा है।

भ्रष्टाचार का मुखौटा: पुलिस अधिकारी अपनी रिश्वत की रकम को ठिकाने लगाने के लिए नौकरानी के बैंक खातों और उसके नाम पर निवेश का इस्तेमाल कर रहा था।

पत्नी और प्रेमिका के बीच छिड़ी थी जंग

सूत्रों के मुताबिक, इस भ्रष्टाचार के साम्राज्य का भंडाफोड़ तब हुआ जब अधिकारी की पत्नी और उसकी कथित प्रेमिका के बीच संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद शुरू हुआ। इसी खींचतान में ह्यकरोड़पति नौकरानीह्न का राज भी बाहर आ गया।

पुलिस अधिकारी ने न केवल नौकरानी को करोड़ों की मालकिन बनाया, बल्कि उसे बेनामी संपत्ति का मुख्य चेहरा बना दिया था। यह भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है। जब कानून के रखवाले ही खाकी की आड़ में नौकरानियों के नाम पर अरबों की संपत्ति जमा करने लगें, तो व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है। — एक वरिष्ठ जांच अधिकारी

अब आगे क्या?

फिलहाल, जांच एजेंसी ने लग्जरी कार और बंगले के दस्तावेजों को जब्त कर लिया है। नौकरानी से भी पूछताछ की जा रही है कि क्या उसे इन संपत्तियों के बारे में जानकारी थी या अधिकारी ने उसके दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल किया है।

इस घटना के बाद बिहार पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है और कई अन्य सफेदपोश अधिकारी भी रडार पर हैं।

एनालिसिस मोड में कलेक्टर टीना डाबी, टोंक के हर पहलू पर है पैनी नजर

महानगर मेट्रो/पीयूष गौत्तम

टोंक। जिले को नई प्रशासनिक दिशा देने के साथ ही टीना डाबी ने शुक्रवार को जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट का पदभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण करते ही प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है, वहीं आमजन में भी नए कलेक्टर को लेकर उम्मीदों का माहौल नजर आ रहा है।

नए जिले में एनालिसिस मोड में शुरूआत

पदभार संभालने के बाद कलेक्टर टीना डाबी ने स्पष्ट किया कि टोंक उनके लिए एक नया अनुभव है। उन्होंने कहा कि वे फिलहाल जिले की भौगोलिक, सामाजिक और प्रशासनिक परिस्थितियों का गहन विश्लेषण कर रही हैं। उनका मानना है कि बिना जमीनी हकीकत को समझे कोई भी बड़ा बदलाव संभव नहीं है, इसलिए जल्द ही एक ठोस और प्रभावी विकास कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

सख्ती और परिणाम की पहचान

टीना डाबी का प्रशासनिक रिकॉर्ड पहले से ही चचाओं में रहा है।

जैसलमेर में कार्रवाई: अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाकर सख्त संदेश दिया।

बाड़मेर में सुधार: सफाई व्यवस्था को लेकर डस्टबिन नहीं तो जुमार्ना जैसी सख्ती लागू की और लापरवाह डॉक्टरों पर कार्रवाई की।

कोरोना प्रबंधन: कोविड काल में उनके सख्त और प्रभावी प्रबंधन की देशभर में सराहना हुई।

इसी ट्रैक रिकॉर्ड के कारण टोंक में भी उनसे कड़े और प्रभावी फैसलों की उम्मीद की जा रही है।

प्राथमिकताएं तय: आमजन, शिकायत समाधान और योजनाओं का लाभ

कलेक्टर ने पदभार संभालते ही अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दी हैं—

राजस्थान संपर्क पोर्टल: सभी शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

25 फ्लैगशिप योजनाएं: योजनाओं को **जमीन पर उतारकर अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना**

जनसुनवाई पर फोकस: आमजन की समस्याओं के लिए प्रशासन के दरवाजे

खुले रखना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि हर शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और समाधान में देरी न हो।

क्या टोंक में होंगे बड़े फैसले?

टीना डाबी की कार्यशैली को देखते हुए यह माना जा रहा है कि टोंक में भी अवैध गतिविधियों, यातायात व्यवस्था, सफाई और प्रशासनिक लापरवाही पर सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। व्यापार, रोजगार और

शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी सुधार की दिशा में तेज निर्णय संभव हैं।

नई उम्मीदों का आगाज

टीना डाबी का टोंक आगमन केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि जिले के लिए नई उम्मीद का संकेत माना जा रहा है। उनके अनुभव और सख्त कार्यशैली से प्रशासनिक ढिलाई पर लगाम लगने और विकास को नई गति मिलने की पूरी संभावना है। टोंक अब एक नए दौर की ओर बढ़ रहा है, जहां प्रशासन ह्यएक्शन मोडह्न में नजर आ सकता है। आने वाले दिनों में कलेक्टर टीना डाबी के फैसले जिले की दिशा और दशा तय करेंगे।

मेष ARIES (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)	आज का दिन आनंददायक सफलता प्रदान करने वाला रहेगा। प्रभावशाली लोगों से बातचीत बहुत ही सकारात्मक रहेगी।	**वृष** TAURUS (ई उ ए ओ वा वि वू वे वो)	वृषभ राशि वालों के लिए समय के अनुसार अपने व्यवहार में बदलाव लाना जरूरी है। बच्चों के साथ व्यवहार करते समय उन्हीं के नजरिए से देखना उचित रहेगा।
मिथुन GEMINI (का की कू घ ङ छ के को हा)	जातकों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। जीवन से जुड़े कुछ बदलाव होंगे।सहकर्मियों के साथ तालमेल मजबूत रहेगा।	**कर्क** CANCER (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)	कर्क राशि के जातकों को आज के दिन व्यवसाय में फायदा मिलने के अवसर प्राप्त होंगे। पैसों से संबंधित मामलों में भी प्रगति होगी।
सिंह LEO (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)	आज का दिन मिश्रित रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी भी प्रकार का मतभेद हो सकता है।पिछली कुछ गलतियों से सीख कर आप अपनी कार्यप्रणाली में कुछ परिवर्तन लाएंगे।	**कन्या** VIRGO (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)	कन्या राशि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा काम लेकर आएगा। जीवनसाथी की ओर से सहयोग मिलेगा। घर के सदस्यों में आपसी तालमेल प्रेम पूर्ण बना रहेगा।
तुला LIBRA (रा री रू रे रो ता ती तू ते)	तुला राशि के लोगों के लिए आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपको आपके फंसे हुए पैसे वापस मिल सकते हैं।नौकरी में आपके बेहतरीन कार्य की सराहना होगी।	**वृश्चिक** SCORPIO (तो ना नी नू ने नो या यी यू)	वृश्चिक राशि के लोगों के लिए आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा। सहकर्मियों के साथ विवाद हो सकता है।काम में नेतृत्व, योजना और तेज निर्णय की अपेक्षा रहेगी।
धनु SAGITTARIUS (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)	आप अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए अधिक मेहनत करेंगे।जीवनसाथी आपकी किसी सख्त बात को गलत समझ सकते हैं, इसलिए संवाद को शांत रखें।	**मकर** CAPRICORN (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)	आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं और आज आपका अपने जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।
कुंभ AQUARIUS (गु गो सा सी सू से सो दा)	आज के दिन आप किसी भी प्रकार की यात्रा या प्रवास पर जा सकते हैं। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।काम में सफलता मिलेगी।	**मीन** PISCES (दी दु थ झ ञ दे दो चा ची)	मीन राशि के लोगों के लिए आज का दिन आनंद लेकर आएगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में पार्टनर के साथ सामंजस्य बढ़ सकता है।

पश्चिम बंगाल में बढ़ती अराजकता लोकतंत्र के लिए चुनौती

पवन माकन
ग्रुप एडिटर

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है।

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दशार्ता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दशार्ता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निदेर्शों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निदेर्शों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मयार्दाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मयार्दा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।

संपादकीय

बंगाल में अराजकता

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत निर्वाचन नामावलियों के निस्तारण में लगे, सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। इन सात बंधक अधिकारियों में तीन महिलाएं भी शामिल थीं जिन्हें नौ घंटे तक बिना खाना-पानी के रोके रखा गया। स्वाभाविक रूप से इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव व डीजीपी समेत कई उच्च अधिकारियों का कारण बताओ नोटिस भी दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सात अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। पिछले महीने तक साठ लाख में 47 लाख आपत्तियों का निस्तारण होने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी संतुष्टि व्यक्त की है। बहरहाल, इसके बावजूद एसआईआर प्रक्रिया को लेकर किसी व्यक्ति को कोई शिकायत है तो उसका निस्तारण निर्धारित प्रक्रिया से ही किया जा सकता है। बहरहाल, मालदा का यह घटनाक्रम कानून व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के लिए भी अग्निपरीक्षा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पश्चिम बंगाल को राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत तथा चुनाव आयोग ने राज्य में जंगलराज होने की बात कही है। ध्यान रहे कि इससे पहले भी निर्वाचन अधिकारियों से मारपीट व घेराव की घटनाएं सामने आई हैं। जाहिर बात है कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कुछ लोगों में असंतोष है। मतदाता सूची से नाम कटने वाले लोगों की तल्ख प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। लेकिन यह तंत्र के प्रति बढ़ते अविश्वास का भी प्रतीक है, जिसके चलते ही घटनाक्रम के बाद सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी ने पश्चिम बंगाल में इस महीने होने वाले चुनाव से पहले कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। अब राज्य में विधानसभा चुनाव होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में इस माह की 23 व 29 अप्रैल को मतदान होना है। ऐसे में मालदा का घटनाक्रम निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए चुनौती दशार्ने वाला है।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं।

इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं।

भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

अफगानिस्तान से लेकर भारत तक भूकंप के झटके!

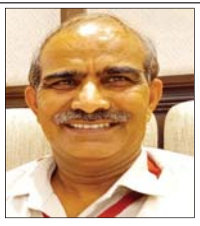

डॉ श्रीगोपाल नारसन

भारत मे दिल्ली-एनसीआर सहित समूचे उत्तर भारत में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके के आने पर लोग घरों से बाहर निकल गए। ये झटके दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा राजस्थानऔर पंजाब सहित कई प्रदेशों में महसूस किए गए हैं। इस भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में बताया जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस होने से लोग दहशत में आ गए। गनीमत रही कि भूकंप से कहीं जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान बॉर्डर क्षेत्र में बताया जा रहा है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.9 मापी गई है। भूकंप के झटके जम्मू-कश्मीर के उधमपुर, पुंछ और कश्मीर घाटी के कई इलाकों में महसूस किए गए हैं। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र में जमीन के अंदर 175 किलोमीटर नीचे था। भूकंप का केंद्र जमीन के काफी अंदर होने की वजह से इसका असर कम हुआ है। अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सहित उत्तर भारत में भूकंप आने से पहले तिब्बत में धरती हिली थी। तिब्बत में बीती रात करीब 8.12 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। तिब्बत में आए भूकंप की तीव्रता 3.2 मापी गई थी। पिछले साल म्?यांमार और थाईलैंड में दोपहर के समय आए भयंकर भूकंप को रिक्?टर पैमान पर 7.9 की तीव्रता का नापा गया था। इतने तेज भूकंप के कारण दोनों ही देशों में भारी तबाही हुई थी। इन देशों की विशाल इमारतें और पुल ढह गए और भारी जान माल का नुकसान हुआ था।थाईलैंड के प्रधानमंत्री शिनवात्रा ने बैंकाक के अंदर आपातकाल की घोषणा की थी। इस भूकंप का केंद्र म्यांमार बताया गया था। जिसका भारी प्रभाव थाईलैंड तक पड़ा था। बैंकॉक में 7.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से इमारतें हिलने लगीं थी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और जर्मनी के जीएफजेड भूविज्ञान केंद्र ने बताया कि दोपहर को यह भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था, जिसका केंद्र म्यांमार में था। ग्रेटर बैंकॉक क्षेत्र की आबादी 170 लाख से अधिक है, जिनमें से कई लोग ऊंची इमारतों वाले अपार्टमेंट में रहते हैं।दोपहर करीब डेढ़ बजे भूकंप आने पर इमारतों में अलार्म बजने लगे और घनी आबादी वाले मध्य बैंकॉक की ऊंची इमारतों एवं होटल से लोगों को बाहर निकाला गया। भूकंप इतना शक्तिशाली था कि कुछ ऊंची इमारतों के अंदरूनी हिस्सों में 'स्वीमिंग पूल' में पानी में लहरें उठती दिखीं। भूकंप का केंद्र मध्य म्यांमार में था, जो मोनीवा शहर से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व में है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए जहां सैंकड़ो लोग इमारतों से बाहर निकल आए। हालांकि जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि म्यांमार में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र मंडाले शहर के पास 10 किमी की गहराई पर था। म्यांमार दुनिया के सबसे भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्रों में से एक माना जाता है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, असम और नागालैंड राज्यों में आज आए भूकंप से लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। वही दिल्ली व उसके आसपास के क्षेत्र में विगत वर्ष 17 फरवरी की सुबह भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए थे,जिसमे कई सेकंड तक धरती डोलती रही थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई थी, इसका केंद्र दिल्ली के पास ही धरती से 5 किलोमीटर की गहराई में था। इसीलिए तेज झटके महसूस हुए। कुछ सेकंड तक चलने वाले भूकंप के झटके इतने तेज थे कि इमारतों के अंदर जोरदार कंपन महसूस हुआ। भूकंप सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर आया था, जिससे लोगों की नींद उड़ गई थी।भूकंप के झटके दिल्ली-एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र 4 में आते है, जिससे यहां मध्यम से तीव्र भूकंप आने का खतरा रहता है। समय-समय पर दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं, लेकिन इस तीव्रता के झटके बहुत समय बाद महसूस किए गए हैं। उत्तराखंड समेत नेपाल और भारत के अन्य क्षेत्रों में धरती बार बार डोलने लगती है। भूकंप के तेज झटकों से लोग दहशत में आ जाते है। सन 2022 में आए भूकंप के झटके इतने तेज थे कि गहरी नींद में सोए लोग हड़बड़ाहट में उठे और घरों से बाहर की ओर भागे थे।उस समय उत्तराखंड में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.5 मापी गई थी। दिल्ली के साथ ही नोएडा और गुरुग्राम में भी कई सेकेंड तक भीषण झटके महसूस किए गए। इसके कारण लोग उठ गए और कई लोग अपनी सोसायटी में बाहर निकल आए।ऐसा लगा कि बेड को कोई बहुत तेज धक?का मार रहा है। इस दौरान घर के फैन और झूमर भी भूकंप के असर के कारण तेजी से हिलने लगे। भूकंप पृथ्वी की सतह के हिलने को कहते हैं। यह पृथ्वी के स्थलमण्डल में ऊर्जा के अचानक मुक्त हो जाने के कारण उत्पन्न होने वाली भूकम्पीय तरंगों की वजह से होता है। भूकम्प बहुत हिंसात्मक हो सकते हैं और कुछ ही क्षणों में लोगों को गिराकर चोट पहुँचाने से लेकर पूरी आबादी को ध्वस्त

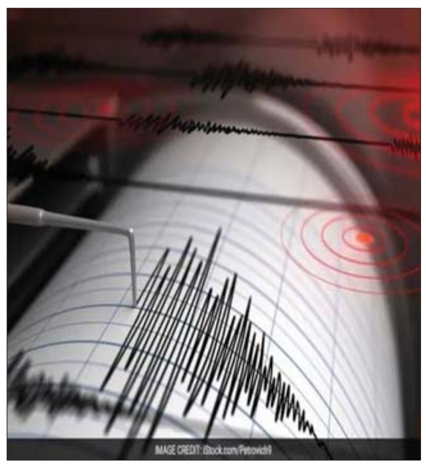

कर सकने की इसमें क्षमता होती है।भूकंप का मापन भूकम्पमापी यंत्र से किया जाता है, जिसे सीस्मोग्राफ कहते है। 3 या उस से कम रिक्टर परिमाण की तीव्रता का भूकंप अक्सर अगोचर होता है, जबकि 7 रिक्टर की तीव्रता का भूकंप बड़े क्षेत्रों में गंभीर क्षति का कारण बन जाता है।भूकंप के झटकों की तीव्रता का मापन मरकैली पैमाने पर किया जाता है।पृथ्वी की सतह पर, भूकंप अपने आप को, भूमि को हिलाकर या विस्थापित कर के प्रकट करता है। जब एक बड़ा भूकंप उपरिकेंद्र अपतटीय स्थिति में होता है, यह समुद्र के किनारे पर पर्याप्त मात्रा में विस्थापन का कारण बनता है। भूकंप के झटके कभी-कभी भूस्खलन और ज्वालामुखी को भी पैदा कर सकते हैं। भूकंप अक्सर भूगर्भीय दोषों के कारण आते हैं।

(लेखक सामाजिक चिंतक व वरिष्ठ साहित्यकार है)

नारी शक्ति वंदन अधिनियमः प्रतिनिधित्व से सशक्तिकरण तक

सौरभ वार्ष्णेय

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में महिलाओं की आबादी लगभग आधी है, लेकिन राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व लंबे समय तक सीमित रहा। इसी असंतुलन को दूर करने के उद्देश्य से पारित महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) एक ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। यह अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करता है। यह कानून केवल सीटों का आरक्षण नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब महिलाएं नीति-निर्माण में अधिक संख्या में शामिल होंगी, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर अधिक संवेदनशील और प्रभावी निर्णय सामने आ सकते हैं। हालांकि अधिनियम पारित हो चुका है, लेकिन इसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। यानी, इसके वास्तविक प्रभाव को देखने में समय लग सकता है। यह देरी कहीं न कहीं इसकी तत्काल प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

सिर्फ कानून बना देने से ही महिलाओं का सशक्तिकरण सुनिश्चित नहीं होता। समाज में पितृसत्तात्मक सोच, राजनीतिक दलों में टिकट वितरण की असमानता, और चुनावी खर्च जैसे मुद्दे अभी भी बाधा बने हुए हैं। इसलिए जरूरी है कि राजनीतिक दल भी महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाएं।यह अधिनियम राजनीतिक दलों की वास्तविक प्रतिबद्धता की भी परीक्षा है। क्या वे महिलाओं को केवल आरक्षित सीटों तक सीमित रखेंगे या सामान्य सीटों पर भी उन्हें पर्याप्त अवसर देंगे? यही इस कानून की सफलता का असली पैमाना होगा।नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। लेकिन इसकी सफलता केवल इसके पारित होने में नहीं, बल्कि इसके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक मानसिकता में बदलाव पर निर्भर करेगी। यदि इसे सही भावना और नीतियों के साथ लागू किया गया, तो यह भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में महिलाओं की जनसंख्या लगभग आधी है, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी सीमित बना हुआ है। यह स्थिति केवल आंकड़ों की असमानता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है। जब निर्णय लेने वाली संस्थाओं में समाज के आधे हिस्से की भागीदारी कम हो, तो नीतियों में उनकी जरूरतों और दृष्टिकोण का समुचित प्रतिबिंब कैसे दिखाई देगा? भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का इतिहास संघर्ष और धीरे-धीरे हुए विस्तार का रहा है। स्थानीय निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण ने निश्चित रूप से महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई है, जिससे ग्रामीण स्तर पर नेतृत्व के नए उदाहरण सामने आए हैं। लेकिन यही प्रगति राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नहीं दिखती। संसद में महिलाओं की संख्या अभी भी अपेक्षाकृत कम है, जो यह दशार्ती है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकताओं में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं मिल रहा। इस असंतुलन के पीछे कई कारण हैं–सामाजिक रूढ़िवादिता, आर्थिक निर्भरता, शिक्षा और अवसरों की कमी, तथा राजनीति में बढ़ता अपराधीकरण और धनबल। महिलाएं अक्सर चुनाव लड ? के लिए आवश्यक संसाधनों और समर्थन से वंचित रहती हैं। साथ ही, राजनीतिक दल भी उन्हें ₹विनिंग कैंडिडेट₹ के रूप में कम आंकते हैं, जिससे टिकट वितरण में भेदभाव दिखाई देता है।हालांकि, हाल के वर्षों में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर चर्चा और पहल ने उम्मीद जगाई है। यदि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू होता है, तो यह एक ऐतिहासिक कदम होगा, जो न केवल प्रतिनिधित्व बढ़ाएगा बल्कि नीति-निर्माण में संतुलन भी लाएगा।फिर भी, केवल आरक्षण ही समाधान नहीं है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता, और सामाजिक सोच में बदलाव भी उतना ही आवश्यक है। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे स्वेच्छा से अधिक संख्या में महिलाओं को टिकट दें और नेतृत्व के अवसर प्रदान करें। साथ ही, समाज को भी महिलाओं के नेतृत्व को स्वीकार करने की मानसिकता विकसित करनी होगी। एक सशक्त लोकतंत्र वही है जिसमें हर वर्ग की आवाज बराबरी से सुनी जाए। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल उनका अधिकार नहीं, बल्कि देश के समग्र विकास और बेहतर शासन की अनिवार्यता है।

अब समय आ गया है कि आधी आबादी को आधा प्रतिनिधित्व भी मिले।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। देश की लगभग आधी आबादी होने के बावजूद संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व सीमित रहा है। ऐसे में महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) का पारित होना न केवल राजनीतिक सुधार का संकेत है, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है। इस बिल के लागू होने को जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया है, जिससे इसकी प्रभावी क्रियान्वयन में कुछ समय लग सकता है। यही वह बिंदु है, जिस पर विपक्ष और कई विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं। उनका मानना है कि यदि सरकार वास्तव में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देती है, तो इसे जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए। इसके अलावा, यह भी जरूरी है कि आरक्षण केवल संख्या तक सीमित न रहे, बल्कि महिलाओं को वास्तविक नेतृत्व और निर्णय लेने की शक्ति भी मिले। इसके लिए राजनीतिक दलों को अपनी आंतरिक संरचनाओं में भी बदलाव लाने होंगे और महिलाओं को टिकट वितरण में प्राथमिकता देनी होगी। महिला आरक्षण बिल भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी और प्रतिनिधिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि यह विधेयक केवल महिलाओं के अधिकारों की बात नहीं करता, बल्कि यह एक मजबूत, संतुलित और न्यायपूर्ण समाज की नींव रखने की कोशिश है।

दिल्ली मेट्रो में बिना अनुमति सामान बेचने पर सख्ती, देना होगा 5000 रुपये तक जुर्माना

महानगर मेट्रो

दिल्ली। दिल्ली मेट्रो में बिना अनुमति सामान बेचना या बेचने की कोशिश करना अब सीधे जेब पर असर डालेगा. जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, 2026 के जरिए सरकार ने साफ संकेत दिया है कि सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासन से समझौता नहीं होगा और **मामूली उल्लंघन भी अब सख्त जुर्माने के दायरे में आएंगे.**
जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, 2026 के पारित होने के साथ ही दिल्ली मेट्रो में बिना अनुमति किसी भी प्रकार की बिक्री या सामान बेचने की पेशकश करना अब महंगा पड़ने वाला है. संसद द्वारा गुरुवार को पास किए गए इस विधेयक के बाद नियमों में बड़ा बदलाव किया गया है, जिसके तहत ऐसे मामलों में अब 5,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा.
यह संशोधन मेट्रो रेलवे (संचालन और रखरखाव) अधिनियम, 2002 की धारा 73 के तहत किया गया है. पहले इस कानून के तहत बिना अनुमति मेट्रो कोच या परिसर में सामान बेचने पर 100 से 400 रुपये तक का जुर्माना लगाया जाता था. साल 2019 में इस जुर्माने की अधिकतम सीमा 400 रुपये तय की गई थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर सीधे 5,000 रुपये तक कर दिया गया है, जिससे नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी लगाम लगाई जा सके.
इस विधेयक को लोकसभा में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने पेश किया था. इसका मुख्य उद्देश्य छोटे-मोटे अपराधों को आपराधिक दायरे से बाहर निकालकर सिविल पेनल्टी में बदलना है. सरकार का मानना है कि इससे न्यायालयों पर पड़ने वाला अतिरिक्त बोझ कम होगा और ऐसे मामलों का निपटारा तेजी से हो सकेगा.
दरअसल, मेट्रो परिसर में लंबे समय से बिना अनुमति बिक्री, भीख मांगने, चंदा इकट्ठा करने और धार्मिक सामग्री बांटने जैसी गतिविधियों की शिकायतें सामने आती रही हैं. दिसंबर 2025 में भी एक यात्री ने मेट्रो कोच के अंदर कुछ लोगों द्वारा चंदा मांगने और धार्मिक सामग्री वितरित करने की घटना की शिकायत दर्ज कराई थी. ऐसे मामलों से यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा पर असर पड़ता है.
सरकार का कहना है कि नए नियम लागू होने के बाद मेट्रो परिसर में अनुशासन और व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सकेगा. साथ ही, अधिक जुर्माना तय किए जाने से बिना अनुमति इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी और यात्रियों को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित यात्रा का अनुभव मिलेगा.'

पापा... पापा..., चिल्लाता रहा छात्र, डंडे से पीटते रहे मदरसे के शिक्षक

सहारनपुर । सहारनपुर के गंगोह थाना क्षेत्र से एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. जिसने लोगों को झकझोर कर रख दिया है. वीडियो में एक मासूम बच्चे के साथ बेरहमी से मारपीट किए जाने का दृश्य दिखाई दे रहा है, जिससे इलाके में आक्रोश का माहौल बन गया है. वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दो व्यक्ति एक बच्चे को डंडे से बुरी तरह पीट रहे हैं. वहीं, एक अन्य व्यक्ति पूरी घटना का वीडियो बनाता नजर आ रहा है. बताया जा रहा है कि यह वीडियो गंगोह स्थित एक मदरसे का है. हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है. वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों और अभिभावकों में भारी नाराजगी है. लोगों का कहना है कि अगर यह घटना सच है, तो यह बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े करता है. कई लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है. मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई है. अधिकारियों ने बताया कि वायरल वीडियो की सत्यता की जांच की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि घटना कब और कहां की है? साथ ही वीडियो में दिखाई देने वाले लोगों की पहचान भी की जा रही है. पुलिस ने क्या कहा? पुलिस का कहना है कि यदि जांच में वीडियो सही पाया जाता है, तो आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी. अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे बिना पुष्टि के किसी भी तरह की अफवाह फैलाने से बचें और कानून-व्यवस्था बनाए रखने

ई-वेस्ट इको पार्क जैसे सर्कुलर इकनॉमी प्रोजेक्ट्स के माध्यम से प्रदूषण को कम किया जाएगा

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को प्रदूषण से निपटने को लेकर चल रही तैयारियों की एक समीक्षा बैठक के बाद एयर पल्यूशन मिटिगेशन एक्शन प्लान-2026 लागू कर दिया है। सरकार ने साफ कर दिया है कि वह प्रदूषण के खिलाफ सख्ती के मूड में है। इसलिए दिल्ली में धूल प्रदूषण और गाड़ियों के प्रदूषण को रोकने के लिए कई अहम फैसले लिए गए हैं। बैठक में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिरसा, पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा और परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

11 क्षेत्रों को चिह्नित करके उन क्षेत्र में अलग अलग वर्क प्लान बनाकर काम करने का फैसला हुआ है।

नो डवट, नो फ्यूल का नियम रहेगा जारी, होगी और सख्ती सिंह

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि ग्रीन बजट के जरिए दिल्ली सरकार ने साफ हवा और पर्यावरण को अपनी प्राथमिकता बनाया है। बैठक में प्रदूषण के अलग-अलग कारण गाड़ियों का धुआं, सड़कों की धूल, कंस्ट्रक्शन, फैक्ट्रियों का प्रदूषण, कचरा बायोमास समेत उन्होंने कहा कि हर काम के लिए समय-सीमा और जिम्मेदारी तय होगी और रियल टाइम मॉनीटरिंग की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि यह केवल घोषणा नहीं, बल्कि संसाधनों, तकनीक और सख्ती के साथ चलाया जाएगा। सीएम ने कहा कि वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन के तहत ओखला को जुलाई 2026 तक, भलस्वा को दिसंबर 2026 तक और गाजीपुर को दिसंबर 2027 तक खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है।

पाबंदियां पहले की तरह जारी रहेंगी: रेखा गुप्ता

ई-वेस्ट इको पार्क जैसे सर्कुलर इकनॉमी प्रोजेक्ट्स के माध्यम से कचरे से होने वाले प्रदूषण को कम किया जाएगा। औद्योगिक प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी यूनिट्स में ऑनलाइन उत्सर्जन निगरानी प्रणाली अनिवार्य की गई है। सीएम ने कहा कि गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण को देखते हुए कई पाबंदियां पहले की तरह जारी रहेंगी। नो पीयूसी-नो फ्यूल (बिना पीयूसी-ईंधन नहीं) की व्यवस्था लागू रहेगी।
प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली सरकार के इनोवेशन चैलेंज के तहत चुने गए करीब 33 प्रोटोटाइप अब ट्रायल के दूसरे चरण में पहुंच रहे है। इनोवेशन चैलेंज से जुड़े अधिकारी ने बताया कि इन चयनित प्रोटोटाइप में सोलर पावर से चलने वाला पोल माउंटेड डस्ट ट्रैप, बिना फिल्टर के धुआं और धूल को कार्बन में कैप्चर करने वाले उपकरण, इलेक्ट्रोस्टैटिक मिस्ट स्प्रेयर, स्मार्ट डस्ट सप्रेशन और मॉनिटरिंग सिस्टम के मॉडल के साथ विभिन्न तरह की गाडियों में लगाए जाने वाले एयर प्यूरीफायर शामिल हैं।

14 साल के बेटे को बचाने के लिए मगरमच्छ से भिड़ गया पिता, संघर्ष के बाद मगरमच्छ के जबड़े से खींच लिया बेटे को

महानगर मेट्रो

पीलीभीत । पीलीभीत में 14 साल का बच्चा पिता के साथ खेत पर गया था. इस दौरान वहां पानी में मौजूद मगरमच्छ ने उसे जबड़ों में दबा लिया. बेटा चीख पड़ा तो पिता तुरंत बचाने दौड़ पड़े. वह मगरमच्छ से भिड़ गए और अपने बेटे को कुछ मिनटों के संघर्ष के बाद मगरमच्छ के जबड़े से खींच लिया. यह मंजर सन्न कर देने वाला था. उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां एक पिता ने अपने 14 साल के बेटे को बचाने के लिए मगरमच्छ से मुकाबला कर लिया और अपनी जान की परवाह किए बिना उसे मौत के मुंह से वापस खींच लाया. घटना जहानाबाद क्षेत्र के नगरिया सहगवां गांव की है. यहां रहने वाले प्रेम शंकर अपने बेटे मोहित कुमार के साथ गेहूं की फसल काटने के लिए नदी किनारे खेत पर गए थे. इसी दौरान अचानक ये घटना हो गई.एजेंसी के अनुसार, मोहित नदी के किनारे के पास पहुंच गया था, तभी पानी में मौजूद मगरमच्छ ने अचानक उस पर हमला कर दिया. इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, मगरमच्छ ने मोहित को अपने जबड़ों में जकड़ लिया और उसे पानी की ओर घसीटने लगा. बेटे की चीख सुनते ही पिता प्रेम शंकर बिना एक पल गंवाए उसकी ओर दौड़ पड़े और वे सीधे मगरमच्छ से भिड़ गए. बिना किसी हथियार के केवल हिम्मत और अपने बेटे को बचाने के लिए प्रेम शंकर ने मगरमच्छ से संघर्ष शुरू कर दिया.
यह संघर्ष कुछ मिनटों तक चला, जो किसी के लिए भी सदमे से कम नहीं था. आखिरकार, पिता की हिम्मत ने बेटे को मगरमच्छ के जबड़े से खींच लिया. प्रेम शंकर ने तुरंत घायल बेटे को वहां से बाहर निकाला और उसे पीलीभीत जिला अस्पताल पहुंचाया.

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची. रेंजर कौशेंद्र के नेतृत्व में टीम ने गांववालों से जानकारी जुटाई और हालात का जायजा लिया. जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में तैनात डॉक्टर गौरव गंगवार के मुताबिक, बच्चे को गंभीर चोटें आई थीं, लेकिन प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत अब खतरे से बाहर है. फिलहाल उसे निगरानी में रखा गया है और डॉक्टर उसकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं.
इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है. ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में मगरमच्छ का खतरा लगातार बढ़ रहा है और अब खेतों के पास जाना भी जोखिम भरा हो गया है. उन्होंने वन विभाग से मांग की है कि मगरमच्छ को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और उसे सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए. वन विभाग ने भी लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है. अधिकारियों ने कहा है कि नदी या तालाब के किनारे जाने से बचें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें. में 14 साल का बच्चा पिता के साथ खेत पर गया था. इस दौरान वहां पानी में मौजूद मगरमच्छ ने उसे जबड़ों में दबा लिया. बेटा चीख पड़ा तो पिता तुरंत बचाने दौड़ पड़े. वह मगरमच्छ से भिड़ गए और अपने बेटे को कुछ मिनटों के संघर्ष के बाद मगरमच्छ के जबड़े से खींच लिया. यह मंजर सन्न कर देने वाला था. उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां एक पिता ने अपने 14 साल के बेटे को बचाने के लिए मगरमच्छ से मुकाबला कर लिया और अपनी जान की परवाह किए बिना उसे मौत के मुंह से वापस खींच लाया. घटना जहानाबाद क्षेत्र के नगरिया सहगवां गांव की है. यहां रहने वाले प्रेम शंकर अपने बेटे मोहित कुमार के साथ गेहूं की फसल काटने के लिए नदी किनारे खेत पर गए थे. इसी दौरान अचानक ये घटना हो गई.एजेंसी के अनुसार, मोहित नदी के किनारे के पास पहुंच गया था,

रेलवे सिग्नल को उड़ाने की साजिश, ISI के 4 संदिग्ध गिरफ्तार

महानगर मेट्रो

लखनऊ। आईएसआई से जुड़े 4 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है. चारों का रेलवे के सिग्नल बॉक्स को जलाकर ट्रेन एक्सीडेंट कराने का प्लान था. चारों पाकिस्तान में बैठे आईएसआई हैंडलर के इशारे पर काम करते थे.उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से आईएसआई से जुड़े 4 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है. जानकारी सामने आई है कि चारों लखनऊ रेलवे स्टेशन के पास रेलवे के सिग्नल बॉक्स को उड़ाने वाले थे. शुरूआती पूछताछ में यूपी एटीएस को कई अहम सुराग सुराग मिले हैं. गिरफ्तार आरोपियों में मेरठ का रहने वाला साकिब उर्फ डेविल आईएसआई हैंडलर के सीधे संपर्क में था. साकिब को पाकिस्तान में बैठा कराकहैंडलर सीधे फंडिंग करता था. दावा यह भी किया जा रहा है कि शाकिब के जरिए ही गैंग के बाकी 3 सदस्यों की भी फंडिंग होती थी.

खिलौना पिस्टल की आड़ में लूट का पर्दाफाश एटीएस ने यह भी दावा किया है कि आरोपियों ने लखनऊ, गाजियाबाद, मेरठ के कई महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और गाड़ियों के शोरूम के वीडियो और फोटो बनाकर भेजे गए थे. आरोपियों का गैस सिलेंडर से भरे ट्रक, कई गाड़ियों के शोरूम में आगजनी का भी प्लान था. पाकिस्तान में बैठा आईएसआई हैंडलर गूगल लोकेशन की स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर साकिब को भेजता था पाकिस्तान में बैठा आईएसआई हैंडलर ओसामा बिन लादेन, फरर्तुल्ला गौरी, कश्मीर मुजाहिदीन, गजवए हिंद के नाम पर शाकिब और उसके साथियों को उकसा रहा था.

सिग्नल जलाकर ट्रेन एक्सीडेंट का था प्लान लोकेश उर्फ पपला और विकास उर्फ रौनक संपर्क में आए थे.साकिब के साथ अरबाब भी पाकिस्तान में बैठे आईएसआई हैंडलर के संपर्क में आ चुका था. फिलहाल आईएसआई ट्रेन ट्रैफिक को बाधित कर ट्रेन एक्सीडेंट कराने का प्लान बनाया था जासूसी करने वाले सभी चार आरोपियों को यूपी एटीएस रिमांड पर लेगी.

किडनी रैकेट में ग्रेटर नोएडा वेस्ट के एक निजी अस्पताल का कनेक्शन

महानगर मेट्रो

कानपुर । में 30 मार्च को उजागर हुए किडनी के अवैध कारोबार में अब एनसीआर कनेक्शन सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के एक निजी अस्पताल में ओटी इंचार्ज के पद पर कार्यरत रहे राजेश को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि राजेश करीब तीन साल तक अस्पताल में कार्यरत रहा और एक माह पहले ही उसने नौकरी छोड़ दी थी।

30 मार्च को हुआ था बड़ा खुलासा

कानपुर में लंबे समय से चल रहे किडनी के अवैध धंधे का 30 मार्च को पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त छापेमारी में भंडाफोड़ हुआ था। जांच के दौरान मेरठ, नोएडा और गाजियाबाद समेत कई शहरों के अस्पतालों के नाम सामने आए, जिससे यह मामला और व्यापक हो गया **ग्रेटर नोएडा वेस्ट से जुड़ा आरोपी**
गिरफ्तार आरोपी राजेश मूल रूप से गाजियाबाद का रहने वाला है और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के एक निजी अस्पताल में ओटी इंचार्ज के पद पर तैनात था। सूत्रों के अनुसार, वह अस्पताल में सामान्य कर्मचारी की तरह काम करता था और कभी किसी को उसकी गतिविधियों पर संदेह नहीं हुआ। वह सहकर्मियों के साथ अच्छा व्यवहार रखता था और अपने काम को ईमानदारी से करता दिखता था।**अस्पताल प्रशासन ने झाड़ा पल्ला**
अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि राजेश तीन वर्षों से उनके यहां कार्यरत था और लगभग एक माह पहले उसने त्यागपत्र दे दिया था। बुधवार को उसकी नोटिस अवधि का अंतिम दिन था। प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि अस्पताल में किडनी या लिवर ट्रांसप्लांट नहीं किया जाता है और इस अवैध गतिविधि से उनका कोई संबंध नहीं है।

जांच में और खुलासों की संभावना

जांच एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से पड़ताल कर रही हैं। आशंका जताई जा रही है कि यह रैकेट कई शहरों में फैला हो सकता है और इसमें अन्य अस्पतालों व लोगों की संलिप्तता भी सामने आ सकती है।कानपुर में लंबे समय से चल रहे किडनी के अवैध धंधे का 30 मार्च को पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त छापेमारी में भंडाफोड़ हुआ था। जांच के दौरान मेरठ, नोएडा और गाजियाबाद समेत कई शहरों के अस्पतालों के नाम सामने आए, जिससे यह मामला और व्यापक हो गया।गिरफ्तार आरोपी राजेश मूल रूप से गाजियाबाद का रहने वाला है और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के एक निजी अस्पताल में ओटी इंचार्ज के पद पर तैनात था। सूत्रों के अनुसार, वह अस्पताल में सामान्य कर्मचारी की तरह काम करता था और कभी किसी को उसकी गतिविधियों पर संदेह नहीं हुआ। वह सहकर्मियों के साथ अच्छा व्यवहार रखता था और अपने काम को आरोपी राजेश मूल रूप से गाजियाबाद का रहने वाला है जांच एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से पड़ताल कर रही हैं।

फिल्में ऐसी बनें, जिनसे युवाओं को राष्ट्र के लिए प्रेरणा मिले।

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिन के वाराणसी दौरे पर हैं। यहां सीएम योगी सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित महानाट्य कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान सीएम योगी ने उन फिल्मों को लेकर तंज कसा, जिनमें अपराधियों को हीरो की तरह दिखाया जाता है। उन्होंने कहा कि जब ऐसी फिल्में दिखाई जाती हैं, तो युवा उन डकैतों को ही अपना आदर्श मानने लगते हैं। इस तरह की फिल्मों ने देश की कई पीढ़ियों को खराब किया है।
अपने भाषण में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'फिल्में केवल मंचन भर नहीं होती, बल्कि समाज को दिशा देने का एक प्लेटफॉर्म होती हैं। युवा पीढ़ी के सामने जैसी फिल्में परोसी जाएंगी, वो वैसे ही आदर्श अपनाएगी। इसीलिए, मैं अक्सर फिल्मों के निर्माताओं, निर्देशकों और कलाकारों से कहता हूं कि इस तरह की फिल्में बनाइए, जो राष्ट्र के लिए प्रेरणा बनें। अगर किसी डकैत को हीरो बनाओगे, तो युवा पीढ़ी उस डकैत को ही अपना आदर्श मान लेगी। किसी डकैत को हीरो के रूप में प्रस्तुत मत करो।'तो युवा पीढ़ी उस डकैत को ही अपना आदर्श मान लेगी। किसी डकैत को हीरो के रूप में प्रस्तुत मत करो।'

एक महीने में तीन बार गौवंश के अवशेष मिलने से भड़के लोग

प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की मांग

महानगर मेट्रो

गुना। शहर में पिछले एक महीने के भीतर लगातार तीन बार गौवंश के कटे हुए अंग और अवशेष मिलने के बाद शनिवार को गौसेवकों का धैर्य जवाब दे गया। प्रशासन की शिथिल कार्यप्रणाली और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई न होने से नाराज सैकड़ों गौसेवकों ने शहर के हृदय स्थल हनुमान चौराहे पर विशाल चक्काजाम कर दिया। लगभग एक घंटे तक चले इस विरोध प्रदर्शन के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और पूरा शहर थम सा गया।

एक महीने में तीन बड़ी घटनाएं

आक्रोशित गौसेवकों ने बताया कि गुना जिले में पिछले एक महीने में तीन बार गौवंश के साथ क्रूरता की गई है, जिसने शहर की शांति और आस्था को झकझोर दिया है:
6 मार्च: औद्योगिक क्षेत्र (इंडस्ट्रियल एरिया) में गाय के बछड़े का कटा हुआ शव मिला।
दूसरी घटना: लूसन के बगीचे में गाय की गर्दन बरामद हुई।ताजा मामला: हनुमान जयंती के पावन पर्व पर सदर बाजार रपटा के पास गाय के कटे हुए कान मिले।
इसी दौरान हनुमान टेकरी मेला परिसर में झूला

संचालकों द्वारा मांस पकाकर खाने की घटना ने आग में घी डालने का काम किया। गौसेवकों का आरोप है कि जब पूरा शहर भक्ति में डूबा था, तब असामाजिक तत्व गौमाता की हत्या कर रहे थे।प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालचक्काजाम के दौरान गौसेवकों ने प्रशासन और नेताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।
प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे अब तक 5-6 बार ज्ञापन सौंप चुके हैं, लेकिन हर बार केवल खोखला आश्वासन मिला।हमने प्रशासन की बात मानकर अब तक संयम बरता, लेकिन आज जब हम कलेक्टर से मिलने गए, तो उन्होंने आने से मना कर दिया। प्रशासन की ढुलमुल नीति ने ही हमें सड़क पर उतरने को मजबूर किया है। प्रदर्शनकारी गौसेवक अधिकारियों ने दी समझाइश
चक्काजाम की सूचना मिलते ही तहसीलदार जी.एस. बैरवा और कैंट टीआई अनूप भार्गव भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। गौसेवकों की स्पष्ट मांग है कि जिन लोगों ने गौमाता के अंग काटे, उनके घरों पर तत्काल बुलडोजर चलाया जाए।

35 साल के आदमी से कराई 15 वर्षीय लड़की की शादी
नागपुर में बाल विवाह का मामला आया सामने आया

महानगर मेट्रो

नागपुर । में बाल विवाह का मामला आया सामने आया है. जहां 15 वर्षीय लड़की की 35 वर्ष के व्यक्ति से शादी करा दी गई. सबसे बड़ी बात यह शादी एक धार्मिक कार्यक्रम में हुआ. मामला संज्ञान में आने के बाद बाल संरक्षण टीम ने लड़की को मुक्त करा लिया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है. जिसके बाद पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है.जीले के नरखेड तहसील के मालापुर में एक गंभीर मामला सामने आया है. जिसमें 15 वर्ष की किशोरी का विवाह 35 वर्षीय व्यक्ति के साथ एक धार्मिक कार्यक्रम में कर दिया गया. 15 वर्षीय किशोरी कक्षा 8 की छात्रा है. किशोरी 23 मार्च तक स्कूल गई, लेकिन

24 मार्च से उसका स्कूल जाना बंद हो गया. वहीं 26 तारीख को उसका विवाह करा दिया गया.

इसकी जानकारी जैसे ही बाल संरक्षण विभाग को मिली, बाल संरक्षण विभाग ने एक टीम गठित की और जांच शुरू की. इस बात की जानकारी जिला बाल संरक्षण अधिकारी मुस्ताक पठान ने दी. पठान ने बताया कि 23 तारीख को बच्ची की मां स्कूल जाती है और बच्ची को स्कूल से लेकर आती है व 26 तारीख को यह शादी की जाती है.

जिला बाल संरक्षण अधिकारी मुस्ताक पठान ने बताया कि बाल संरक्षण विभाग की टीम ने बड़ी सतर्कता से इस पूरे मामले का अध्ययन किया एवं नागपुर जिले के नरखेड पुलिस थाने में संबंधित आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई. टीम ने 15 वर्षीय किशोरी का स्टेटमेंट भी रिकॉर्ड किया है और स्टेटमेंट के आधार पर लैंगिक अपराधों के संरक्षण (पॉस्को) अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की. बच्ची का जन्म 2010 में हुआ था. ऐसे में उसकी उम्र सिर्फ 15 साल की ही है. वहीं जिससे उसकी शादी हुई है, वह 35 साल का है. जांच समिति की तरफ से इस शादी को कराने वाली महिला के खिलाफ भी शिकायत दर्ज कराई गई है. पुलिस उसकी भी भूमिका की जांच कर रही है. कहीं ऐसा तो नहीं है कि उसने बच्ची को बेचकर शादी करवाई.

जांच अधिकारी मुस्ताक पठान ने बताया कि ऐसे आयोजनों में शामिल होकर बाल विवाह को बढ़ावा देने वाले आयोजकों,उपस्थित लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया जाएगा. साथ ही ऐसे लोगों के खिलाफ भी जो कार्रवाई की जाएगी, वह होगी. जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने बताया कि 15 वर्षीय लड़की का स्टेटमेंट रिकॉर्ड करने के बाद उसकी मेडिकल जांच कराई गई है. इसके अलावा उसकी आगे की देखभाल के लिए बाल गृह में रखा गया है.वहीं जिससे उसकी शादी हुई है, वह 35 साल का है.

भोपाल एयरपोर्ट पर अब चखिए गोलगप्पों का तीखा पानी

महानगर मेट्रो

भोपाल। अगर आप भी भोपाल के चटपटे स्ट्रीट फूड के दीवाने हैं, तो अब हवाई यात्रा के दौरान आपको अपने पसंदीदा जायके को मिस नहीं करना पड़ेगा। राजा भोज एयरपोर्ट मई के महीने से पूरी तरह 'फूड हब' में बदलने जा रहा है। अब एयरपोर्ट पर सिर्फ फ्लाइट्स का शोर नहीं, बल्कि गोलगप्पों के पानी की खुशबू भी यात्रियों का स्वागत करेगी।

डिपार्चर से अराइवल तक खाना

दरअसल, एयरपोर्ट प्रशासन ने खाने-पीने (ऋ&इ) के पूरे ढांचे को नया रूप देने का फैसला किया है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी के मुताबिक, नए मेन्यू में प्रोटीन से भरपूर हेल्दी लंच से लेकर मुंह में पानी ला देने वाले गोलगप्पे तक शामिल होंगे। देखा जाए तो यह बदलाव यात्रियों के 'वेटिंग टाइम' को मजेदार बनाने के लिए किया गया है। अब यात्री सिक्योरिटी चेक से पहले और सामान लेने के दौरान भी खरीदारी और खान-पान का आनंद ले सकेंगे।

हाईटेक आउटलेट्स और 'ग्रैब एंड गो' फॉर्मेट

बता दें कि नए आउटलेट्स को काफी आधुनिक बनाया गया है। डिपार्चर गेट्स पर यात्रियों की जल्दबाजी को देखते हुए 'ग्रैब एंड गो' फॉर्मेट रखा गया है, ताकि आप अपनी फ्लाइट से पहले तुरंत सैंडविच, पेस्ट्री या मोमोज पैक करा सकें।

हमारा उद्देश्य भारतीय पैलेट की विविधता को एक छत के नीचे लाना है। इसमें क्षेत्रीय खासियतें जैसे डोसा, इडली और वड़ा के साथ-साथ हाइजीनिक इंडो-चाइनीज विकल्पों को भी शामिल किया गया है। रामजी अवस्थी (डायरेक्टर, राजा भोज एयरपोर्ट)

क्यों बदला जा रहा टएटव

भोपाल की पहचान हमेशा से उसके स्वाद से रही है। एयरपोर्ट पर इस तरह का बदलाव न केवल यात्रियों को सुविधा देगा, बल्कि बाहरी राज्यों से आने वाले पर्यटकों को भोपाल की स्ट्रीट फूड कल्चर का पहला अहसास टर्मिनल पर ही करा देगा। यह कदम भोपाल एयरपोर्ट को देश के सबसे पैसेंजर-फ्रेंडली एयरपोर्ट्स की श्रेणी में खड़ा करेगा। दरअसल, एयरपोर्ट प्रशासन ने खाने-पीने (ऋ&इ) के पूरे ढांचे को नया रूप देने का फैसला किया है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी के मुताबिक, नए मेन्यू में प्रोटीन से भरपूर हेल्दी लंच से लेकर मुंह में पानी ला देने वाले गोलगप्पे तक शामिल होंगे। देखा जाए तो यह बदलाव यात्रियों के 'वेटिंग टाइम' को मजेदार बनाने के लिए किया गया है। अब यात्री सिक्योरिटी चेक से पहले और सामान लेने के दौरान भी खरीदारी और खान-पान का आनंद ले सकेंगे।बता दें कि नए आउटलेट्स को काफी आधुनिक बनाया गया है। डिपार्चर गेट्स पर यात्रियों की जल्दबाजी को देखते हुए 'ग्रैब एंड गो' फॉर्मेट रखा गया है, ताकि आप अपनी फ्लाइट से पहले तुरंत सैंडविच, पेस्ट्री या मोमोज पैक करा सकें।

हमारा उद्देश्य भारतीय पैलेट की विविधता को एक छत के नीचे लाना है। इसमें क्षेत्रीय खासियतें जैसे डोसा, इडली और वड़ा के साथ-साथ हाइजीनिक इंडो-चाइनीज विकल्पों को भी शामिल किया गया है। रामजी अवस्थी (डायरेक्टर, राजा भोज एयरपोर्ट)

क्यों बदला जा रहा टएटव अब यात्री सिक्योरिटी चेक से पहले और सामान लेने के दौरान भी खरीदारी और खान-पान का आनंद ले सकेंगे

मीरा भाईंदर तक 6 अप्रैल से दौड़ेगी मुंबई मेट्रो

महानगर मेट्रो

मुंबई। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने मुंबई और मीरा भाईंदर वासियों के लिए बड़ी गुड न्यूज साझा की है। सरनाईक ने कहा है कि मुंबई मेट्रो 6 अप्रैल को यात्रियों के लिए मीरा भाईंदर तक दौड़ेगी। सीएम फडणवीस इसका विधिवत उद्घाटन करेंगे। मुंबई: महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने मुंबईकर को बड़ी गुड न्यूज साझा की है। सरनाईक ने कहा है कि लंबे समय से प्रतीक्षारत मेट्रो लाइन-9 का दहिसर पूर्व से मीरा भाईंदर तक का हिस्सा 6 अप्रैल को खुलेगा।

पहले उद्घाटन की तारीख 3 अप्रैल तय की गई थी। सरनाईक के अनुसार मेट्रो लाइन 9 के दहिसर पूर्व से मीरा भायंदर तक के इस हिस्से का शुभारंभ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस करेंगे। ऐसा पहली बार होगा जब मुंबई मेट्रो किसी उपनगर को कनेक्ट करेगी।

ठाणे से आने वाले महाराष्ट्

के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने शुक्रवार को बताया कि दहिसर पूर्व और मीरा-भायंदर के बीच मेट्रो लाइन-9 रेल सेवा का उद्घाटन 6 अप्रैल को किया जाएगा।सरनाईक ने साफ किया कि हम सुरक्षा संबंधित मंजूरी का इंतजार कर रहे थे, जो अब मिल गई है।उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र के निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। इस हिस्से के खुलने से मीरा-भाईंदर के लोग अब आसानी से अंधेरी तक पहुंच सकेंगे। उन्हें किसी तरह के जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। गौरतलब हो कि हाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने 2018 में दहिसर-मीरा-भायंदर मेट्रो 9अ प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। इसके बाद 2019 में मेट्रो लाइन पर असल निर्माण कार्य शुरू हुआ।

मीरा भाईंदर तक मेट्रो दौड़ाने को मिली मंजूरी, फडणवीण के दावोस से आते ही तय होगी तारीख, जानें क्या तैयारी

पहले फेज का काम किया पूरा

मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) इस मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण दो अलग-अलग चरणों में कर रहा है। दहिसर से काशीगांव तक और काशीगांव से नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान तक। पहले चरण का ज्यादातर काम मई 2025 तक पूरा हो गया था।

इसके बाद मेट्रो के ट्रायल रन किए गए। इन ट्रायल के सफलतापूर्वक पूरे होने पर पिछले महीने जरूरी रेगुलेटरी मंजूरियां हासिल कर ली गईं। हालांकि उम्मीद थी कि इसके तुरंत बाद मेट्रो सेवा शुरू हो जाएगी।

मुंबई से नई ट्रेनें चलाने का खुलेगा रास्ता, करी रोड में बनेगा वेस्टर्न रेलवे का नया डिपो

महानगर मेट्रो

मुंबई। शहर में रेलवे सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है। मध्य रेलवे के करी रोड डिपो , जो लोअर परेल स्टेशन के पास स्थित है, को अब पश्चिम रेलवे की ओर से नए कोचिंग फैसिलिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस परियोजना की कुल लागत करीब 98 करोड़ रुपये है।

मिली जानकारी के अनुसार, पिट लाइन के निर्माण कार्य को 31 मार्च 2026 को मंजूरी दी गई है और इसे लगभग 15 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं स्टेबलिंग लाइनों के निर्माण को भी मंजूरी प्रक्रिया में रखा गया है।

चल सकेंगी नई ट्रेन

इस नए डिपो में 2 पिट लाइन और 7 स्टेबलिंग लाइन बनाई जाएंगी। पिट लाइन वह जगह होती है जहां ट्रेनों की सफाई और मेंटेनेंस किया जाता है, जबकि स्टेबलिंग लाइन में ट्रेनों को खड़ा किया जाता है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद दादर और मुंबई सेंट्रल से नई लंबी दूरी की ट्रेनों की शुरुआत आसान हो जाएगी, जिससे यात्रियों को अधिक विकल्प और बेहतर सुविधा मिल सकेगी। एक नई स्टेट-ऑफ-द-आर्ट कोचिंग फैसिलिटी बनने से भविष्य की रेलवे सेवाओं को बड़ा सपोर्ट मिलेगा।

31 मार्च 2026 को यह मंजूरी मिली है. जल्द से जल्द काम पूरा करने की कोशिश की जा रही है। इस फैसिलिटी के शुरू होने से सर्विस में इजाफाअधिक यात्री यात्रा कर सके। हमने अपनी सुविधाओं को बढ़ाने के लिए पिछले साल लगभग 22,000 करोड़ रुपये का उऊइव खर्च किया है। इसके अलावा, लोकल और मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को बढ़ाने के लिए नए डिपो और रूट बनाए जा रहे हैं और हमारा लक्ष्य उन्हें जल्द ही पूरा करना है। पंकज सिंह, डीआरएम, मुंबई सेंट्रल डिवीजन पश्चिम रेलवे

2 टर्मिनलों की जरूरतों को करेगा पूरा

वर्तमान मे दादर में नई पिट लाइन बनाने के लिए जगह नहीं है और मुंबई सेंट्रल पर पहले से ही काफी दबाव है। इसी कारण नई ट्रेनों की शुरुआत में दिक्कत आ रही थी। हालांकि अब इस फैसिलिटी के शुरू होने के बाद यह समस्या कम होने की उम्मीद लगाई जा रही है। लोअर परेल का यह नया कोचिंग डिपो रणनीतिक रूप से काफी अहम है। यह डिपो **दादर से करीब** 2.5 किलोमीटर और मुंबई सेंट्रल से 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जिससे यह दोनों टर्मिनलों की जरूरतों को पूरा करेगा।

सिंधिया का कांग्रेस पर तीखा तंज, पहले खुद गलत करो,

महानगर मेट्रो

दतिया । विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता रद्द होने के बाद कांग्रेस के आरोपों पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अशोकनगर में कड़ा प्रहार किया है। सिंधिया ने कांग्रेस को आईना दिखाते हुए कहा- 'पहले खुद गलत काम करो और फिर हम ही हमला करें, यह कैसी राजनीति है?'

सिंधिया का कांग्रेस पर तीखा तंजअशोकनगर : मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता रद्द होने के बाद सूबे में सियासी पारा चढ़ गया है। इस मामले में अब केंद्रीय मंत्री और क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। अशोकनगर के अपने चार दिवसीय दौरे के दौरान सिंधिया ने दो टूक शब्दों में कहा कि कांग्रेस को दूसरों पर आरोप लगाने से पहले अपनी गलतियों को देखना चाहिए।'**पहले गलत करो, फिर हमला भी करो**'- असल, जब पत्रकारों ने सिंधिया से पूछा कि कांग्रेस विधायक की

सदस्यता खत्म होने के बाद कांग्रेस नेता सरकार पर हमलावर हैं, तो सिंधिया ने अपने चिर-परिचित अंदाज में तंज कसा। उन्होंने कहा- 'कांग्रेस क्यों हमलावर है? पहले तो हम गलत करें, फिर हम ही हमला करें।' सिंधिया का इशारा साफ था कि कोर्ट द्वारा दोषी करार दिए जाने के बाद हुई कानूनी प्रक्रिया पर राजनीति करना गलत है।

अशोकनगर दौरे पर महाराज के कड़े तेवर

दरअसल, सिंधिया इन दिनों अपने संसदीय क्षेत्र अशोकनगर के सघन दौरे पर हैं। शुक्रवार को जब दिल्ली की एमपी/एमएलए कोर्ट के फैसले के बाद विधानसभा सचिवालय ने भारती की सदस्यता खत्म करने का राजपत्र जारी किया, तो कांग्रेस ने इसे भाजपा की 'साजिश' बताया था। सिंधिया ने शुरुआत में इस सवाल को टालने की कोशिश की, लेकिन फिर कांग्रेस को आईना दिखाते हुए इसे 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' जैसी स्थिति करार दिया।

रोत्तम मिश्रा हारे थे चुनाव

दतिया सीट पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा की पारंपरिक सीट रही है, जिन्हें पिछले चुनाव में राजेंद्र भारती ने हराया था। सिंधिया के इस कड़े रुख से साफ है कि भाजपा अब दतिया में संभावित उपचुनाव के लिए मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने की तैयारी में है।कांग्रेस द्वारा 'विक्टिम कार्ड' खेलने की कोशिश को सिंधिया ने अपने एक ही तंज से कमजोर करने की कोशिश की है।बढ़त बनाने की तैयारी में है।कांग्रेस द्वारा 'विक्टिम कार्ड' खेलने की कोशिश को सिंधिया ने अपने एक ही तंज से कोशिश की है।

कमलनाथ के बयान से बैकफुट पर आई कांग्रेस, ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कसा तंज-%शर्म आनी चाहिए

महानगर मेट्रो

भोपाल। कांग्रेस नेता कमलनाथ के देश में छढ़ग्रैस क्राइसिस पर दिए गए बयान के बाद अब इखढ ने कांग्रेस और राहुल गांधी के एलपीजी क्राइसिस को लेकर घेरना शुरू कर दिया है। सबसे आगे केंद्रीय मंत्री सिंधिया आए, जिन्होंने कहा कि कमलनाथ ने राहुल गांधी और कांग्रेस के आरोपों की पोल खोल दी है, शर्म आना चाहिए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने हैंडल पर एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने लिखा है कि 'अब तो कांग्रेस नेता कमलनाथ जी ने भी स्वयं कह दिया है कि देश में पेट्रोल-डीजल और गैस की कोई कमी नहीं है' झूठ और भ्रम के बलबूते जनता को इतने दिनों तक गुमराह कर रही कांग्रेस को अब शर्म आना चाहिए। अब समय है कि कांग्रेस जनता में डर और विश्वास पैदा कर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकना बंद कर दे।'

क्या है मामला, ऐसे समझें

कमलनाथ ने गैस क्राइसिस पर बयान दिया था
उन्होंने कहा था, गैस की ऐसी कोई कमी नहीं है
उनका बयान पार्टी लाइन से इतर आया था
भाजपा ने तत्काल इसे कांग्रेस लपक लिया
सिंधिया ने कहा, कांग्रेस जनता को गुमराह कर रही
कांग्रेस को शर्म आना चाहिए

कमलनाथ का वीडियो भी शेयर किया है

मंत्री सिंधिया ने भाजपा मध्य प्रदेश के की पोस्ट को शेयर किया था, जिसमें पार्टी ने लिखा था कि 'अब तो कांग्रेस नेता कमलनाथ ने भी राहुल गांधी द्वारा एलपीजी को लेकर फैलाए जा रहे प्रोपेगेंडा की पोल खोल दी' इसमें कमलनाथ का छिंदवाड़ा का वह वीडियो भी लगाया गया था, जिसमें कमलनाथ ने कहा था कि, गैस की कमी नहीं है, सिस्टम में गड़बड़ी है और एक भ्रम फैलाया गया है। कांग्रेस के कमलनाथ ने किया मोदी सरकार का बचाव, बोले-गैस की कमी नहीं है, ये माहौल बना दिया

इस महीने बढ़ जाएगी वेस्टर्न रेलवे पर 17-15 डिब्बों की लोकल सर्विस

महानगर मेट्रो

मुंबई। सबअर्बन ट्रेनों में भीड़ कम करने के मकसद से, पश्चिम रेलवे अप्रैल के बीच से 17 नई 15-कोच वाली सबअर्बन सर्विस शुरू करेगा, जो मौजूदा 12-कोच के रूप में चलती है । मुंबई सेंट्रल डिवीजन के डीआरएम पंकज सिंह ने कहा कि 12-कोच से 15-कोच वाली सर्विस में बदलने से सबअर्बन नेटवर्क पर पैसेंजर कैपेसिटी काफी बढ़ जाएगी। आकड़ों में देखे तो लगभग 33 प्रतिशत तक कैरीइंग कैपेसिटी बढ़ जाएगी, जिससे कुछ सबसे बिजी रूट पर पीक-आवर में भीड़ कम होने की उम्मीद है। अप्रैल के मध्य तक 1 5 डिब्बों वाली लोकल की संख्या 227 से बढ़कर 247 हो जाएगी। इससे उम्मीद जताई जा रही है कि मई महीने तक 15 डिब्बों की लोकल सर्विस का आकड़ा 250 के पार हो जाएगा

1,414 सबअर्बन सर्विस चलाता है वेस्टर्न रेलवे

बता दें कि पश्चिम रेलवे अभी कुल 1,414 सबअर्बन सर्विस चलाता है। इनमें से 1,203 सर्विस 12-कोच वाली हैं, जिनमें 1,070 नॉन-अउ और 133 अउ लोकल की सर्विस शामिल हैं। बाकी 211 रेक पहले से ही 15-कोच वाली नॉन-अउ ट्रेनों के तौर पर चल रही हैं। 17 और 15-कार सर्विस जुड़ने से, नेटवर्क पर

ज्यादा कैपेसिटी वाली ट्रेनों की संख्या और बढ़ जाएगी। वेस्टर्न रेलवे पिछले कुछ सालों से सबअर्बन पैसेंजर की बढ़ती डिमांड को संभालने के लिए धीरे-धीरे 15-कार सर्विस की संख्या बढ़ा रहा है। भविष्य में ऐसे और कन्वर्जन की उम्मीद है क्योंकि सबअर्बन सेक्शन में इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड और प्लेटफॉर्म एक्सटेंशन का काम पूरा हो जाएगा।

अहम प्वाइंट

नई 15-कोच सर्विसः 17
कैपेसिटी में बढ़ोतरीः 33%
कुल सबअर्बन सर्विस : 1,414
12-कार वाली सर्विसः 1,203
नॉन-अउ सर्विसः 1,070
अउ सर्विस : 133
15-कार वाली ट्रेनें (नॉन-अउ सर्विस): 211

आकड़ों में देखे तो लगभग 33 प्रतिशत तक कैरीइंग कैपेसिटी बढ़ जाएगी, जिससे कुछ सबसे बिजी रूट पर पीक-आवर में भीड़ कम होने की उम्मीद है। अप्रैल के मध्य तक 1 5 डिब्बों वाली लोकल की संख्या 227 से बढ़कर 247 हो जाएगी। इससे उम्मीद जताई जा रही है कि मई महीने तक 15 डिब्बों की लोकल सर्विस का आकड़ा 250 के पार हो जाएगा बता दें कि पश्चिम रेलवे अभी कुल 1,414 सबअर्बन सर्विस चलाता है। इनमें से 1,203 सर्विस 12-कोच वाली हैं, जिनमें 1,070 नॉन-अउ और 133 अउ लोकल की सर्विस शामिल हैं। बाकी 211 रेक पहले से ही 15-कोच वाली नॉन-अउ ट्रेनों के तौर पर चल रही हैं। 17 और 15-कार सर्विस जुड़ने से, नेटवर्क पर ज्यादा कैपेसिटी वाली ट्रेनों की संख्या और बढ़ जाएगी। वेस्टर्न रेलवे पिछले कुछ सालों से सबअर्बन पैसेंजर की बढ़ती डिमांड को संभालने के लिए धीरे-धीरे 15-कार सर्विस की संख्या बढ़ा रहा है। भविष्य में ऐसे और कन्वर्जन की उम्मीद है क्योंकि सबअर्बन सेक्शन में इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड और प्लेटफॉर्म एक्सटेंशन का काम पूरा हो जाएगा।

कुएं में गिरी कार, एक ही परिवार के 9 सदस्यों की मौत

महानगर मेट्रो

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में एक दिल दहला देने वाले सड़क हादसे में एक ही परिवार के 9 सदस्यों की मौत हो गई। यह हादसा नासिक के डिंडोरी तालुका में हुआ, एक कार कुएं में गिर गई। कार में सवार 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

यहां हादसा शुक्रवार रात करीब 10 बजे के आसपास हुआ है। मरने वाले सभी दरगोडे परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

मरने वालो में 6 बच्चे शामिल

पुलिस जांच में सामने आया है कि दरगुडे परिवार एक कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहा था।

इसी दौरान कार चालक का वाहन पर से नियंत्रण हट गया और कार सीधे कुएं में जा गिरी। इस भीषण हादसे में अपनी जान गंवाने वाले लोगों में छह बच्चे शामिल हैं, जिनमें एक सात साल की बच्ची भी बताई जा रही है। इसके अलावा सुनील दरगुडे, उनकी पत्नी और उनकी बेटी की भी इस हादसे में मौत हो गई। एक ही परिवार के इतने सदस्यों की मौत से गांव और आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई।

मृतकों की हुई पहचान

रेशमा सुनील दरगुडे (27)
आशा अनिल दरगुडे (32)
अनिल दरगुडे (14)
श्रेयस अनिल दरगुडे (11),
राखी सुनील दरगुडे
श्रावणी अनिल दरगुडे (11
समृद्धि राजेंद्र दरगुडे (7)
माधुरी अनिल दरगुडे (13)
सुनील दत्तु दरगुडे (32)
पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया गया है।

बच्चों को नुकसान पहुंचाने वाले खिलोने न दें

घर में छोटे बच्चे हो तो हर सदस्य का ध्यान उसकी तरफ ही रहता है। बच्चे के लिए घर में कई तरह के खिलौने भी लाए जाते हैं। उसके लिए साइकिल, वॉकर, छोटे-छोटे खिलौने ला कर रख दिये जाते हैं। कई बार बच्चे के प्यार में जाने-अनजाने अभिभावक कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। आपके घर में भी छोटा बच्चा है। तो इन बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। आपके लिए जानना जरूरी है कि कौन से बच्चों के उत्पाद नुकसान पहुंचा रहे हैं।

टीथर

बच्चे रंग-बिरंगे खिलौने देखकर बहुत खुश होते हैं और हर चीज को मुंह में डालते हैं। आप शायद इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इस खिलौने से बच्चे को संक्रमण होने का डर रहता है। बच्चे को यह खिलौने देने से पहले इस पर धूल मिट्टी के कण पड़े होते हैं। जिसे बहुत से लोग बार-बार साफ नहीं करते और कई बार तो बडे लोगों के हाथ के कीटाणु भी इस पर लग जाते हैं। जिससे बच्चे को उल्टी, पेटदर्द, दस्त जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

वाकर

बच्चा जल्दी चलना सीख लें इसलिए ज्यादातर लोग बच्चे को वॉकर लाकर दे देते हैं। माना जाता है कि इसमें बैठकर वह जल्दी चलना सीख जाते हैं और मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं। एक शोध में यह बात सामने आई है कि इससे बच्चे को खुद का बैलेंस बनाने में परेशानी होने लगती है। वह डर-डर कर जमीन पर अपने पांव रखता है।

दूध की बोतल

छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही सही आहार है। कुछ कामकाजी औरतें बच्चे बोतल से दूध पिलाती हैं। इससे बच्चे के पेट में हवा भर जाती है, जिससे उसे पेट गैस की परेशानी हो सकती है। अगर बोतल में दूध पिला रहे हैं तो साफ-सफाई का भी बहुत ध्यान रखने की जरूरत है। दूध पिलाने से पहले बोतल को जरूर उबाल लें।

बच्चों के लिए बेहद जरूरी है कैल्शियम

कैल्शियम बच्चों के लिए बेहद जरूरी है। इसकी कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों के लिए भी ये काफी जरुरी होता है। इसकी कमी से उनके शरीर पर विपरीत प्रभावि पड़ता है। । ये उनकी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करता है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, उनकी कैल्शियम की जरूरत भी बढ़ जाती है। अगर बच्चों को सही मात्रा में कैल्शियम नहीं मिलता, तो उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

कमी के हैं ये संकेत

कैल्शियम की कमी से बच्चों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। इसके कारण बच्चों को चलने-फिरने में परेशानी हो सकती है और वे दर्द महसूस कर सकते हैं। इससे शिशु को उठने और बैठने में भी मुश्किल हो सकती है। दांतों की समस्याएं : नवजात शिशुओं में दांतों का देर से आना, दांत कमजोर होना या दांतों में कैविटी की समस्या कैल्शियम की कमी के संकेत होत हैं। मांसपेशियों में दर्द : कैल्शियम की कमी से बच्चों की मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। यह एक सामान्य लक्षण है जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

शारीरिक विकास की धीमी गति : अगर बच्चे की लंबाई और वजन अपेक्षित दर से कम बढ़ रहे हैं, तो यह भी कैल्शियम की कमी का संकेत हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से बच्चों की शारीरिक विकास की ट्रैकिंग के लिए सलाह लें।

चिड़चिड़ापन : बच्चों का चिड़चिड़ा होना सामान्य हो सकता है, लेकिन अगर बच्चा हमेशा चिड़चिड़ा रहता है और छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करता है, तो यह कैल्शियम की कमी का एक संकेत हो सकता है।

इस प्रकार कमी दूर करे

कैल्शियम युक्त आहार : बच्चों की डाइट में कैल्शियम से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। दूध, पनीर, दही और छाछ जैसे खाद्य पदार्थ बच्चों के शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा कर सकते हैं।

ड्राई फ्रूट्स का सेवन : बच्चों को रोजाना 4 बादाम और 1 अंजीर खिलाएं। इन दोनों में कैल्शियम और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। हमेशा बादाम और अंजीर को पानी में भिगोकर दें।

विटामिन डी की प्राप्ति : विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। बच्चों को सूरज की रोशनी में बैठने के लिए प्रेरित करें। रोजाना कम से कम आधे घंटे के लिए उन्हें धूप में खेलने का समय दें।

नियमित स्वास्थ्य जांच : कैल्शियम की कमी का पता लगाने के लिए बच्चों की नियमित मेडिकल जांच कराना बहुत जरूरी है। डॉक्टर से सलाह लेकर हर 3 महीने में बच्चे की जांच करवाएं।

बच्चों को सुंदर लेखन के लिए प्रेरित करें

लिखना भी एक कला है, लेकिन बच्चों को लिखना सिखाना तो यह और भी बड़ी कला है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। बहुत से माता-पिता को यह समस्या होती है कि बच्चों को लिखना कैसे सिखाया जाए? जिस प्रकार बच्चों को पढ़ाने के लिए लगातार अभ्यास कराना पड़ता है, उसी प्रकार लिखने का भी निरन्तर प्रयास कराना आवश्यक है। पढ़ने की तुलना में लिखना ज्यादा कठिन है। ऐसा देखा गया है कि जो जल्दी पढ़ना सीख जाते हैं वे लिखना देर से सीखते हैं। कुछ बच्चों को पढ़ना-लिखना साथ-साथ सिखाया जाता है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है।

यदि बच्चे ने मेहनत करके लिखा है तो बड़ों को चाहिए कि वह उसे देखें तथा उन्हें पढ़ कर सुनाने के लिए कहें। समान्यत : बच्चे वही लिखते हैं, जो सरल पाते हैं। बच्चे लिखने-पढ़ने में जल्दबाज़ी नहीं करते। कुछ बच्चे लिखना पढ़ना एक साथ सीख जाते हैं।

प्रारम्भ में बच्चों को लिखने की शिक्षा माता-पिता तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों द्वारा घर पर ही दी जाती है। बाद में जब बच्चा स्कूल जाने लगता है तो यह ज़िम्मेदारी शिक्षकों पर आ जाती है, लेकिन स्कूल जाना प्रारम्भ करने के बाद भी माता-पिता की ज़िम्मेदारी बनी ही रहती है कि बच्चा स्पष्ट व सुंदर लिखे।

शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को सर्वप्रथम छपे हुए अलग-अलग वर्णमाला पढ़ना सिखाना चाहिए, जिससे अक्षरों को पढ़ने व पहचानने की क्षमता जागृत हो। आमतौर पर वे बेहद एकाग्र होकर कसकर पैंसिल पकड़ कर लिखते हैं, जिससे उनकी आंखों पर जोर पड़ने की सम्भावना होती है। परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसे चश्मा पहनना पड़ता है। माता-पिता को बच्चों की इस आदत पर नियंत्रण प्रारम्भ से ही रखना चाहिए।

आज की पीढ़ी में देखा गया है कि बच्चे काफी कम उम्र में लिखने-पढ़ने के प्रति रुचि दिखाने लगते हैं। विशेषकर दूरदर्शन, रेडियो आदि के प्रभाव से जल्द समझदार हो जाते हैं। उनमें बड़ों को देख कर लिखने की इच्छा जागती है। वे अपना, अपने मित्रों तथा माता-पिता का नाम लिखने का प्रयास करते हैं। माता-पिता या बड़ों को चाहिए कि वे ऐसे मौके का पूरा फायदा उठाएं, बच्चों में सही व सुन्दर लिखने को प्रोत्साहित करें। सीखने की रुचि बच्चों में स्वयं ही होती है। अत : वह बड़ों के कहने को बहुत ही गम्भीरता से लेते हैं, जिससे उनके लिखने की योग्यता विकसित होती है।

बच्चे को जो लिखवाया जा रहा है, उसे जोर-जोर से बोलना चाहिए ताकि वह शब्द बच्चा अच्छी तरह से सुने। बच्चे जैसा सुनेंगे वैसा लिखेंगे। अगर बच्चा अशुद्ध और अस्पष्ट लिख रहा है तो उसे डांटने फटकारने के बजाय प्यार से बताना चाहिए। यदि उसे डांटा-फटकारा गया तो उसमें हीन भावना आ जाएगी और वह यही समझेगा कि मैं सुन्दर और शुद्ध लिख ही नहीं सकता। बच्चे को ऐसा लगना चाहिए कि मैं जो कुछ लिख रहा हूं, उस पर माता-पिता खुश हो रहे हैं। यह बहुत आवश्यक है, इससे बच्चे का उत्साह बढ़ता है। बच्चे किसी एक काम से बहुत जल्दी ऊब जाते हैं, इसलिए लिखने का काम भी उनसे जबरदस्ती नहीं करवाना चाहिए। बच्चे से ऐसी चीजें लिखवाएं जिससे उसमें रुचि पैदा हो।

नाखून चबाने की आदत सेहत के लिए होती है नुकसानदेह

बच्चों को कई बार नाखून चबाने की आदत पड़ जाती है जो उनके स्वास्थ के लिए भी नुकसानदेह होती है। बचपन में इसपर अभिभावक ध्यान नहीं देते पर ये स्वास्थ्य अलावा कई प्रकार के नुकसान का कारण बन सकती है। बच्चों के लिए यह आदत न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी हानिकारक हो सकती है। इससे होने वाले नुकसान इस प्रकार हैं।

दांतों और मसूड़े होते हैं खराब

नाखून चबाने से बच्चों के दांतों और मसूड़ों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इस आदत से दांतों की संरचना बिगड़ सकती है, जिससे दांतों में असंतुलन, दांतों का टेढ़ा होना या मसूड़ों में सूजन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इससे बच्चों को दांतों की समस्याएँ बढ़ सकती हैं।

संक्रमण का खतरा

नाखून चबाने से बच्चों के हाथों से बैक्टीरिया मुंह में जा सकते हैं। यदि बच्चे अपनी उंगलियों को मुंह में डालते हैं और नाखून चबाते हैं, तो यह बैक्टीरिया उनके शरीर में प्रवेश कर सकते हैं और विभिन्न प्रकार के संक्रमण का कारण बन सकते हैं। इससे गले में इंफेक्शन, मौखिक रोग, या पेट में समस्याएँ हो सकती हैं। खासकर अगर बच्चा गंदे हाथों से नाखून चबाता है तो यह और भी खतरनाक हो सकता है।

पाचन तंत्र पर प्रभाव

नाखून चबाने से कुछ बच्चे नाखूनों को निगलने की भी आदत डाल सकते हैं। यदि यह नाखून अंदर पेट में चले जाते हैं, तो यह पाचन तंत्र में अड़चन पैदा कर सकते हैं। इससे पेट की समस्याएँ, जैसे गैस, कब्ज, या आंतों की समस्याएँ हो सकती हैं।

मानसिक तनाव और चिंता

नाखून चबाना कभी-कभी मानसिक तनाव या चिंता का संकेत भी हो सकता है। कई बार बच्चे तब नाखून चबाते हैं जब वे किसी समस्या या चिंता से जूझ रहे होते हैं। यदि यह आदत लगातार बनी रहती है, तो यह मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का संकेत हो सकता है। ऐसे में बच्चे को मानसिक शांति और समर्थन की आवश्यकता होती है, ताकि वह इस आदत से छुटकारा पा सके।

कैसे छुड़ाएं आदत

1 बच्चों को नाखून चबाने से रोकने के लिए सबसे पहले माता-पिता को सकारात्मक वातावरण और प्यार देना चाहिए। बच्चों को समझाना और शांतिपूर्वक बताना कि यह आदत कितनी हानिकारक हो सकती है, उनके लिए सहायक हो सकता है।

2 यदि बच्चे की नाखून चबाने की आदत मानसिक तनाव या चिंता के कारण हो रही है, तो एक अच्छे मनोचिकित्सक से सलाह लेना चाहिए। बच्चे को मानसिक शांति देने के लिए ध्यान, योग, और अन्य तरीके अपनाए जा सकते हैं।

3 बच्चों को हमेशा साफ हाथों से भोजन करना और मुंह की सफाई पर ध्यान देने की सलाह दें। साथ ही, बच्चों के नाखूनों की सफाई और नियमित काटने का ध्यान रखें।

4 बच्चों को अन्य गतिविधियों में व्यस्त रखना भी उनकी नाखून चबाने की आदत को कम कर सकता है। जैसे कि खेलकूद, चित्रकला, संगीत आदि।

युद्ध के असर से कमोडिटी बाजारों में भारी गिरावट, ऊर्जा संकट ने बढ़ाई चिंता

– एफपीआई बिकवाली और महंगाई के खतरे से निवेशकों में सतर्कता

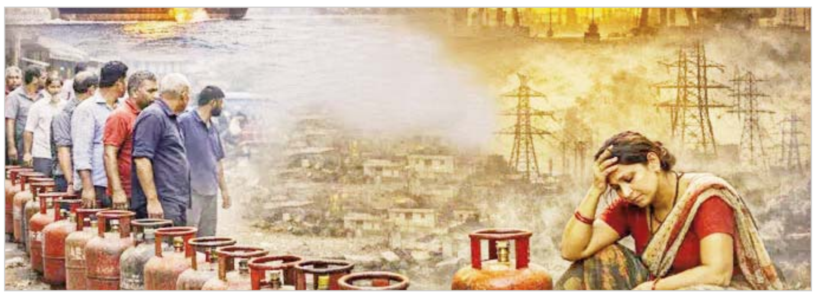

नई दिल्ली ।

वैश्विक तनाव और ऊर्जा संकट के चलते वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल तेज हो गई है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में तेजी से भारत जैसे आयातक देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका गहरा गई है। युद्ध के चलते वैश्विक कमोडिटी बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा है। मार्च महीने में प्रमुख सूचकांक में दो अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जिसकी बड़ी वजह विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली रही। कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली तिमाही बाजार के लिए कई वर्षों में सबसे कमजोर साबित हुई है। ऊर्जा कीमतों में उछाल से कंपनियों की लागत बढ़ने की आशंका है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है। विशेष रूप से उन सेक्टरों पर असर अधिक दिख सकता है, जो कच्चे माल और ईंधन पर ज्यादा निर्भर हैं। इसके अलावा, होर्मुज स्ट्रेट में बाधा के कारण उर्वरकों की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे आने वाले बुवाई सीजन और खाद्यान्न उत्पादन पर असर पड़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने का खतरा भी पैदा हो गया है। हालांकि, इस नकारात्मक माहौल के बावजूद ब्रोकरेज हाउस और विश्लेषक पूरी तरह निराश नहीं हैं। उनका मानना है कि मौजूदा संकट अस्थायी है और हालात सामान्य होने पर बाजार में सुधार संभव है। अगले एक साल के लिए बाजार के अनुमानित लक्ष्य में बहुत मामूली कटौती की गई है, जो निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, मौजूदा गिरावट के बीच चुनिंदा सेक्टरों और मजबूत कंपनियों में निवेश के अवसर भी उभर सकते हैं,

खासकर वे जो कमोडिटी कीमतों में बढ़ोतरी से लाभान्वित हो सकती हैं।

भारतीय शेयर बाजार में तीन दिन रहा बड़ा उतार-चढ़ाव

- पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष की वजह से निवेशकों का मनोबल कमजोर रहा

मुंबई ।

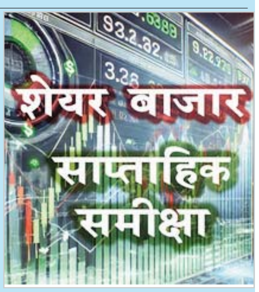

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। महावीर जयंती 31 मार्च और गुड फ्राइडे 3 अप्रैल के अवसर पर बाजार बंद रहने के कारण केवल तीन दिन ही कारोबार हुआ। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष की वजह से निवेशकों का मनोबल कमजोर रहा, जबकि सप्ताह के मध्य में सुधार की उम्मीदों ने बाजार को हरा निशान दिखाने में मदद की। विदेशी निवेशकों की निकासी और घरेलू शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत ने सप्ताह की शुरुआत में गिरावट का माहौल बनाया, लेकिन ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी और वैश्विक बाजारों में तेजी से बाजार ने रिकवरी दिखाई। सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में ही बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

बीएसई सेंसेक्स 1,191.24 अंक गिरकर 72,391.98 पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 349.45 अंक गिरकर 22,470.15 के स्तर पर था। दिन के अंत में गिरावट और तेज़ हुई और सेंसेक्स 1,635.67 अंक गिरकर 71,947

.55 पर, निफ्टी 488.20 अंक गिरकर 22,331.40 पर बंद हुआ। विदेशी निधियों की निकासी ने इस कमजोरी को और बढ़ाया। बुधवार को बाजार ने मजबूत शुरुआत की। वैश्विक बाजारों में तेजी और अमेरिका-ईरान संघर्ष के जल्द समाधान की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। सेंसेक्स ने शुरुआती कारोबार में 1,899.53 अंक की तेजी दिखाई और 73,847.08 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 572.55 अंक बढ़कर 22,903.95 पर रहा। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,186.77 अंक बढ़कर 73,134.32 पर, और निफ्टी 348.00 अंक बढ़कर 22,679.40 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती बिकवाली के बाद दिन के सत्र में बाजार ने रिकवरी दिखाई। सेंसेक्स अपने निचले स्तर से लगभग 950 अंकों की रिकवरी कर पाया और निफ्टी 22,450 का स्तर पार करने में सफल रहा। दोपहर 1 बजकर 43 मिनट पर सेंसेक्स 72,661.06 पर और निफ्टी 22,533.30 पर कारोबार कर रहे थे, जिससे स्पष्ट हुआ कि निवेशक निचले स्तर पर ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी कर रहे हैं। इस दौरान रुपया भी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ।

पीएनबी अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर तबादलों पर पुनर्विचार की मांग की

– अधिकारियों के स्थानांतरण से बैंक के प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव का खतरा

नई दिल्ली ।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के वरिष्ठ अधिकारियों के संगठन ने बैंक प्रबंधन से बड़े पैमाने पर किए गए तबादलों पर पुनर्विचार की मांग की है। संगठन का कहना है कि ऐसे अचानक और व्यापक स्थानांतरण बैंक के संचालन और प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन ने प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अशोक चंद्रा को पत्र लिखकर बताया कि 1,142 स्केल-4 अधिकारियों के तबादले किए गए हैं, जो कुल इस स्तर के अधिकारियों का लगभग 25 प्रतिशत हैं। संघ ने आरोप लगाया कि यह कदम नीति का पालन किए बिना मनमाने ढंग से उठाया गया और इसमें महिलाओं को भी राहत नहीं दी गई। संगठन ने प्रबंधन से आग्रह किया है कि वह संतुलित और मानवीय नीति अपनाए, ताकि बैंक की तरक्की और कर्मचारियों का मनोबल बना रहे। पीएनबी में लगभग एक लाख कर्मचारी हैं, जिनमें स्केल-4 स्तर के करीब 4,000 अधिकारी शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर तबादले बैंक के संचालन और ग्राहक सेवा पर असर डाल सकते हैं।

बीते डेढ़ महीने में सोना 41 हजार और चांदी 1.5 लाख रुपए टूटी

– डॉलर की मजबूती और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के कारण हो रही गिरावट

मुंबई ।

भारत में बीते डेढ़ महीने में सोने और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इंडियन बुलियन ज्वैलर्स लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार 29 जनवरी 2026 को 24 कैरेट सोना 1,75,340 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो 2 अप्रैल 2026 को घटकर 1,34,293 रुपए हो गया। इसी अवधि में चांदी की कीमत भी 3,79,888 से घटकर 2,27,813 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। इस तरह केवल डेढ़ महीने में सोने में 41,047 और चांदी में 1,52,075 रुपए की गिरावट दर्ज की गई। पिछले एक महीने की बात करें तो 2 मार्च 2026 को सोना 1,67,471 और चांदी 2,89,848 रुपए पर थी। तब से अब तक सोने में 33,178 रुपए और चांदी में 62,035 रुपए की कमी आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट मुख्य रूप से डॉलर की मजबूती और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के कारण हो रही है।

युद्ध जैसी वैश्विक घटनाओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश के लिए डॉलर की ओर आकर्षित किया है, जिससे कीमती धातुओं की मांग घट रही है। विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि सोने और चांदी में निवेश जोखिम से मुक्त नहीं है और कीमतों की अस्थिरता अभी भी जारी रह सकती है।

इसलिए निवेशकों को बाजार की स्थिति और अंतरराष्ट्रीय रुझानों पर ध्यान देते हुए निवेश करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि में सोना और चांदी फिर से सुरक्षित निवेश विकल्प बन सकते हैं, लेकिन वर्तमान दौर में तेजी से उतार-चढ़ाव के कारण सतर्कता जरूरी है।

नए हफ्ते आईपीओ बाजार रहेगा सुस्त, केवल 2 नए इश्यू खुलेंगे

मुंबई ।

6 अप्रैल से शुरू हो रहे सप्ताह में प्राइमरी मार्केट में ज्यादा गतिविधि नहीं रहने की संभावना है। इस दौरान केवल दो नए आईपीओ निवेशकों के लिए खुले रहेंगे, जबकि एक पहले से खुला आईपीओ भी जारी रहेगा। वहीं ``` वि विध इलेक्ट्रोमेक के शेयर बाजार में डेब्यू करेंगे। सेफ्टी कंट्रोल एंड` डिवाइस का 48 करोड़ रुपए का आईपीओ 6 अप्रैल से खुलकर 8 अप्रैल को बंद होगा। प्राइस बैंड 75-80 रुपए प्रति शेयर और लॉट साइज 1,600 शेयर है।

यह एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होगा और संभावित लिस्टिंग 13 अप्रैल को बीएसई एसएमई पर होगी। प्रोस्फेयर सेलेस्टा का आईपीओ 10 अप्रैल से 16 अप्रैल तक निवेशकों के लिए खुलेगा। कंपनी 244.65 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रख रही है। प्राइस बैंड 10 लाख से 10.5 लाख रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। संभावित लिस्टिंग 24 अप्रैल को बीएसई पर हो सकती है।

27 मार्च को खुला इमाइक टेक्नोलॉजी का आईपीओ 8 अप्रैल तक खुलेगा। इसे अब तक करीब 35 फीसदी सब्सक्रिप्शन मिला है।

वहीं` विविध इलेक्ट्रोमेक के 130.54 करोड़ के शेयर 7 अप्रैल को एनएसई एसएमई पर लिस्ट होंगे, जो पूरी तरह सब्सक्राइब हो चुके हैं।

वेदांता का मार्च तिमाही में एल्युमिनियम, जिंक का उत्पादन बढ़ा, लौह अयस्क का घटा

– वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में कंपनी का उत्पादन क्षेत्रवार मिला-जुला रहा

नई दिल्ली।

खनन और ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही का परिचालन परिणाम जारी कर` दिया है। रिपोर्ट में एल्युमिनियम और जस्ता उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई, जबकि तेल, लौह अयस्क और इस्पात उत्पादन में गिरावट देखने को मिली। कंपनी के अनुसार मार्च तिमाही में कुल एल्युमिनियम उत्पादन में 2 फीसदी वृद्धि हुई। इसके साथ ही जिंक इंडिया के खनन धातु उत्पादन में भी 2 फीसदी का इजाफा हुआ। यह संकेत है कि धातु खंडों में मांग और परिचालन क्षमता अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है। हालांकि, तेल एवं गैस खंड में कंपनी का औसत दैनिक सकल उत्पादन 15 फीसदी घटकर 81,500 बैरल प्रति दिन रह गया। वहीं बिक्री-योग्य लौह अयस्क उत्पादन में 3 फीसदी और इस्पात उत्पादन में 1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने बयान में कहा कि वह कुशलता बढ़ाने, परिचालन पैमाने का विस्तार करने और दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। वेदांता का व्यवसाय वैश्विक प्राकृतिक संसाधन और प्रौद्योगिकी समूह के तहत खनिज, ऊर्जा संक्रमण धातुएं, तेल एवं गैस और बिजली जैसे प्रमुख क्षेत्रों में फैला हुआ है।

विश्लेषकों का मानना है कि यह मिला-जुला प्रदर्शन वैश्विक कच्चे माल की कीमतों, मांग में उतार-चढ़ाव और ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों को दर्शाता है। एल्युमिनियम और जस्ता में वृद्धि कंपनी की कुछ मजबूत धातु लाइन को उजागर करती है

, जबकि तेल, लौह अयस्क और इस्पात में गिरावट उद्योग में अस्थिरता और बाहरी दबाव का संकेत देती है।

विदेशी मुद्रा भंडार 10.29 अरब डॉलर घटा, 688 अरब डॉलर पर आया

मुंबई।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार चौथे सप्ताह घटकर 688 अरब डॉलर पर आ गया है। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार 27 मार्च को समाप्त सप्ताह में भंडार में 10.29 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई। इससे पहले यह 728.49 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। विशेषज्ञों का मानना है कि रुपये में कमजोरी को थामने के लिए बाजार में डॉलर की बिक्री की गई, जिसके चलते भंडार में गिरावट आई। साथ ही गोल्ड रिजर्व में भी कमी दर्ज की गई है। हालांकि अर्थशास्त्रियों के मुताबिक मौजूदा भंडार आयात कवर के लिहाज से अब भी संतोषजनक स्थिति में है।

प्याज का निर्यात 90 फीसदी घटा

-2200 रुपए क्विटल की प्याज, 800 रुपए किंटल पर आई

-बाजार में मांग कम, किसान परेशान

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख प्याज मंडियों में इस समय हालात चिंताजनक बने हुए हैं। निर्यात में करीब 90 फीसदी गिरावट आने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पिछले साल जिस प्याज का भाव 2200 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गया था, वही अब घटकर करीब 800 रुपए प्रति क्विंटल पर बिक रही है। मांग में कमी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में सुस्ती का सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ा है।व्यापारियों का कहना है कि विदेशों में ऑर्डर कम मिलने और परिवहन लागत बढ़ने से निर्यात प्रभावित हुआ है। वहीं स्थानीय बाजारों में भी खपत घटने से कीमतों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। इसका सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है, जिन्हें लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है। कई किसान सरकार से राहत पैकेज और निर्यात प्रोत्साहन की मांग कर रहे हैं, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से उबारा जा सके।

ट्रंप के टैरिफ का भारत पर संभा वित असर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं तथा उनके एक्टिव इंग्रेडिएंट्स पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इसका भारत पर संभावित असर रहेगा, क्योंकि देश की फार्मा कंपनियों का अमेरिका में बड़ा निर्यात बाजार है। फिलहाल जेनेरिक, बायोसिमिलर और आवश्यक दवाएं टैरिफ से बाहर हैं, जिससे कई कंपनियों की निर्यात गतिविधियां सुरक्षित हैं। हालांकि, पेटेंटेड दवाओं और एपीआई पर बढ़ते टैरिफ से भारतीय कंपनियों की लागत बढ़ सकती है और उनका प्रतिस्पर्धात्मक लाभ घट सकता है। टैरिफ से अमेरिका में उत्पादन और रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा। लंबे समय में इससे भारत में निवेश, उत्पादन और वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव पड़ सकता है, जबकि अमेरिकी बाजार में भारतीय फार्मा कंपनियों की हिस्सेदारी सीमित होने की संभावना है।

इनॉक्सएपी ने होसुर में नया शुद्ध तरल ऑक्सीजन प्लांट शुरू किया

नई दिल्ली ।

औद्योगिक, इलेक्ट्रॉनिक और मेडिकल गैस निर्माता इनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (इनॉक्सएपी) ने तमिलनाडु के होसुर में नया अति शुद्ध (यूपीएच) तरल ऑक्सीजन प्लांट सफलतापूर्वक चालू किया है। कंपनी का कहना है कि यह कदम देश के उन्नत विनिर्माण इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। कंपनी ने बताया कि नया प्लांट विशेष रूप से सेमीकंडक्टर और सोलर सेल निर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों को समर्थन देगा। इससे उच्च गुणवत्ता वाली तरल ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ेगी और घरेलू विनिर्माण क्षमता मजबूत होगी। इनॉक्सएपी का यह कदम तकनीकी नवाचार और उन्नत विनिर्माण इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे देश में औद्योगिक और मेडिकल गैस के क्षेत्र में मजबूती आएगी।

देसी शराब पीने से तीन लोगों की मौत, उपचार के दौरान तोड़ा दम, जांच के लिए चार टीम गठित

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के दौराला थाना क्षेत्र में देसी शराब पीने के बाद एक किराना कारोबारी समेत तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, सरस्वती कॉलोनी निवासी बाबूराम (60), उनकी दुकान में काम करने वाले जितेंद्र (35) और अंकित उर्फ दौलत (40) ने शुक्रवार शाम कस्बे में देसी शराब के एक सरकारी ठेके से शराब खरीदी और वहीं उसका सेवन किया। उसने बताया कि शराब पीने के कुछ ही देर बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें उल्टी व पेट दर्द की शिकायत होने लगी। पुलिस ने बताया कि तीनों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने जितेंद्र और अंकित को मृत घोषित कर दिया, जबकि बाबूराम ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही मेरठ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) भानु भास्कर, जिलाधिकारी डॉ. वी.के. सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय और जिला आबकारी अधिकारी प्रदीप कुमार मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शराब के जहरीले या उपयोग की अवधि समाप्त होने की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि संबंधित पाउच की पैकेजिंग तिथि 11 फरवरी 2026 पाई गई है और उसी खेप के अन्य पैक भी बेचे गए हैं, जिनसे किसी अन्य स्थान से ऐसी शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि मौत के कारणों का पता लगाने के लिए विसरा सुरक्षित रखा जा रहा है। मामले की जांच के लिए स्वास्थ्य, फॉरेंसिक, सर्विलांस और गोपनीय शाखा की चार टीम गठित की गई हैं। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

आकाशीय बिजली गिरने से दंपती की मौत

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी के वाराणसी जिले के सिंधोरा थाना क्षेत्र में भदेवली गांव में आकाशीय बिजली गिरने से पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पड़ोसी रामचंद्र ने बताया कि मृतक रमेश चंद्र भारती (58) जूनियर हाईस्कूल सिंधोरा में अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। वह अपनी पत्नी चमेला देवी (56) के साथ खेत में गेहूं की फसल का बोझ बांधने गए थे। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया और तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए दोनों पास स्थित नटवा बीर बाबा मंदिर के पास एक पकड़ी के पेड़ के नीचे खड़े हो गए। तभी अचानक आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में आकर दोनों गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उन्हें पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय अस्पताल रेफर कर दिया, जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

केदारनाथ में बर्फबारी के बाद पूरा इलाका सफेद, भारी हिमपात के कारण अटल सुरंग बंद

नई दिल्ली(एजेंसी)। गर्मी के मौसम में देश के उत्तरी और पश्चिमी राज्यों में बारिश, ओले और बर्फबारी का दौर जारी है। केदारनाथ में शनिवार को बर्फबारी के बाद पूरा इलाका सफेद हो गया है। रोहतांग दर्रे के पास भारी हिमपात के कारण अटल सुरंग बंद की गई। उत्तर प्रदेश की कोसीकला अनाज मंडी में 10 हजार बोरियों में रखा 5 हजार क्विंटल गेहूं बारिश में भीग गया। इससे पहले राज्य में अलग-अलग जगह बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो चुकी है। इधर, लाहौल स्पीति के ऊंचे पहाड़ों पर बर्फबारी जारी है। हिमाचल की राजधानी शिमला में भी शनिवार को तेज तूफान के साथ हल्की बारिश हुई। राजस्थान में शुक्रवार को रेगिस्तानी जिले जैसलमेर-बीकानेर में जमकर ओले गिरे। अजमेर-ब्यावर में आंधी से पेड़ गिर गए और टीनशेड उड़ गए। अगले तीन दिन ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। 5-6 अप्रैल को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में ओलावृष्टि की आशंका है। तमिलनाडु में बिजली गिर सकती है।

सोरेन को विधायक सरयू राय का सुझाव... .झारखंड में बिना बीजेपी और कांग्रेस के सरकार बनाए

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजनीति में एक नया मोड़ देखने को मिल सकता है। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बिना बीजेपी और कांग्रेस के सरकार बनाने का सुझाव दिया है। उनके बयान से राज्य में नए राजनीतिक समीकरण बनने की चर्चा तेज हो गई है। दरअसल विधायक राय ने कहा है कि झारखंड में ऐसी सरकार बन सकती है, जिसमें न बीजेपी की जरूरत होगी और न ही कांग्रेस पार्टी की जरुरत हो। उन्होंने मुख्यमंत्री सोरेन से कहा कि अगर वे हिम्मत दिखाएं, तब वे खुद बाहर से बिना किसी शर्त के समर्थन देने को तैयार हैं। विधायक राय ने विधानसभा का गणित भी समझाया। उन्होंने बताया कि झारखंड विधानसभा में बहुमत के लिए 41 विधायकों की जरूरत होती है। जेएमएम के पास 34 विधायक हैं। आरजेडी के 4 विधायक। भाकपा माले के 2 विधायक और जयराम महतो का 1 वोट है। इन सभी को मिलाकर कुल संख्या 41 हो जाती है, इससे झारखंड में सरकार आसानी से बनाई जा सकती है। राय का कहना है कि इस स्थिति में कांग्रेस या बीजेपी के समर्थन की कोई जरूरत नहीं। उन्होंने कांग्रेस और जेएमएम के बीच बढ़ते तनाव को भी इस स्थिति की वजह बताया। उनके अनुसार, बिहार और असम चुनाव में कांग्रेस ने जेएमएम को सही हिस्सेदारी नहीं दी, जिससे दोनों पार्टियों के रिश्तों में खटास आई है। सरयू राय ने कहा कि चुनाव के समय पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ बोलती हैं और बाद में साथ आ जाती हैं, जिससे जनता के बीच उनकी विश्वसनीयता कम होती है। उन्होंने संकेत दिया कि असम चुनाव के नतीजों के बाद झारखंड की राजनीति में बड़े बदलाव हो सकते हैं और नए राजनीतिक विकल्प सामने आ सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने एक झटके में निपटा दिए 61 मुकदमे, 32 साल बाद दंपती को मिला तलाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने न्याय की एक मिसाल पेश करते हुए तीन दशकों से चल रहे एक लंबे कानूनी संघर्ष का अंत कर दिया है। अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली अपनी विशेष शक्तियों का उपयोग करते हुए एक बुजुर्ग दंपती के बीच चल रहे मामले के साथ कुल 61 मुकदमों को एक झटके में रद्द कर दिया और उन्हें तलाक की मंजूरी दे दी। साल 1994 से चले आ रहे इस विवाद में पति और पत्नी के बीच देश की विभिन्न अदालतों में घरेलू हिंसा, संपत्ति विवाद और मानहानि जैसे दर्जनों मामले लंबित थे। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुयान की पीठ ने यह महत्वपूर्ण आदेश देते हुए स्पष्ट किया कि जब किसी वैवाहिक रिश्ते में सुधार की कोई गुंजाइश न बचे और वह पूरी तरह टूट चुका हो, तो उसे खींचने के बजाय स्थायी रूप से समाप्त करना ही न्यायसंगत है।

यह मामला मूल रूप से अवमानना याचिका के रूप में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था, लेकिन सुनवाई के दौरान पीठ ने पाया कि दोनों पक्ष पिछले 30 वर्षों से केवल कानूनी दांव-पेंच में उलझे हुए हैं। कोर्ट ने पहले दोनों पक्षों की काउंसलिंग करवाई और उन्हें आपसी सहमति से अलग होने के लिए प्रेरित किया। लंबी बातचीत के बाद, पति अपनी पत्नी को स्थायी भरण-पोषण (एलिमनी) के रूप में एक करोड़ रुपये की एकमुश्त राशि देने पर सहमत हुआ। इसके अतिरिक्त, लोनावला स्थित एक संपत्ति में पत्नी के हिस्से के बदले 90 लाख रुपये अलग से जमा करने का निर्देश दिया गया। कोर्ट ने संपत्ति के बंटवारे और वित्तीय लेनदेन को लिखित रूप में दर्ज करने के बाद ही इस समझौते पर अपनी मुहर लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने इस ऐतिहासिक फैसले के जरिए ट्रायल कोर्ट, हाई कोर्ट और स्वयं सुप्रीम कोर्ट में लंबित सभी 61 दीवानी और आपराधिक मामलों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया। अदालत ने यह भी साफ कर दिया कि भविष्य में किसी भी पक्ष द्वारा उन्हीं पुराने मुद्दों पर कोई नया केस दर्ज नहीं किया जा सकेगा। पीठ ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 142 का उपयोग पूर्ण न्याय करने के लिए किया गया है ताकि पक्षकारों को कानूनी बाधाओं से मुक्त किया जा सके। दोनों पक्षों ने अदालत के समक्ष सहमति दी कि वे अब कोई कानूनी लड़ाई नहीं लड़ना चाहते हैं और भविष्य में शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। यह फैसला अदालतों में लंबित वर्षों पुराने मुकदमों के निपटारे के लिए एक प्रभावी मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगा।

ममता के हेलिकॉप्टर के पास दिखा रहस्यमय ड्रोन... पुलिस और सुरक्षा एजेंसी जांच में जुटी

-उम्मीद करता हूं कि विपक्ष भी महिलाओं से जुड़े इस बिल का समर्थन करेगा

मालदा (एजेंसी)।, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हेलिकॉप्टर के पास रहस्यमय ड्रोन दिखने से मालतीपुर इलाके में हड़कंप मच गया। इस अजीबोगरीब घटना ने ममता की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना तब हुई जब ममता अपनी जनसभा को संबोधित करने के बाद हेलिकॉप्टर में सवार होने जा रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही सीएम ममता हेलिपैड पर हेलिकॉप्टर के पास पहुंचीं, एक ड्रोन उसके सामने मंडराता दिखाई दिया। यह देखकर ममता बनर्जी कुछ पल के लिए रुक गईं और माइक संभालते हुए पुलिस को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, पुलिस को इस पर नजर रखनी चाहिए। इसके पीछे जो लोग हैं, उनकी पहचान की जानी चाहिए। फिलहाल ड्रोन का स्रोत और उद्देश्य स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने भी यह पुष्टि नहीं की है कि प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में यह ड्रोन कैसे पहुंचा। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच में जुट गई हैं। गौरतलब है कि हाल के दिनों में मुख्यमंत्री की हवाई यात्रा के दौरान कई बाधाएं सामने आई हैं। 26 मार्च को खराब मौसम के कारण उनका विमान समय पर कोलकाता हवाई अड्डा पर नहीं उतर पाया था और करीब 70 मिनट तक शहर के ऊपर चक्कर लगाता रहा। इस दौरान बेहाला फ्लाइंग क्लब में भी लैंडिंग की कोशिशें असफल रहीं, जिसके बाद अंततः विमान दमदम हवाई अड्डे पर उतरा। इस घटना के बाद ममता बनर्जी ने पायलटों की सराहना की थी।

ईरान से भारतीयों को निकालने में मदद के लिए भारत ने आर्मेनिया का माना आभार

-तनावपूर्ण माहौल में सैकड़ों भारतीय सीमा पार कर जमीनी रास्ते से आर्मेनिया पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने शनिवार को ईरान से अपने नागरिकों को निकालने में मदद करने के लिए आर्मेनिया का आभार माना। आर्मेनिया के रास्ते कई भारतीय मछुआरों की ईरान से सुरक्षित वापसी हुई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि आज ईरान से आर्मेनिया के रास्ते भारत में भारतीय मछुआरों को निकालने में मदद करने के लिए विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान और आर्मेनियाई सरकार को धन्यवाद।

पश्चिम एशिया के तनावपूर्ण हालात के बीच, हाल के दिनों में सैकड़ों भारतीय सीमा पार कर जमीनी रास्ते से आर्मेनिया पहुंचे। भारत अपने नागरिकों के लिए सुरक्षित ट्रांजिट रूट सुनिश्चित करने के लिए इलाके की सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इस हफ्ते की शुरुआत में, भारत ने मदद के लिए अजरबैजान को भी धन्यवाद दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि करीब 204 भारतीय नागरिक जमीनी सीमा चौकियों के रास्ते ईरान से अजरबैजान पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि जहां कई भारत लौट चुके हैं, वहीं आगामी दिनों में और लोगों के आने की उम्मीद है।

उन्होंने आगे कहा कि हम अजरबैजान सरकार के आभारी हैं कि उन्होंने जमीनी रास्ते ईरान से भारतीय नागरिकों के निकलने में मदद की। हमारे दोनों पक्षों के बीच परामर्श और नियमित आदान-प्रदान होता रहता है। भारत ने पहले भी लोगों को निकालने की कोशिशों में आर्मेनिया की मदद की सराहना की थी। 16 मार्च को जयशंकर ने मुश्किल हालात में मिल रहे सहयोग की प्रशंसा की थी, ईरान से 550 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में मदद करने के लिए आर्मेनियाई सरकार और वहां के लोगों को धन्यवाद दिया था।

राहुल गांधी का एलडीएफ पर जुबानी हमला... 4 मई के बाद एलडीएफ में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा

केरल सरकार, भाजपा और आरएसएस से गुप्त समझौता कर चुकी

अलाप्पुझा (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) पर अपनी मूल विचारधारा को त्यागने का आरोप लगाकर कहा कि आगामी चुनावों के बाद एलडीएफ में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा। अलाप्पुझा में जनसभा को संबोधित कर राहुल गांधी ने एलडीएफ की सिद्धांतों से समझौता करने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि एलडीएफ कई सालों से हमारे विरोधी रहे हैं, कांग्रेस ने उनसे लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ाई लड़ते रहने वाले है। लेकिन कई सालों तक वे कुछ इसतरह के विचारों के लिए खड़े रहे जिससे हम सहमत नहीं थे।

राहुल गांधी ने सवाल किया कि एलडीएफ का मतलब क्या है? वाम लोकतांत्रिक मोर्चा। सच कहूं, तब वाम मोर्चे में कुछ भी वामपंथी नहीं है, और चुनाव के बाद वाम मोर्चे में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा। राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और वामपंथी दल (एलडीएफ) के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि केरल की सांप्रदायिक सरकार को एक गुप्त शक्ति प्रभावित कर रही है, जो उनके अनुसार संविधान को नकार जनता पर हमला करती है।

उन्होंने कहा कि मंच पर बैठे नेता को जो बात परेशान कर रही है, वह यह है कि उनकी नीतियां अब वामपंथी नहीं रहीं। उन्हें और वाम मोर्चे के कई कार्यकर्ताओं को जो बात परेशान कर रही है, वह यह है कि आज एलडीएफ सरकार को एक गुप्त शक्ति के दम पर चल रही है। यह गुप्त शक्ति सांप्रदायिक है, भारत के संविधान को स्वीकार नहीं करती, भारत की जनता को बांटती है, उन पर हमला करती है, उन्हें अपमानित करती है, और केरल में हर कोई देख सकता है कि अब भाजपा, आरएसएस और वाम मोर्चे (सीपीएम) के बीच संबंध है।

राहुल गांधी ने वाम मोर्चे (एलडीएफ) को अवसरवादी नेताओं का समूह बताकर कहा कि वे सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं और भाजपा एवं आरएसएस से सहायता लेने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कुछ कार्यकर्ता, जो इन विचारों से सहमत नहीं हैं, खुद को धोखा दिया हुआ और आहत महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वाम मोर्चे के अधिकांश नेता अवसरवादी हैं। यह समझिए-कुछ अवसरवादी नेता सत्ता में आने के लिए कुछ भी कर सकते है। उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि भाजपा या आरएसएस उनकी मदद कर रहे हैं। उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं, कुछ नेता किसी विचारधारा में विश्वास रखते हैं।

दो-दो पश्चिमी विक्षोभ ने बदला मौसम का मिजाज, एक दर्जन राज्यों में बारिश, ओलावृष्टि का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के एक बड़े हिस्से में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है, जिससे उत्तर से लेकर पश्चिम और पूर्व तक के राज्यों में हलचल बढ़ गई है। मौसम विभाग द्वारा जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, 4-5 अप्रैल से देश के विभिन्न क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। इस बदलाव का मुख्य कारण इस सप्ताह सक्रिय होने वाले दो नए पश्चिमी विक्षोभ हैं। पहला विक्षोभ शनिवार को अपना असर दिखाना शुरू कर चुका है, जबकि दूसरा 7 अप्रैल से प्रभावी होगा। इसके चलते दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और बिहार सहित कम से कम 10 राज्यों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और ओलावृष्टि को लेकर चेतावनी जारी की गई है। विशेष रूप से किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपनी तैयार फसलों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दें ताकि ओलावृष्टि और बारिश से होने वाले नुकसान से बचा जा सके।

उत्तर भारत की बात करें तो दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में 4 अप्रैल को 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और ओले गिरने की आशंका है। इसके बाद 7 और 8 अप्रैल को दिल्ली-एनसीआर और पूर्वी राजस्थान में पुनः बारिश का दौर लौट सकता है। उत्तर प्रदेश में मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जहां पश्चिमी यूपी में भारी बारिश और ओलावृष्टि की संभावना अधिक है। पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भी 4 और 5 अप्रैल को तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि का अनुमान है, हालांकि वर्तमान में बर्फबारी की संभावना नहीं है। मध्य भारत के मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी अगले पांच दिनों तक आंधी और बारिश का सिलसिला बना रहेगा, जबकि महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों में ओलावृष्टि को लेकर सतर्क रहने को कहा गया है।

पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में भी मौसम का असर व्यापक रहेगा। बिहार और झारखंड में 4 से 7 अप्रैल के बीच गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की उम्मीद है, जबकि पश्चिम बंगाल में उमस बढ़ने के साथ 7 अप्रैल से बारिश की शुरुआत हो सकती है। पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड और मणिपुर में भी इस पूरे सप्ताह रुक-रुक कर बारिश होने का अनुमान है। दक्षिण भारत के राज्यों केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और पुदुच्चेरी में भी 7 अप्रैल तक बिजली गिरने और मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन दोनों पश्चिमी विक्षोभों के प्रभाव से तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी, लेकिन साथ ही आंधी-तूफान के कारण लोगों को आवाजाही और खुले स्थानों पर रहने के दौरान सावधानी बरतने की आवश्यकता है। यह मौसमी बदलाव अगले एक सप्ताह तक देश के अधिकांश हिस्सों में सक्रिय रहने वाला है।

तमिलनाडु में बीजेपी कर क्या रही, अन्नामलाई को टिकट नहीं मिलने पर चर्चा हुई तेज

प्रदेश अध्यक्ष बोले— हाईकमान का फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी की उम्मीदवार सूची में के अन्नामलाई का नाम नहीं होने से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेन्द्रन ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय पार्टी हाईकमान द्वारा लिया गया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नागेंद्रन ने कहा कि घोषित 27 उम्मीदवारों की सूची केंद्रीय नेतृत्व की सहमति से तैयार की गई है और पार्टी को विश्वास है कि सभी उम्मीदवार चुनाव में जीत हासिल करेंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उम्मीदवार चयन पूरी तरह रणनीतिक आधार पर किया गया है। अन्नामलाई को तमिलनाडु भाजपा का आक्रामक और लोकप्रिय चेहरा माना जाता है, ऐसे में उनका नाम सूची में न होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

चुनाव से दूर नहीं प्रचार करुंगा: अन्नामलाई

हालांकि, अन्नामलाई ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा, कि वे चुनावी प्रक्रिया से दूर नहीं हैं, बल्कि पार्टी के लिए सक्रिय रूप से प्रचार करेंगे। उन्हें तमिलनाडु के साथ-साथ पुडुचेरी और केरल में भी चुनाव प्रचार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बीच, भाजपा सांसद तेजस्वी सुर्या ने अन्नामलाई की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे पार्टी के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं और उनका प्रचार अभियान भाजपा के लिए फायदेमंद साबित होगा।

भाजपा के हिस्से में 27 सीटें

तमिलनाडु में इस बार भाजपा, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। सीट बंटवारे के तहत राज्य की कुल 234 सीटों में से एआईएडीएमके 178 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि भाजपा 27 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अन्नामलाई को टिकट न देने के बावजूद उन्हें प्रचार की कमान सौंपना भाजपा की व्यापक रणनीति का हिस्सा हो सकता है, जिससे पार्टी उनके जनाधार का अधिकतम लाभ उठाना चाहती है।

तिरंगा लगे जहाज ने होर्मुज जलडमरूमध्य किया पार, अब भी 17 भारतीय जहाज फंसे

समुद्री तापमान से ऊर्जा उत्पादन के साथ ही पेयजल संकट का होगा समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट संकट के बीच शुक्रवार को सातवां भारतीय ध्वज वाला एलपीजी टैंकर, ग्रीन सानवी, होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर गया। पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक छह एलपीजी ले जाने वाले जहाज होर्मुज स्ट्रेट पार करके भारतीय बंदरगाहों पर पहुंच चुके हैं। अब सातवां टैंकर भी होर्मुज क्रॉस करके भारत की ओर बढ़ रहा है। इस जहाज पर करीब 44,000 मीट्रिक टन से अधिक एलपीजी है। इसके आने से एलपीजी को लेकर चल रही किल्लत से राहत मिलेगी। होर्मुज के पश्चिम में अब भी 17 भारतीय जहाज फंसे हैं। इनमें दो एलपीजी से लदे जहाज ग्रीन आशा और जग विक्रम हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक एलपीजी से लदे ये दोनों जहाज ग्रीन आशा और जग विक्रम भी जल्द ही होर्मुज से निकलकर भारत की ओर रवाना हो सकते हैं। जानकारों ने बताया कि तीन एलपीजी ले जाने वाले भारतीय जहाज वर्तमान में फारस की खाड़ी स्थित अबू मूसा द्वीप के उत्तर-पूर्व में भटक रहे हैं। वे भारतीय नौसेना के निर्देशों का पालन करते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलने के आदेश की प्रतीक्षा में हैं।

इस बीच एक विदेशी जहाज, जो कथित तौर पर ईरान से भारत के लिए तेल ले जा रहा था, उसने अपनी यात्रा के दौरान ही अपना डेस्टिनेशन प्वाइंट अचानक बदल दिया। अब वह चीन की ओर बढ़ रहा है। वैश्विक विश्लेषण फर्म केप्लर के प्रमुख विश्लेषक ने कहा कि ईरानी कच्चे तेल के मामले में इस तरह की यात्रा के दौरान गंतव्य परिवर्तन कोई नई बात नहीं है। यह वित्तीय शर्तों और काउंटर पार्टी रिस्क के प्रति ट्रेड फ्लो की बढ़ती संवेदनशीलता को उजागर करता है। एक्सपर्ट ने कहा कि कच्चा तेल लेकर जा रहे शिप के अचानक चीन की ओर मुड़ने के बीच अहम वजह पेमेंट का माना जा रहा। इसमें पहले की 30-60 दिन की लोन अवधि से हटकर अग्रिम या निकट-अवधि के सेटलमेंट की ओर बढ़ रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर भुगतान संबंधी समस्याएं हल हो जाती हैं, तो माल अभी भी किसी भारतीय रिफाइनरी तक पहुंच सकता है। विश्लेषक ने आगे कहा कि यह इस बात को दर्शाता है कि चीन के अलावा अन्य देशों में ईरानी कच्चे तेल के प्रवाह को निर्धारित करने में वाणिज्यिक शर्तें रसद के समान ही अहम होती जा रही हैं। हालांकि, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि कच्चे तेल से लदे इस शिप का फाइनल डेस्टिनेशन यही रहने वाले है। ऐसा इसलिए क्योंकि अभी तो ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन ट्रांसपोंडर में दर्शाया गया है ये गंतव्य अंतिम है और यात्रा के दौरान इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। हालांकि, इसमें आगे भी बदलाव हो सकते हैं। वहीं अगर ये टैंकर वास्तव में वडीनार पहुंच जाता, तो यह छह सालों में भारत को ईरान से कच्चे तेल की पहली खेप होती।

CMYK

आईपीएल 2026: रिजवी ने खेली 90 रन की तूफानी पारी, एमआई को हराकर टॉप पर डीसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 04 अप्रैल (वेब वार्ता)। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने शनिवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 8वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 6 विकेट से जीत दर्ज की। सीजन की लगातार दूसरी जीत के साथ डीसी ने प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान अपने नाम कर लिया है।

मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने खराब शुरुआत के बावजूद 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए। इस टीम ने तीसरे ओवर में रयान रिकलटन (9) और तिलक वर्मा (0) के विकेट खो दिए थे। उस समय तक टीम के खाते में सिर्फ 18 ही रन जुड़ सके थे। हार्दिक पंड्या के स्थान पर डीसी की कमान संभाल रहे सूर्यकुमार यादव ने यहां से रोहित शर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 53 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूती दी।

रोहित 26 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 35 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सूर्या ने 36 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 51 रन टीम के खाते में जोड़े। इनके अलावा, नमन धीर ने 28 रन और मिचेल सेंटनर ने नाबाद 18 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

विपक्षी खेमे से मुकेश कुमार ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि लुंगी एनगिडी, अक्षर पटेल, विपराज निगम और टी नटराजन ने एक-एक विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 18.1 ओवरों में जीत हासिल कर ली। मेजबान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। डीसी ने 1.4 ओवरों में महज 7 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे। यहां से पथुम निसांका ने समीर रिजवी के साथ तीसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 66 रन जुटाते हुए टीम को 73 के स्कोर तक पहुंचाया।

निसांका 30 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 44 रन बनाकर आउट हुए। यहां से रिजवी ने डेविड मिलर के साथ मोर्चा संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने चौथे विकेट के लिए 39 गेंदों में 78 रन की साझेदारी करते हुए डीसी को जीत की दहलीज पर ला दिया।

इस बीच, रिजवी अपने आईपीएल करियर का पहला शतक चूक गए। उन्होंने 51 गेंदों में 7 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 90 रन की पारी खेली। मिलर ने नाबाद 21 रन बनाकर टीम को 11 गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। विपक्षी खेमे से दीपक चाहर, मिचेल सेंटनर और कॉर्बिन बॉश ने 1-1 विकेट हासिल किया।

आईपीएल 2026: रोहित शर्मा के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि, धोनी का तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 8वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस की भिड़ंत शनिवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से हो रही है। मुंबई के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने 26 गेंदों में 35 रन बनाए। रोहित ने अपनी इस पारी के दौरान एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

रोहित शर्मा आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब तीसरे नंबर पर आ गए हैं। इसके साथ ही वह आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं। दिल्ली के खिलाफ 35 रनों की अपनी पारी में रोहित ने एक छक्का लगाया। रोहित दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 51 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने इस मामले में एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया है। धोनी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 50 छक्के लगाए हैं। वहीं, इस लिस्ट में पहले नंबर पर क्रिस गेल का नाम है। गेल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 61 छक्के लगाए हैं।

टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रयान रिकेल्टन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 11 गेंदों का सामना करने के बाद महज 9 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे तिलक वर्मा को मुकेश कुमार ने बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे सूर्यकुमार यादव ने तीसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा के साथ मिलकर 53 रन जोड़े। रोहित 26 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में 141 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 51 रन बनाए। मुंबई इंडियंस ने इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में तीन बदलाव किए हैं। पूरी तरह से फिट ना होने की वजह से हार्दिक पांड्या यह मुकाबला नहीं खेल रहे हैं और उनकी जगह पर दीपक चाहर को शामिल किया गया है। वहीं, ट्रेंट बोल्ट के स्थान पर कॉर्बिन बॉश और अल्लाह गजनफर की जगह पर मिचेल सैंटनर को टीम में शामिल किया गया है।

स्लो ओवर रेट पर फिर फंसे श्रेयस अय्यर, बीसीसीआई ने जुर्माना किया दोगुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर एक बार फिर स्लो ओवर रेट के कारण चर्चा में हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में शानदार शुरुआत करने वाली पंजाब टीम को इस बार अपने कप्तान की गलती का खामियाजा भुगतना पड़ा है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में पहले ही स्लो ओवर रेट के दोषी पाए जाने के बाद अब चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी टीम ने तय समय में ओवर पूरे नहीं किए, जिसके चलते बीसीसीआई ने सख्त कार्रवाई की है। आईपीएल की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, यह इस सीजन में पंजाब किंग्स का दूसरा उल्लंघन है। ऐसे में श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जो पिछले मैच में लगे 12 लाख रुपये के जुर्माने से दोगुना है। इसके साथ ही प्लेइंग इलेवन और इम्पैक्ट प्लेयर सहित टीम के बाकी खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगाया गया है। खिलाड़ियों को या तो 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, भुगतान करना होगा।

हालांकि, बार-बार गलती के बावजूद अय्यर पर किसी तरह के बैन का खतरा फिलहाल नहीं है। आईपीएल में 2025 से पहले तक नियम था कि एक ही सीजन में तीन बार स्लो ओवर रेट के दोषी पाए जाने पर कप्तान को एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ता था। लेकिन अब नियमों में बदलाव कर दिया गया है, जिसके तहत कप्तानों और टीमों पर डिमेरिट पॉइंट्स और जुर्माने का प्रावधान लागू किया गया है। नए नियमों के अनुसार, लेवल-1 के अपराध पर मैच फीस का 25 से 75 प्रतिशत तक जुर्माना और डिमेरिट पॉइंट दिए जाते हैं, जो तीन साल तक रिकॉर्ड में रहते हैं। वहीं गंभीर मामलों में लेवल-2 के तहत चार डिमेरिट पॉइंट दिए जा सकते हैं। हर चार डिमेरिट पॉइंट पर अतिरिक्त जुर्माना या कड़ी सजा दी जा सकती है। हालांकि, सिर्फ स्लो ओवर रेट के आधार पर तत्काल मैच बैन नहीं लगाया जाएगा। इस तरह, पंजाब किंग्स को जीत के बावजूद अनुशासन के मोर्चे पर सतर्क रहने की जरूरत है, ताकि आगे ऐसे नुकसान से बचा जा सके।

टी20 क्रिकेट में सफल होने सकारात्मक होने के साथ ही गति भी जरुरी : नरेन

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मिस्ट्री स्पिनर के तौर पर लोकप्रिय सुनील नरेन ने कहा है कि टी20 क्रिकेट में सफलता के लिए सकारात्मक रहते हुए निडर होकर खेलना जरुरी है। इसी से वह गति और लय मिलती है जो जीत के लिए सबसे जरुरी है। साथ ही कहा कि खेल में निरंतरता की भी जरुरत रहती है ताकि लगातार प्रदर्शन किया जा सके। साथ ही कहा कि उनकी टीम का भी लक्ष्य जीत हासिल करने का है जिससे लिए वह प्रयासरत हैं हालांकि उसे अभी तक अपने शुरुआती मैचों में सफलता नहीं मिली है। टीम अब अगले मैच में जीत के साथ ही अंक तालिका में अपना अपना खाता खोलना चाहेगी। उन्होंने कहा कि जब प्रशंसक साथ देते हैं तब भी टीम का हौंसला बढ़ता है। उन्होंने कहा कि आईपीएल में सही समय पर लय हासिल करना, सीनियर खिलाड़ियों का जूनियर खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करना ही सबसे जरूरी होता है।

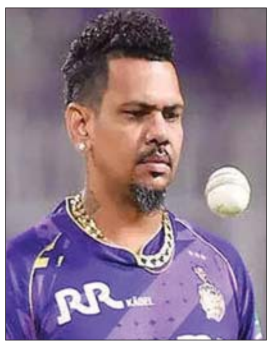

नरेन ने कहा, टी20 क्रिकेट में गति ही सब कुछ होती है। मैच जितनी तेजी से आपके हाथ में आता है उतनी ही तेजी से फिसल भी जाता है। इसलिए सकारात्क बने रहना जरुरी है। इसके साथ ही बिना डरे लगातार अच्छा खेलना होता है। नरेन ने आगे कहा कि लीग में आने वाले युवा खिलाड़ी अब आने वाले मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पहले से कहीं ज्यादा तैयार हैं। उन्होंने कहा, आजकल, खिलाड़ी बहुत सारा टी20 क्रिकेट खेलकर लीग में आ रहे हैं। इसलिए यह पहले के मुकाबले काफी आसान हो गया है। खिलाड़ी इसमें काफी उत्साहित रहते हैं और वे किसी भी चीज को कम नहीं आंकते। उन्हें पता है कि आईपीलए कितना कठिन है इसलिए वे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं।

टीम में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए नरेन ने कहा कि वह टीम की जरूरतों के अनुसार खेलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, खासकर बल्लेबाजी में। उन्होंने कहा, मैं ऐसा खिलाड़ी हूं जो टीम की हर जरूरत को पूरा करने के लिए तैयार रहता है। चाहे पारी की शुरुआत हो या पारी का अंत, मैं वही करता हूं जिसकी टीम को जरूरत होती है।

आईपीएल 2026 में ऑरेंज-पर्पल कैप की रेस में उलटफेर, पंजाब किंग्स का दबदबा कायम

नई दिल्ली (।इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सातवें मुकाबले के बाद टूर्नामेंट में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच हुए मुकाबले के बाद दोनों ही कैप पर पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों ने कब्जा जमा लिया है, जिससे टीम का दबदबा साफ नजर आ रहा है। ऑरेंज कैप की रेस में कूपर कोनोली ने बढ़त बना ली है। उन्होंने चेन्नई के खिलाफ 22 गेंदों में 36 रन की अहम पारी खेलते हुए इस सीजन में कुल 108 रन पूरे कर लिए हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में अंगकृष रघुवंशी 103 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा ईशान किशन (94 रन), हेनरिक क्लासेन (83 रन) और रयान रिकेल्टन (81 रन) भी टॉप बल्लेबाजों में शामिल हैं। पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह ने 43 रन की पारी खेलकर कुल 80 रन के साथ छठे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की है। वहीं रोहित शर्मा 78 रन के साथ सातवें स्थान पर हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 73 रन बनाए और टॉप-10 बल्लेबाजों की सूची में जगह बना ली है। वहीं विराट कोहली और श्रेयस अय्यर भी मध्यक्रम में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

उद्घाटन समारोह से पहले ही शुरु हो जाएंगे ओलंपिक में फुटबॉल मुकाबले : आईओसी

एथेंस ।अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में फुटबॉल मुकाबले उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले ही शुरू हो जाएंगे। आईओसी के अनुसार पुरुष और महिला दोनों ही वर्गों के मुकाबले 10 जुलाई से शुरु होंगे। ये ये मुकाबले अमेरिका के सात शहरों में होंगे। वहीं ग्रुप स्तर और क्वार्टर फाइनल मुकाबले न्यूयॉर्क, कोलंबस, नैशविले और सेंट लुई में रखे गये हैं जबकि नॉकआउट मुकाबले कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में आयोजित होंगे। इन शहरों को उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाएं होने के कारण ही बड़े मुकाबलों के आयोजन का अवसर मिला है। वहीं फुटबॉल का खिताबी मुकाबला ऐतिहासिक रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा। इस स्टेडियम में ही साल1994 पुरुष फुटबॉल विश्व कप, 1999 महिला विश्व कप और 1984 ओलंपिक का फाइनल भी खेला गया था। आईओसीके नए कार्यक्रम के अनुसार टीमों को पिछले ओलंपिक के मुकाबले आराम के लिए दो दिन और मिलेंगे। इससे खिलाड़ियों को हालातों से उबरने का अच्छा अवसर मिलेगा। फुटबॉल टूर्नामेंट का अंतिम शेड्यूल इस साल के अंत तक जारी किया जाएगा।

नीलामी में गेंदबाजों को मिस करना पड़ा भारी, फ्लेमिंग

नई दिल्ली ।चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लगातार दूसरी हार के बाद टीम की रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ 210 रन जैसा बड़ा स्कोर खड़ा करने के बावजूद चेन्नई इसे बचा नहीं सकी। इस हार के बाद टीम के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने माना कि नीलामी के दौरान कुछ अहम गेंदबाजों को टीम में शामिल न कर पाना अब भारी पड़ रहा है। फ्लेमिंग ने कहा कि टीम मैनेजमेंट ने ऑक्शन के दौरान कई गेंदबाजों पर गंभीरता से विचार किया था, लेकिन परिस्थितियों के चलते वे उन्हें खरीद नहीं सके। उन्होंने स्वीकार किया कि जिन खिलाड़ियों को उस समय नजरअंदाज किया गया, वे अब शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके मुताबिक, टीम ने हर विकल्प पर चर्चा की थी, लेकिन अंत में कुछ खिलाड़ियों को मिस कर दिया गया। चेन्नई की हार ने एक बार फिर गेंदबाजी विभाग की कमजोरियों को उजागर किया है। पंजाब के खिलाफ मैच में बल्लेबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 209 रन बनाए, लेकिन गेंदबाज विपक्षी टीम पर दबाव बनाने में नाकाम रहे। इस कारण बड़ा स्कोर भी टीम के काम नहीं आ सका। टी20 क्रिकेट के बदलते स्वरूप पर बात करते हुए फ्लेमिंग ने कहा कि अब पारंपरिक 卐फिनिशर卐 की भूमिका पहले जैसी नहीं रही। उनके अनुसार, आज के खेल में बल्लेबाज शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हैं और हर ओवर में तेजी से रन बनाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि पहले टीम 16वें ओवर तक पारी संभालती थी, लेकिन अब हर ओवर में 10-12 रन बनाना जरूरी हो गया है। इसके बावजूद फ्लेमिंग ने टीम की बल्लेबाजी पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि चेन्नई के पास डेवाल्ड ब्रेविस जैसे आक्रामक बल्लेबाज और एमएस धोनी जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं, जो मैच का रुख बदल सकते हैं। उनके अनुसार, टीम के पास तेज रन बनाने की क्षमता है और बल्लेबाजी में कोई बड़ी चिंता नहीं है। लगातार दो हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स पर दबाव बढ़ गया है। अब टीम का अगला मुकाबला रॉयल्स चेलेंजर बेंगलुरुसे है, जहां जीत हासिल कर वापसी करना उसके लिए बेहद जरूरी होगा।

आईपीएल 2026 अर्जुन तेंदुलकर के लिए 'करो या मरो' का मौका, बोले- खेल का मजा लेने पर है फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 युवा तेज गेंदबाज अर्जुन तेंडुलकर के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर के बेटे अर्जुन अब तक आइपीएल में कोई खास पहचान नहीं बना पाए हैं, ऐसे में यह सीजन उनके करियर के लिए निर्णायक माना जा रहा है। वह इस बार लखनऊ सुपर जाइन्टस की ओर से खेलते हुए अपनी छाप छोड़ने के इरादे से उतरेंगे। घरेलू क्रिकेट में मुंबई से गोवा शिफ्ट होने के बाद अर्जुन ने अपनी गेंदबाजी में सुधार दिखाया है और कई मौकों पर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि वह अब भी अपने ÷कम्फर्ट जोन÷ से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाए हैं। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अर्जुन ने कहा कि वह फिलहाल अपने खेल को एंजॉय कर रहे हैं और उसी पर ध्यान दे रहे हैं।

अर्जुन के करियर में दबाव की बात भी अक्सर उठती रही है, खासकर उनके पिता की विरासत के कारण। इस पर उन्होंने साफ कहा कि वह बाहरी अपेक्षाओं के बजाय अपने खेल पर फोकस करते हैं। उनके मुताबिक, वह क्रिकेट किसी को कुछ साबित करने के लिए नहीं, बल्कि अपने जुनून के चलते खेलते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता मेहनत करना और खेल का आनंद लेना है। अर्जुन से जुड़ा एक पुराना किस्सा भी चर्चा में रहा, जब 2016 में कांगा लीग के दौरान एक साथी खिलाड़ी ने उनके पिता के मशहूर 'बूस्ट' विज्ञापन को लेकर मजाक किया था। हालांकि, अर्जुन ने ऐसे अनुभवों को हल्के में लेते हुए हमेशा अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित रखा है।

अब आईपीएल 2026 उनके लिए बड़ा मंच है, जहां अच्छा प्रदर्शन उन्हें नई पहचान दिला सकता है। लगातार मौके मिलने के बावजूद अब तक प्रभाव छोड़ने में असफल रहे अर्जुन के सामने इस बार खुद को साबित करने की चुनौती है। यदि वह इस सीजन में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, तो न केवल टीम में अपनी जगह पक्की कर सकते हैं, बल्कि भारतीय क्रिकेट में भी एक मजबूत पहचान बना सकते हैं।

तनाव से बचने क्रिकेट खिलाड़ी गोल्फ भी खेलें : युवराज

नई दिल्ली ।पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने क्रिकेटरों को सलाह दी है कि वे मानसिक थकान से राहत पाने के लिए गोल्फ खेलने का भी आनंद लें। युवराज के अनुसार क्रिकेटरों को तनाव से बचने के लिए कम उम्र से ही गोल्फ खेलना चाहिए। युवराज ने कहा है कि उन्होंने संन्यास के बाद गोल्फ खेलना शुरु किया था। युवराज अब दूसरी इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। उनका कहना है कि क्रिकेटरों को अपने करियर के दौरान ही गोल्फ भी खेलना भी जारी रखना चाहिये। साथ ही कहा कि मुझे भी पहले ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए था, इससे मुझे क्रिकेट में भी सहायता मिलती। गोल्फ खेलने का फायदा ये होता है कि शरीर को आराम मिलने के साथ ही तनाव भी कम होता है। युवराज ने कहा, इसी कारण अधिकतर विदेशी क्रिकेटर शुरुआत से ही गोल्फ खेलते आ रहे हैं। युवराज ने कहा कि गोल्फ के बारे में माना जाता है कि ये बड़े लोगों का खेल है जो सही नहीं है। वास्तविकता है कि यह एक ऐसा खेल है जो सभी के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा, हम गोल्फ को एक एलीट खेल के तौर पर देखते हैं पर हमें ये देखना चाहिये कि देश का हर बच्चा गोल्फ खेले। हम गोल्फ को स्कूलों तक ले जाने का प्रयास करेंगे। मेरा मानना ??है कि हर बच्चे को हर खेल आजमाना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे क्रिकेट हमारे देख में सबसे लोकप्रिय है पर गोल्फ भी एक मजेदार खेल है, जिसे हर किसी को आजमाना चाहिए। भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके एक खिलाड़ी के तौर पर मैं दूसरे खेलों में भी सहायता करना चाहता हूं। गोल्फ लीग इस खेल को और भी रोमांचक बनाएगी और इस खेल को बच्चों की पहुंच में लाने का प्रयास करेगी। हमें उम्मीद है कि ज्यादा बच्चे इस खेल को अपनाएंगे, इसे टीवी पर देखेंगे और इसे खेलने के लिए प्रेरित होंगे।

सऊदी प्रो लीग में चोट से वापसी पर रोनाल्डो ने दो गोल किए

रियाद। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक महीने की चोट के बाद वापसी करते हुए दो गोल किए, जिससे अल-नासर ने सऊदी प्रो लीग में सबसे नीचे चल रही टीम अल-नजमा को हरा दिया। 41 साल के पुर्तगाली फॉरवर्ड ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जिससे इस सीजन में अपने क्लब के लिए उतने ही लीग मैचों में उनके कुल गोलों की संख्या 23 हो गई। रोनाल्डो को फरवरी के आखिर में हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी और पिछले महीने जब पता चला कि चोट शुरू में सोची गई चोट से ज़्यादा गंभीर है, तो वह इलाज के लिए स्पेन चले गए थे। रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर यूनाइटेड के इस पूर्व स्टार ने दो लीग मैच और पुर्तगाल के मेक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैच नहीं खेले। अल-नजमा ने हैरानी भरी बढ़त बना ली, जबकि वह 27 लीग मैचों में सिर्फ़ एक बार ही जीत पाई थी। लेकिन लिवरपूल के पूर्व फॉरवर्ड सादियो माने और अब्दुल्ला अल हमदान ने पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में गोल करके अल-नासर को हाफ-टाइम तक बढ़त दिला दी। मेहमान टीम के बराबरी करने के बाद, रोनाल्डो ने 56वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम की बढ़त फिर से कायम कर दी; इसके बाद उन्होंने और माने दोनों ने अपना दूसरा गोल करके जीत पक्की कर दी। अल-नासर की लगातार 13वीं लीग जीत ने तालिका में शीर्ष पर उसकी बढ़त को दूसरे स्थान पर काबिज़ अल-हिलाल से छह अंकों तक बढ़ा दिया है; अल-हिलाल शनिवार को अल-तावून के खिलाफ खेलेगा।

इस माह 24 अप्रैल से शुरु होगा थॉमस और उबर कप, लक्ष्य और सिंधु पुरुष और महिला टीम की कमान संभालेंगे

नई दिल्ली ।भारतीय बैडमिटंन स्टार लक्ष्य सेन इस माह होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष टीम की कमान संभालेंगे। वहीं ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा उबर कप में महिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ ने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाले थॉमस और उबर कप के लिए लक्ष्य के अलावा , किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बरकरार रखा है। वहीं युवा आयुष शेट्टी को को भी पहली बार टीम में जगह दी है। पुरुष टीम में एमआर अर्जुन ध्रुव कपिला और किरण जॉर्ज को भी जगह मिली है। वहीं उबर कप में सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली भारती की ओर से पदक की प्रबल दावेदार रहेंगी। भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी पर इस बार उसका लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में रहेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं। टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

आईपीएल 2026: सीएसके की गेंदबाजी पर गावस्कर की चिंता, बोले- 230 रन भी नहीं होंगे सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने चेन्नई सुपर किंग्स की मौजूदा हालत पर चिंता जताते हुए कहा है कि टीम की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी गेंदबाजी बनती जा रही है। आईपीएल 2026 में शुरुआती दोनों मुकाबले हारने के बाद सीएसके दबाव में है, जिसमें पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार भी शामिल है।

गावस्कर ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए साफ है कि सीएसके को अपनी गेंदबाजी पर तुरंत काम करना होगा। उनके मुताबिक, मौजूदा टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी इतनी मजबूत हो चुकी है कि सिर्फ 200 या 210 रन बनाना काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि सीएसके को मैच जीतने के लिए लगातार 225 से 230 रन के बड़े स्कोर बनाने पड़ सकते हैं, तभी गेंदबाजों को थोड़ा सहारा मिलेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आज की टीमों में बल्लेबाजी की गहराई काफी बढ़ गई है। पंजाब किंग्स जैसी टीम में सातवें नंबर पर मार्कस स्टोइनिस जैसे विस्फोटक बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे लक्ष्य का बचाव करना और भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सीएसके को अपनी गेंदबाजी इकाई को मजबूत करना ही होगा।

इस बीच, युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की गावस्कर ने जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि म्हात्रे के लिए बल्लेबाजी क्रम में तीसरा स्थान सबसे उपयुक्त नजर आता है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले मैच में पहली ही गेंद पर आउट होने के बावजूद युवा खिलाड़ी ने आत्मविश्वास नहीं खोया और शानदार वापसी की। गावस्कर के अनुसार, नई पीढ़ी के खिलाड़ियों की यही खासियत है कि वे अतीत को पीछे छोड़कर वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करते हैं। गावस्कर ने रोहित शर्मा की फिटनेस में आए बदलाव की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि रोहित ने अपनी शारीरिक स्थिति पर कड़ी मेहनत की है, जिसका असर उनके खेल में साफ दिखाई दे रहा है। उनका फुटवर्क पहले से तेज हुआ है और ऊर्जा भी ज्यादा नजर आ रही है, जिससे वे क्रीज पर ज्यादा समय बिता पा रहे हैं।

वहीं, भारत के एक अन्य अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने पंजाब के युवा खिलाड़ी प्रियांश आर्य की विस्फोटक पारी की सराहना की। पुजारा ने कहा कि प्रियांश गेंद की लेंथ को बहुत जल्दी समझ लेते हैं और खासकर शॉर्ट गेंदों पर आक्रामक शॉट खेलने में माहिर हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि ऐसे बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजों के लिए गलती की गुंजाइश बेहद कम रह जाती है। कुल मिलाकर, विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चेन्नई सुपर किंग्स को टूर्नामेंट में वापसी करनी है, तो उसे अपनी गेंदबाजी में जल्द सुधार करना होगा, वरना आगे की राह और मुश्किल हो सकती है।

सोशल मीडिया के दबाव में मत आइए

मुंबई एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर दिखने वाले परफेक्ट बॉडी स्टैंडर्ड्स पर अपनी बात रखते हुए बताया है कि किस तरह से सोशल मिडीया का दखल व्यक्तिगत जीवन में बढ़ गया है।

कुब्रा ने लोगों को सलाह भी दी है कि इन चीजों के लिए सोशल मीडिया को दोष देने के बजाय खुद के अंदर झांकना चाहिए। इस विषय में कुब्रा कहती हैं, 'असली समस्या सोशल मीडिया नहीं, बल्कि हमारी अपनी असुरक्षाएं हैं। अगर इंसान का आत्मविश्वास मजबूत हो, तो बाहर की चीजें उसे ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकती।' इसके अलावा उन्होंने अपनी बात करते बताया कि वे खुद को फिट रखने पर ध्यान देती हैं, लेकिन किसी तरह के बदलाव का सहारा नहीं लेतीं। हालांकि, वह यह भी मानती हैं कि हर किसी की अपनी पसंद होती है और ऐसे में हर किसी को चाहिए कि वे दूसरों को जज न करें। कुब्रा कहती हैं, 'हर किसी की अपनी जर्नी होती है, अपनी पसंद होती है, इसलिए दूसरों को जज करने या उनसे खुद की तुलना करने की बजाय अपनी लाइफ और अपने सफर पर ध्यान दें।' इन सबके अलावा अपने करियर के बारे में बात करते हुए कुब्रा ने यह भी बताया कि मेहनत और अनुशासन उनके लिए बहुत जरूरी रहे हैं। हालांकि मुंबई आना उनके लिए एक बड़ा टर्निंग पॉइंट था, जिससे उन्हें अपने सपनों को पूरा करने का मौका मिला।

कॉकटेल 2 मे मेरा किरदार दर्शकों को हैरान कर देगा

कृति सेनन, शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म कॉकटेल 2 सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं हाल ही में कृति ने अभी तक के अपने सबसे हॉट किरदार के बारे में बताया। अभिनेत्री का कहना है कि उनका यह रोल दर्शकों को हैरान कर देगा।

एक खबर के अनुसार, हाल ही में कृति सेनन ने बताया कि 'कॉकटेल 2' में उनका नया लुक दर्शकों को हैरान कर देगा। कृति ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं 'कॉकटेल 2' पहले से काफी अलग दिख रही हूं। यह शायद अब तक का मेरा सबसे हॉट किरदार है।' कृति ने फिल्म 'कॉकटेल 2' के डायरेक्टर होमी अदजानिया की तारीफ करते हुए कहा, 'होमी की सौंदर्य समझ बहुत अच्छी है और वह स्वभाव से बहुत कूल हैं। उन्होंने मेरे अंदर एक ऐसा कूल पहलू निकाला है, जिसके बारे में मुझे खुद भी नहीं पता था।'

कृति ने क्यों की 'कॉकटेल 2'

कृति ने यह भी बताया कि उन्होंने 'कॉकटेल 2' का ऑफर क्यों स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि उनकी पिछली फिल्म 'तेरे इश्क में' बहुत भावुक थी। इसलिए उन्हें कुछ हल्का-फुल्का और मजेदार काम चाहिए था। जब 'कॉकटेल 2' का ऑफर आया तो उन्होंने तुरंत हां कर दी। उन्होंने कहा, 'बस यही वो जगह है, जहां मैं रहना चाहती हूं।' कृति ने आगे कहा कि वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाना पसंद करती हैं। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक आधुनिक लव ट्रायंगल है, जो दोस्ती और रिश्तों की जटिलताओं को दर्शाता है।

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। काफी समय से सोशल मीडिया पर सलमान की दिल राजू के साथ फिल्म को लेकर चर्चा हो रही थी। आज सलमान ने खुद अपने पोस्ट के जरिए इसकी पुष्टि कर दी है।

दिल राजू के साथ अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे सलमान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए तेलुगु निर्देशक और निर्माता के साथ काम करने जा रहे हैं। अभिनेता ने आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा इंस्टाग्राम पर की है। आगामी फिल्म के लिए सलमान निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ काम करेंगे। इस फिल्म के निर्माता दिल राजू होंगे।

सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ अपनी एक खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ सलमान ने लिखा, 'दिल, दिमाग और जिगर से इस अप्रैल से वामसी और दिल राजू के साथ। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग अप्रैल में शुरू होने वाली है।

वामसी पेडिपल्ली को तेलुगु और तमिल सिनेमा में कई सफल फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। उनकी फिल्मोग्राफी में प्रभास (मुन्ना), एनटीआर (बृंदावनम), राम चरण और अल्लू अर्जुन (येवडु), नागार्जुन और कार्थी (ओपिरी), महेश बाबू (महर्षि), और विजय (वारिसु) जैसे सितारों के साथ कई फिल्में बनाई हैं।

'मातृभूमि' में नजर आएंगे सलमान खान

दिल राजू की फिल्म करने से पहले सलमान 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' में नजर आएंगे। अभिनेता प्रशांत तमांग के निधन के कारण इसकी रिलीज डेट टाल दी गई है। पहले इसे 17 अप्रैल 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब यह फिल्म 15 अगस्त 2026 या उसके आसपास रिलीज हो सकती है।

पूरी तरह रियल फिल्में बनाना चाहता हूं

एक्टर अक्षय कुमार और प्रियदर्शन 'भूत बंगला' से एक बार फिर हॉरर-कॉमेडी जॉनर में वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए उनकी और अक्षय कुमार की हिट जोड़ी 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी को तैयार है। फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है और दर्शक बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं, लेकिन इस बीच अक्षय कुमार ने अपने एक्शन फिल्मों में सीन के शूटिंग को लेकर बड़ा बयान दिया है।

अक्षय कुमार ने कहा कि आजकल एक्शन फिल्मों को बनाने का तरीका पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां एक्शन सीन असली होते थे, वहीं अब ज्यादातर काम वीएफएक्स के जरिए किया जाता है। उनके मुताबिक, इसमें मजा नहीं आता क्योंकि यह नकली लगता है। अक्षय ने कहा, 'मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जो पूरी तरह रियल हो।' अक्षय, जो कराटे, ताइक्वांडो और कूडो जैसी मार्शल आर्ट्स में ट्रेंड हैं, उन्होंने कहा, 'अगर मैं कूद रहा हूं तो सच में कूद रहा हूं, वीएफएक्स का इस्तेमाल नहीं कर रहा। अगर मैं किक मार रहा हूं तो खुद मार रहा हूं, ऐसा नहीं कि 15 लोग मिलकर किसी को किक मारने में मदद कर रहे हों।'उन्होंने आगे कहा, 'मैं बिना वीएफएक्स के एक एक्शन फिल्म बनाना चाहता हूं। मैं ये बात एआई के दौर में कह रहा हूं, लोग जो सोचें, लेकिन मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जिसमें असली एक्शन हो। दर्शक खुद महसूस कर सकें कि इसमें कितनी मेहनत लगी है, ना कि एआई या कंप्यूटर की मदद से किया गया काम।' बता दें कि भूत बंगला 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसे प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं।

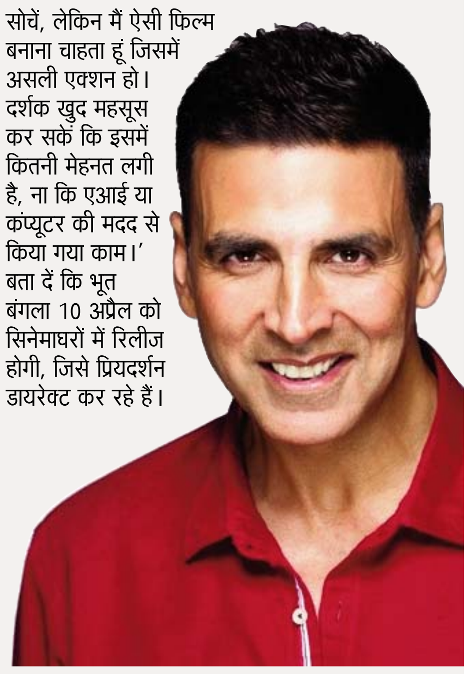

बॉलीवुड में काम करने पर क्या बोले नागा चैतन्य?

आमिर के साथ किया था हिंदी फिल्मों में डेब्यू

साउथ के अभिनेता नागा चैतन्य अपनी अपकमिंग फिल्म 'वृषकर्मा' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने साउथ के अलावा आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' (2022) में भी काम किया है। हाल ही में उन्होंने बताया कि अपनी पहली हिंदी फिल्म के बाद उन्होंने कोई दूसरी हिंदी फिल्म क्यों साइन नहीं की। एक्टर का यह बेबाक जवाब तब आया है जब फैंस लगातार उनसे बॉलीवुड से उनकी गैरमौजूदगी के बारे में सवाल कर रहे हैं।

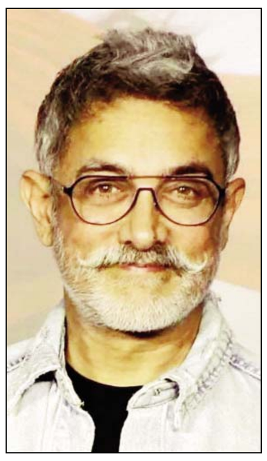

क्या हिंदी में काम करना चाहते हैं अभिनेता?

हिंदी सिनेमा में काम करने को लेकर उन्होंने कहा 'इसका कोई खास कारण नहीं है। यकीनन, मैं नए मौकों के लिए तैयार हूं। बस उस फिल्म के बाद, मैं यहां (साउथ) के प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा था। उनमें मेरा काफी समय और मेहनत लगी। इसलिए, मैं हिंदी फिल्मों में काम करने के मौके का इंतजार कर रहा हूं। अपनी पूरी ऊर्जा के साथ वहां फिर से कुछ खास करने की उम्मीद कर रहा हूं।' प्रेरित करने वाली हो फिल्म नागा चैतन्य ने आगे कहा 'अब भाषा कोई रुकावट नहीं रही, दर्शक अलग-अलग भाषाओं की हर तरह की फिल्में देखते हैं। मैं हिंदी फिल्म करने के लिए तैयार हूं, लेकिन वह कुछ ऐसी होनी चाहिए जो मुझे प्रेरित करे। वह कुछ नई होनी चाहिए, जिसमें मुझे उन फिल्ममेकर्स के साथ काम करने का मौका मिले, जिन्हें मैं सच में पसंद करता हूं।'

बॉलीवुड के बारे में क्या बोले अभिनेता?

लाल सिंह चड्ढा के बारे में बात करते हुए नागा चैतन्य ने कहा 'मुझे उस फिल्म की शूटिंग में बहुत मजा आया। मैंने बहुत कुछ सीखा। वहां के लोग बहुत ही मिलनसार थे। उन्होंने मेरा बहुत अच्छे से ख्याल रखा। इसलिए, मेरा यह अनुभव शानदार था। बॉक्स ऑफिस पर कुछ फिल्मों में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। इस फिल्म के नतीजों ने मेरी सोच में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया है।' नागा चैतन्य आखिरी बार फिल्म 'तंडेल' में नजर आए थे। अगली बार अभिनेता फिल्म 'वृषकर्मा' में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

ओटीटी ने अभिनेत्रियों की मेहनत को दर्शकों तक पहुंचाया

दिव्या दत्ता ने अपने अभिनय का जादू कुछ इस कदर लोगों के जहन में छोड़ा है कि उनका नाम ही उनकी मेहनत को बयां कर देता है। वीर ज़ारा, दिल्ली 6, भाग मिल्खा भाग जैसी फिल्मों नज़र आईं दिव्या हाल ही में इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली में शिरकत करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने ओटीटी में महिलाओं की भूमिका पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे ओटीटी ने अभिनेत्रियों की मेहनत को दर्शकों तक पहुंचाया है।

एक लंबा दौर रहा है जब कोई फिल्म रिलीज होती थी, तो लोग पूछते थे कि ऐक्टर कौन है। इस वजह से हिराइनों के किरदार की अहमियत ढक जाती थी। लेकिन ओटीटी पर महिला प्रधान सीरीज और फिल्में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। ओटीटी पर आने से क्या अब उन कलाकारों को एक संजीवनी में है, जो हीरो की साख में कहीं खो जाते थे? नवभारत टाइम्स के इस सवाल पर दिव्या कहती हैं, 'मुझे लगता है कि ओटीटी आज सबको मौका दे रहा है। पहले इंडस्ट्री में कास्टिंग डायरेक्टर का कॉन्सेप्ट नहीं होता था। उस समय होता यह था कि तू भी आजा, वो भी आ जाए। एक ही किरदार आपको हर जगह दिखता था, ये ही कॉमिडी करेंगे, ये ही विलन होंगे, ये ही हीरो होंगे, लेकिन हिरोइनें बदल जाती थीं।'

टीवी एक्टर्स के लिए अच्छा समय

दिव्या ने आगे कहा, 'एक समय था जब लोग कहते थे कि टीवी के कलाकार फिल्मों में नहीं आ सकते और जो छोटे रोल करते हैं वो बड़े रोल नहीं कर सकते। अब वो लाइन खत्म हो गई है। अब अगर आप अच्छे हैं और आप उस रोल को सूट करते हैं तो आप हैं। और यह ऐक्टर के साथ बहुत ही बेहतरीन बात हुई है। इसका क्रेडिट में दर्शकों को दूंगी।'

लंबे करियर के बीच काम से ब्रेक लेना कितना जरूरी है, इस पर दिव्या कहती हैं, 'आपको काम से ब्रेक लेने की जरूरत पड़ती ही है। एक समय ऐसा भी आया था, जब मैंने पांच महीने का ब्रेक लिया था। क्योंकि कभी-कभी काम का बोझ इतना ज्यादा हो जाता है कि आपको आराम की जरूरत महसूस होती है। उस समय हर कोई मुझसे पूछता था कि क्या मैं अपने घर पर ठीक हूं? लोग कहते थे कि मुझे बाहर निकलना चाहिए, लोगों से मिलना-जुलना चाहिए। लेकिन जब आपकी कोई फिल्म रिलीज होती है और वह फिल्म अच्छी होती है, तो सारी चिंताएं दूर हो जाती हैं।'

ओटीटी कॉन्टेंट स्टार्स नहीं कहानी की जरूरत देखता है

ओटीटी पर आज बड़े स्टार्स से लेकर नए कलाकार तक नज़र आते हैं। लेकिन दिव्या का कहना है कि ओटीटी लोकतांत्रिक प्लेटफॉर्म है, यहां जो जिस काबिल है, उसे वो ही मिलता है, चाहे कितना भी बड़ा स्टार हो। वह कहती हैं, 'आज कई लोग कहते हैं, धुरंधर आई है तो उसका एक्शन तो हम बड़े पर्दे पर ही देखेंगे। लेकिन सब फिल्में उतनी अच्छी नहीं चलतीं, उन्हें उतना वक्त नहीं मिलता है। जैसे होता था कि फलाना हीरो होगा या हिरोइन होगी तो ही फिल्म पर्दे पर लगेगी, ओटीटी पर ऐसी कोई सीमा नहीं है। ओटीटी पर आप स्टार्स को भी देखेंगे लेकिन उन रोल में जो उन्हें सूट करते हैं। अगर जबरदस्ती का कोई किरदार उन्हें दिया जाता है तो उन्हें पसंद नहीं करते हैं। यह एक बहुत लोकतांत्रित प्लेटफॉर्म है। चाहे आप नए हों या जाने-माने ऐक्टर हों या कोई बड़े स्टार हों, अगर आप उस शो में हैं तो इसलिए हैं क्योंकि आप उस रोल से जुड़े हुए हो। वरना दर्शक निर्णय करते हैं कि फलाना शो नहीं देखते हैं और आपको पता चल जाता है कि उन्होंने किसको नकारा है।'

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर निजी हथियार रखने की अनुमति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बड़ा फैसला लेते हुए कहा है कि अब सैनिकों को सैन्य ठिकानों पर अपने निजी हथियार रखने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए एक नया आदेश जारी किया जा रहा है, जिसके तहत सैनिक अपने सुरक्षा कारणों से हथियार रखने के लिए आवेदन कर सकेंगे। यदि किसी सैनिक की मांग ठुकराई जाती है, तो अधिकारियों को लिखित रूप में कारण बताना होगा। अब तक सैन्य ठिकानों को लगभग गन-फ्री जोन माना जाता था, जहां केवल सैन्य पुलिस या ट्रेनिंग के दौरान ही हथियार रखने की अनुमति थी। इस फैसले के पीछे हाल के वर्षों में सैन्य ठिकानों पर हुई गोलीबारी की घटनाएं बड़ी वजह मानी जा रही हैं। हेगसेथ का कहना है कि ऐसे मामलों में शुरुआती कुछ मिनट बहुत महत्वपूर्ण होते हैं और सैनिकों को अपनी सुरक्षा का अधिकार मिलना चाहिए। हालांकि इस फैसले को लेकर सुरक्षा और नियंत्रण को लेकर सवाल भी उठ सकते हैं, क्योंकि इससे हथियारों की संख्या बढ़ेगी। रक्षा विभाग पहले से ही हथियारों के इस्तेमाल और स्टोरेज को लेकर सख्त नियम लागू करता रहा है।

अमेरिका से निर्वासित लोगों का पहला जत्था युगांडा पहुंचा

कंपाला, एजेंसी। अमेरिका से निकाले गए 12 लोगों का पहला समूह युगांडा पहुंच गया है। यह घटना उस समझौते के बाद हुई है, जो अमेरिका और युगांडा के बीच हुआ था। युगांडा लॉ सोसाइटी ने इस प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि इन लोगों को बहुत ही अपमानजनक और अमानवीय तरीके से लाया गया। बताया गया कि इन्हें एक निजी विमान से लाया गया और उनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन नीति का हिस्सा है, जिसमें अवैध रूप से रह रहे लोगों को बाहर भेजा जा रहा है। खासतौर पर उन लोगों को, जिनको उनके अपने देश वापस नहीं लिया जा सकता। युगांडा के एक मंत्री ने कहा था कि उनका देश ऐसे अफ्रीकी मूल के लोगों को मानवीय आधार पर स्वीकार करेगा, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं है कि जो लोग आए हैं, वे किन देशों के हैं। इस पूरे मामले को लेकर युगांडा में कानूनी चुनौती भी दी जा रही है। कई लोग इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन मान रहे हैं और इसे रोकने की मांग कर रहे हैं।

तीन अमेरिकी राज्यों के खिलाफ मुकदमा दायर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में प्रेडिक्शन मार्केट को लेकर अब बड़ा कानूनी विवाद शुरू हो गया है। सरकार ने तीन राज्यों, कनेक्टिकट, एरिजोना और इलिनोइस, के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। यह विवाद उन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को लेकर है, जहां लोग भविष्य की घटनाओं (जैसे चुनाव या अन्य नतीजों) पर पैसा लगाते हैं। इन प्लेटफॉर्म्स में कालशी और पॉलीमार्केट जैसे नाम शामिल हैं। दरअसल, इन तीनों राज्यों ने इन कंपनियों को नोटिस भेजकर कहा था कि वे गैरकानूनी ऑनलाइन जुए में शामिल हैं और तुरंत अपना काम बंद करें। एरिजोना ने तो पिछले महीने कालशी के खिलाफ आपराधिक केस भी दर्ज कर दिया था, क्योंकि वहां चुनावों पर सट्टा लगाना कानून के खिलाफ है। लेकिन अब सरकार की एजेंसी कमोडिटी फ्यूचर्स ट्रेडिंग कमीशन (सीएफटीसी) ने कोर्ट में कहा है कि इन प्लेटफॉर्म्स को नियंत्रित करने का अधिकार राज्यों के पास नहीं, बल्कि उनके पास है। सीएफटीसी का कहना है कि अगर हर राज्य अपने हिसाब से नियम बनाएगा, तो इससे धोखाधड़ी और उपभोक्ताओं के लिए खतरा बढ़ सकता है। वहीं, ट्रंप सरकार ने भी कालशी और पॉलीमार्केट जैसे प्लेटफॉर्म्स का समर्थन किया है। इससे यह मामला और ज्यादा अहम हो गया है, क्योंकि इसका असर भविष्य में ऑनलाइन सट्टेबाजी और स्पोर्ट्स बेटिंग के नियमों पर भी पड़ सकता है। दूसरी तरफ, कनेक्टिकट के अटॉर्नी जनरल विलियम टोंग ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ये कंपनियां साफ तौर पर गैरकानूनी जुआ चला रही हैं।

नेपाल : ओली और रमेश लेखक की हिरासत दो दिन बढ़ी, जांच जारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक की पुलिस हिरासत दो दिन के लिए बढ़ा दी गई है। काठमांडो जिला अदालत के न्यायाधीश विष्णुप्रसाद अवस्थी की एकल पीठ ने जांच के लिए यह अनुमति दी। ओली के अस्पताल में भर्ती होने के कारण उनकी पेशी वर्चुअल माध्यम से की गई। इससे पहले रविवार को अदालत ने दोनों को पांच दिन की हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। यह अवधि समाप्त होने पर पुलिस ने और समय की मांग की थी। गौरतलब है कि जेनजी आंदोलन की घटनाओं की जांच के लिए गठित गौरीबहादुर कार्की आयोग की रिपोर्ट के आधार पर दोनों नेताओं को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था।

काश पटेल और तुलसी गबार्ड हो सकते है ट्रंप के अगले शिकार?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी को बर्खास्त कर दिया है। अब ये खबरें सामने आ रही हैं कि फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन यानी एफबीआई के निदेशक काश पटेल का अगला नंबर हो सकता है। इसके साथ ही एफबीआई के भीतर चल रहे विवादों और ट्रंप प्रशासन में कई अन्य बड़े बदलावों की अटकलों ने भी तूल पकड़ लिया है। खबरों की मानें तो नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड का नाम भी उस लिस्ट में शामिल हो सकता है जिन्हें ट्रंप प्रशासन हटाने वाला है। एक दिन पहले ही अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना प्रमुख जनरल रैंडी जॉर्ज को उनके पद से हटा दिया है। पेंटागन ने इस खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि जनरल जॉर्ज तत्काल प्रभाव से सेना के 41वें प्रमुख के पद से रिटायर हो रहे हैं।

काश पटेल की संभावित विदाई : पूर्व एफबीआई एजेंट काइल सेराफिन ने दक्षिणपंथी होस्ट एलेक्स जोंस से बातचीत में सूत्रों के हवाले से एफबीआई में बड़े बदलाव का दावा किया है। सेराफिन के अनुसार इस बात की काफी संभावना है कि काश पटेल को आज ही बर्खास्त कर दिया जाए और विभाग में पूरी तरह से नया फेरबदल किया जाए। सेराफिन ने आगे कहा कि सवाल यह है कि ऐसा क्यों हो रहा है? मेरा अनुमान है कि ट्रंप इसे इस तरह से पेश करना चाहते हैं कि यह उनका अपना फैसला है, न कि किसी दबाव के कारण उठाया गया कदम।

एफबीआई में 'प्रतिशोध अभियान' और पूर्व एजेंटों का मुकदमा : काश पटेल के नेतृत्व में एफबीआई में बड़े पैमाने पर हुई छंटनी के खिलाफ अब कानूनी चुनौतियां भी खड़ी हो रही हैं। इस हफ्ते तीन पूर्व एफबीआई एजेंटों ने अपनी बहाली की मांग करते हुए एक 'क्लास-एक्शन' मुकदमा दायर किया है। इन एजेंटों का दावा है कि 2020 के चुनाव परिणामों को पलटने के ट्रंप के प्रयासों की जांच में शामिल होने के कारण उन्हें अवैध रूप से दंडित किया गया है। पिछले एक साल में काश पटेल के नेतृत्व में दर्जनों एजेंटों को पद से हटाया गया है। इनमें से कई को ट्रंप से जुड़ी जांचों में शामिल होने के कारण या रिपब्लिकन राष्ट्रपति के एजेंडे के प्रति अपर्याप्त रूप से वफादार माने जाने के कारण बर्खास्त किया गया था।

एजेंट और उनका बेदाग रिकॉर्ड : मिशेल बॉल, जेमी गारमन और ब्लेयर टोलमैन नाम के इन तीन एजेंटों को पिछले साल अक्टूबर और नवंबर में निकाल दिया गया था। मुकदमे के अनुसार, इन तीनों के पास 8 से 14 साल का 'शानदार और बेदाग' सर्विस रिकॉर्ड था। उन्हें उम्मीद थी कि वे अपना पूरा करियर एफबीआई में बिताएंगे, लेकिन उन्हें बिना किसी कारण बताए या अपना पक्ष रखने का मौका दिए बिना ही अचानक बर्खास्त कर दिया गया। इन एजेंटों ने अपनी बर्खास्तगी को ट्रंप पर की गई उनकी जांच के खिलाफ एक 'प्रतिशोध अभियान' करार दिया है।

प्रशासन में अन्य संभावित बदलाव: मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने प्रशासन में कुछ और अहम पदों पर भी बदलाव करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के प्रशासक ली जेल्डिन को पाम बोंडी की जगह नए अटॉर्नी जनरल के संभावित विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। इसके अलावा, नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड को भी उनके पद से हटाने को लेकर प्रशासन के भीतर चर्चा चल रही है। यह पूरा घटनाक्रम स्पष्ट करता है कि ट्रंप प्रशासन के भीतर एक व्यापक पुनर्गठन चल रहा है। एफबीआई में वफादारी और पुरानी जांचों को लेकर चल रही उथल-पुथल के बीच कई बड़े अधिकारियों और एजेंटों की छंटनी की जा रही है, जो अब कानूनी मुकदमों का रूप ले रही है।

ऑस्ट्रेलिया ने दवाइयों पर शुल्क लगाने के मुद्दे पर अमेरिका से बातचीत से किया इनकार

कैनबरा , एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई सरकार अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क के दबाव के बावजूद दवाओं के लिए अपनी सब्सिडी योजना में कोई बदलाव नहीं करेगी। स्वास्थ्य मंत्री मार्क बटलर ने शुक्रवार को सरकार का पक्ष रखा। बटलर ने सेवन नेटवर्क को बताया कि ऑस्ट्रेलिया अमेरिकी प्रशासन के साथ फार्मास्युटिकल बेनेफिट्स स्कीम (पीबीएस) के 'मूलभूत सिद्धांतों' पर कोई बातचीत नहीं करेगा। इस योजना के तहत केंद्रीय सरकार प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की कीमतों में सब्सिडी देती है।

बटलर ने कहा, 'हम अमेरिका को यह सबसे स्पष्ट संदेश लगातार भेज रहे हैं क्योंकि हम जानते हैं कि वहां बड़ी दवा कंपनियां अपने दबाव में हमारे पीबीएस और दुनिया के अन्य देशों की समान योजनाओं को कमजोर करने की कोशिश करती हैं। हम इन मूलभूत सिद्धांतों पर बातचीत नहीं कर रहे हैं।' बटलर यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कुछ पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद दे रहे थे।

मार्च के अंत में ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापारिक शिकायतों की अद्यतन सूची में अमेरिकी प्रशासन ने कहा कि पीबीएस अमेरिकी नवाचार का मूल्य कम करके दिखाता है और अनुचित दवा मूल्य निर्धारण प्रथाओं के माध्यम से अमेरिकी उद्योग को प्रभावित करता है। इस योजना के तहत, फार्मास्युटिकल निर्माता सीधे ऑस्ट्रेलियाई सरकार के साथ बिक्री पर बातचीत करते हैं ताकि वाणिज्यिक बोली युद्धों को रोका जा सके। संयुक्त राष्ट्र के कॉमट्रेड डेटा के अनुसार, 2025 में ऑस्ट्रेलियाई दवा निर्यात अमेरिका में 1.3 बिलियन डॉलर का था। बायोटेक्नोलॉजी कंपनी सीएसएल ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी दवा निर्माता कंपनी है, लेकिन बटलर ने कहा कि सरकार को भरोसा है कि मेलबर्न स्थित इस कंपनी को नए शुल्क से छूट मिलेगी क्योंकि इसका अमेरिका में बड़ा उत्पादन आधार है। व्यापार मंत्री डॉन फैरेल के प्रवक्ता ने आस्ट्रेलियन ब्राडकास्टिंग कार्पोरेशन को शुक्रवार को बताया कि सरकार अमेरिकी दवा शुल्क से निराश है और 'अनुचित और गैर-जरूरी' शुल्क को हटाने के लिए दबाव डालना जारी रखेगी।

धमाका-खाकी की सरपरस्ती में अंकलेश्वर में जुए का अड्डा फल-फूल रहा है!

पीआई चावड़ा की संदिग्ध भूमिका-क्या भरूच के पुलिस अधीक्षक भ्रष्ट अधिकारियों को नज़रअंदाज़ करेंगे?

महानगर मेट्रो/पवन माकन

अंकलेश्वर। इंडस्ट्रियल शहर अंकलेश्वर में एक सनसनीखेज बात सामने आई है, जिससे कानून-व्यवस्था की हालत हिल गई है। अंकलेश्वर रेलवे स्टेशन के पास भीड़भाड़ वाले चौटा बाजार की झुग्गी-झोपड़ी में विजय नाम का एक बदनाम शराब तस्कर पुलिस की नाक के नीचे खुलेआम जुए का अड्डा चला रहा है। हैरानी की बात यह है कि लोग चिल्ला रहे हैं लेकिन ए-डिवीजन पुलिस के कानों तक यह आवाज नहीं पहुँच रही है।

वर्ली मटका और हजार का खेल: एक

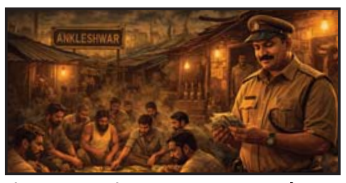

ऐसा पाप जो दिन-रात चलता है

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, बदनाम शराब तस्कर विजय यहां न सिर्फ शराब बेच रहा है, बल्कि दिन-रात वर्ली मटका और 'हजार' का जुआ भी खेल रहा है। इस अड्डे की वजह से कई गरीब परिवार बर्बाद हो रहे हैं। आम लोग सरेआम चल रहे इस अड्डे से परेशान होकर चिल्ला रहे हैं, लेकिन विजय ऐसे बेरहम हो गया है जैसे उसे पुलिस का कोई डर ही न हो।

पीआई चावड़ा की 'चुप्पी' का राज क्या है?

सबसे बड़ा सवाल अंकलेश्वर ए-डिवीजन पुलिस स्टेशन के पीआई चावड़ा पर उठ रहा है। जागरूक लोगों के बार-बार इस जुए के अड्डे के बारे में बताने के बाद भी आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। हद तो तब हो गई जब शिकायतें बढ़ने पर पीआई चावड़ा ने अब लोगों के फोन उठाना भी बंद कर दिया है!

क्या पुलिस फोर्स एक बूटलेगर के अड्डे के आगे बेबस हो गई है? क्या नीचे का स्टाफ ऊपर के अधिकारियों को अंधेरे में रखकर काम चला रहा है?

पुलिस स्टेशन में चर्चा: क्या हम विशेष निगरानी दल की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं?

जब स्थानीय पुलिस निष्क्रिय हो जाती है, तो पूरे पुलिस विभाग की छवि खराब होती है। **अब सवाल यह है:**

क्या भरूच जिले के पुलिस अधीक्षक इन भ्रष्ट अधिकारियों और जुए के अड्डों पर तुरंत छापा मारेंगे?

क्या पीआई चावड़ा के खिलाफ जांच का आदेश जारी होगा, जिन्होंने अपनी ड्यूटी में लापरवाही दिखाई है?

या, यह पाप तभी फूटेगा जब गांधीनगर की राज्य निगरानी इकाई यहां कार्रवाई करेगी?

महानगर मेट्रो के जरिए जनता पूछ रही है कि अगर रक्षक ही भक्षक बन जाए और शराब तस्करों को पनाह दे, तो आम आदमी इंसाफ के लिए कहां जाए? अब देखना यह है कि कुंभकर्ण की नींद सो रहा पुलिस सिस्टम इस रिपोर्ट के बाद जागता है या विजय जैसे शराब तस्करों का 'एडमिनिस्ट्रेशन' चलता रहता है।

पाकिस्तान में डीजल 520 रुपये लीटर हुआ, पेट्रोल भी 450 के पार

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ बनने की कोशिश में लगा पाकिस्तान बड़े तेल संकट से जूझ रहा है। इसके चलते मुल्क में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल के दाम 50 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा दिए गए हैं। शुक्रवार से ये नए दाम प्रभावी हो जाएंगे। बीते महीने भी पाकिस्तान ने कीमतों में करीब 20 प्रतिशत का इजाफा किया था।

अब क्या हैं रेट : पाकिस्तान ने गुरुवार को डीजल की रेट बढ़ाकर 520.35 रुपये (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर और पेट्रोल की कीमत 458.40 रुपये प्रति लीटर कर दीं। एक ओर जहां डीजल रेट 54.9 फीसदी बढ़े हैं। वहीं पेट्रोल में 42.7 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने की वजह से यह कदम उठाया गया।

सरकार ने युद्ध को बताया जिम्मेदार : पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने इसका जिम्मेदार कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों को बताया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा, 'अमेरिका और ईरान युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें नियंत्रण के बाहर चली गई हैं। ऐसे में रेट बढ़ने ही थे।'

कराची पहुंचा एक जहाज : बुधवार को ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से निकला एक जहाज कराची पोर्ट पहुंचा था। ट्रस्ट के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि इसके अलावा एक दूसरा जहाज भी दूसरे मार्ग से बंदरगाह पर पहुंचा है। प्रवक्ता शारिक फारूकी ने कहा कि इस महीने खाड़ी देशों से जरूरी तेल की आपूर्ति के लिए पाकिस्तान के झंडे वाले और भी जहाजों के आने की उम्मीद है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ दिनों पहले ही पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा था कि ईरान होर्मुज से 20 अतिरिक्त पाकिस्तानी जहाजों को गुजरने देने पर सहमत हो गया है।

चीन के साथ मिलकर दिया प्लान : चीन और पाकिस्तान ने पश्चिम एशिया संघर्ष को समाप्त करने के लिए पांच सूत्री प्रस्ताव रखा है। इन प्रस्तावों में शत्रुता को तुरंत समाप्त करने, जल्द से जल्द शांति वार्ता शुरू करने, गैर-सैन्य लक्ष्यों की सुरक्षा और नौवहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर को मानने जैसे प्रावधान शामिल थे।

अमेरिका में भी महंगी हुई गैस : पश्चिमी एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका में औसत उपभोक्ता के लिए गैस की कीमतों में 35 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। कीमतों की इस वृद्धि से हाल बहुत जल्द राहत मिलने की भी उम्मीद नजर नहीं आती, क्योंकि होर्मुज कुछ देशों के जहाजों को छोड़कर सभी के लिए बंद है। होर्मुज का बंद होना वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को खासा प्रभावित कर रहा है, क्योंकि इस मार्ग से दुनिया के तेल का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना प्रमुख को पद छोड़ने का दिया आदेश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अमेरिकी आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को तत्काल पद छोड़ने और सेवानिवृत्त होने का निर्देश दिया है। रक्षा मंत्री के इस आदेश के बाद जनरल जॉर्ज ने प्रभावी रूप से अपना पद त्याग दिया है। ईरान के साथ जारी भीषण तनाव के बीच, हेगसेथ का यह कड़ा फैसला पेंटागन में बड़े प्रशासनिक फेरबदल का संकेत दे रहा है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने एक बयान में कहा, 'जनरल रैंडी ए. जॉर्ज आर्मी के 41वें चीफ ऑफ स्टाफ के पद से तत्काल प्रभाव से रिटायर हो रहे हैं। रक्षा विभाग देश के लिए उनकी दशकों की सेवा के लिए उनका आभारी है और उनके रिटायरमेंट के लिए शुभकामनाएं देता है।' अमेरिकी सेना और रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्टि की है कि हेगसेथ ने जॉर्ज से पद छोड़ने के लिए कहा था। उनकी जगह सेना के उप सेनाध्यक्ष जनरल क्रिस्टोफर लानेव जिम्मेदारी संभालेंगे। जनरल क्रिस्टोफर लानेव सीनेट से उनके उत्तराधिकारी की पुष्टि होने तक एक्टिंग चीफ के तौर पर काम करेंगे।

हता दें, जनरल रैंडी ए. जॉर्ज सितंबर 2023 में सेना के प्रमुख बने थे, उनके पास आम तौर पर चार साल के कार्यकाल में लगभग डेढ़ साल बाकी थे। हेगसेथ के ऑफिस संभालने के बाद जॉर्ज पद छोड़ने वाले सबसे नए वरिष्ठ सैन्य अधिकारी बन गए हैं। यह बदलाव सिर्फ एक पोस्ट से कहीं ज्यादा है। रिपोर्टिंग में बताए गए रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, जॉर्ज के साथ दो और आर्मी जनरलों को भी हटा दिया गया, जिनमें ट्रेनिंग और चैपलेंसी के काम देखने वाले

वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। इस कदम पर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेसी यूजीन विंडमैन ने कहा, 'जनरल रैंडी जॉर्ज एक जबरदस्त पब्लिक सर्वेंट और सैनिक हैं। यह निराशाजनक है कि उनके जैसे अधिकारी को इसलिए किनारे कर दिया गया क्योंकि राष्ट्रपति एक ऐसा आदमी चाहते हैं जो उनकी हां में हां मिलाए। विंडमैन ने पेंटागन लीडरशिप की भी आलोचना करते हुए कहा, 'अगर पेंटागन में नेतृत्व की गुणवत्ता पर सवाल हैं, तो ये सवाल सेक्रेटरी हेगसेथ को लेकर उठाया जाना चाहिए, न कि उन पर जिन्होंने अपना करियर सम्मान के साथ हमारे देश की सेवा में बिताया है।' यह बदलाव अमेरिकी सेना में बड़े तनाव के बीच हुआ है। इसके अलावा, हेगसेथ ने हाल ही में एक अपाचे हेलीकॉप्टर क्रू से जुड़ी एक घटना में दखल देकर विवाद खड़ा कर दिया था। इस घटना से जुड़ा सस्पेंशन हटाने के बाद उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'कोई सजा नहीं। कोई जांच नहीं। देशभक्तों, आगे बढ़ो।' पेंटागन ने जॉर्ज को हटाने के पीछे के कारणों के बारे में डिटेल में नहीं बताया है। सेना प्रमुख का पद अमेरिका में सबसे सीनियर सैन्य पदों में से एक है।

अमेरिका में बड़ा हेल्थकेयर घोटाला, पचास मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी का भंडाफोड़

कैलिफोर्निया , एजेंसी। अमेरिका में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ा एक बड़ा घोटाला सामने आया है, जिसने पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसी के तहत कैलिफोर्निया में एफबीआई ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर आरोप है कि उन्होंने झूठे होस्पिस केयर केंद्र चलाकर मेडिकेयर से करीब 50 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी की। आरोपियों में नर्स, डॉक्टर, साइकोलॉजिस्ट और कायरोप्रैक्टर शामिल हैं। जांच में पता चला कि मरीजों को वास्तविक टर्मिनल बीमारी के बिना दाखिल कर बिल बनाया गया, जिससे स्वास्थ्य प्रणाली और टैक्सदाताओं को भारी नुकसान हुआ। बता दें कि यह कार्रवाई उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व वाले टास्क फोर्स टू एलीमिनेट फ्रॉड के सहयोग से की गई। एफबीआई और अभियोजन के अनुसार गिरफ्तार व्यक्तियों में तीन नर्सें, एक डॉक्टर, एक साइकोलॉजिस्ट और एक कायरोप्रैक्टर शामिल हैं। इन पर आरोप है कि उन्होंने ऐसे मरीजों को होस्पिस में दाखिल कर बिल बनाया, जिनकी वास्तव में टर्मिनल बीमारी नहीं थी। आमतौर पर होस्पिस में लोग जीवन के अंतिम चरण में जाते हैं, लेकिन इन केंद्रों में मरीजों की जीवित रहने की दर राष्ट्रीय औसत 17% से पांच गुना ज्यादा थी।

मुख्य आरोपियों में कौन-कौन है- ग्लैडविन और एमेलौ गिल- 626 होस्पिस के मालिक, जिन पर 5.2 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी करने और गैरकानूनी किकबैक देने का आरोप। लोलीता बेरोनिला मिनर्ड- टोपांगा होस्पिस की मालिक, जिन पर 9 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी का आरोप। सोनिया ग्रिफेन- हेल्थकेयर फ्रॉड में पांच मामलों में आरोपित। ग्रेगरी कार्टमेल- कायरोप्रैक्टर, हेल्थकेयर फ्रॉड और आईडेंटिटी चोरी के आरोप में गिरफ्तार। इवान वर्न लॉरिट्जन- वैली पैसिफिक होस्पिस के सीईओ और सीएफओ, जिनकी मेडिकेयर एनरोलमेंट 2024 में रद्द हो चुकी थी। नीता अल्मुएटे पड्डिट पाल्मा और पति अदोल्फो कैटबैगन- तीन झूठे होस्पिस केंद्र चलाने और वायर फ्रॉड करने के आरोप। एफबीआई के सहायक निदेशन ने दी जानकारी मामले में एफबीआई के लॉस एंजिलेस क्षेत्र के सहायक निदेशक अकील डेविस ने कहा कि दक्षिण कैलिफोर्निया हेल्थकेयर धोखाधड़ी के लिए उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है। अमेरिका हर साल हेल्थकेयर धोखाधड़ी में सैकड़ों अरब डॉलर खो देता है, जिससे आम लोगों के बीमा प्रीमियम और टैक्स बढ़ते हैं। ऐसे में अब यह मामला अमेरिकी स्वास्थ्य प्रणाली में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और झूठे होस्पिस संचालन की गंभीरता को उजागर करता है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380 009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700,

CMYK